Annual Report
वार्षिक रिपोर्ट
2016 – 17

Central University of South Bihar

(NAAC Accredited "A" Grade University)

दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय

www.cusb.ac.in

वार्षिक रिपोर्ट

2016 – 17

दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय

वेबसाईट: **www.cusb.ac.in**

संपादकीय मण्डल

संरक्षक

प्रो. हरीश चन्द्र सिंह राठौर	कुलपति

पर्यवेक्षण

प्रो. ओम प्रकाश राय	प्रति कुलपति
डा. गायत्री विश्वनाथ पाटिल	कुलसचिव

अध्यक्ष

प्रो. प्रभात कुमार सिंह	डीन स्कूल ऑफ लेंग्वेजेज़ एंड लिट्रेचर

समन्वयक एवं संपादक

श्री मो. मुदस्सीर आलम	जनसम्पर्क अधिकारी (पीआरओ)

सदस्यगण

श्री प्रतीश कुमार दास	सहायक निदेशक, राजभाषा
श्री विपुल कुमार श्रीवास्तव	सहायक कुलसचिव, प्रशासन एवं स्थापना
श्री कुमार कौशल	सहायक कुलसचिव, शैक्षणिक
श्री प्रवीण कुमार	सहायक कुलसचिव, विकास
डा. अर्पणा झा	सहायक प्राध्यापक, इंगलिश
श्री निशांत जोशी	अनुभाग अधिकारी, वित्त एवं लेखा
श्री ओम प्रकाश	प्रवर श्रेणी लिपिक

सीयूएसबी के सांविधिक पद

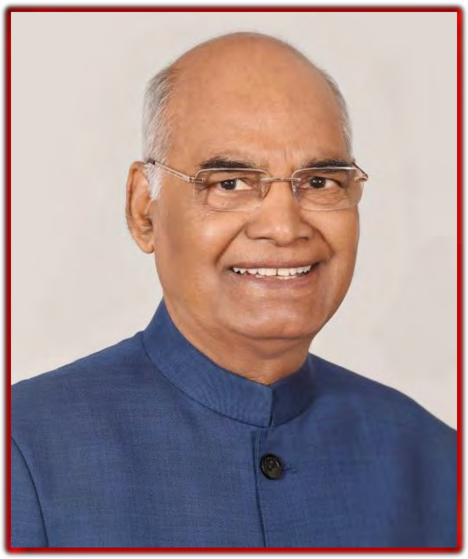

कुलाध्यक्ष
श्री रामनाथ कोविन्द
महामहिम, भारत के राष्ट्रपति

कुलपति
प्रो. एच. सी. एस राठौर

प्रति कुलपति
प्रो. ओ. पी. राय

कुलसचिव
डा. गायत्री वी. पाटिल

वित्त अधिकारी
श्री गिरीश रंजन

प्रभारी परीक्षा नियंत्रक
श्रीमती रश्मि त्रिपाठी

कुलपति की कलम से

प्रो. हरीश चन्द्र सिंह राठौर
(डीएएडी एंड हम्बोल्ट फ़ेलो)

दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ....

पंचानपुर , गया में विश्वविद्यालय के हमारे 300 एकड़ के विशाल परिसर से वार्षिक रिपोर्ट 2016-17 को प्रस्तुत करने पर मैं बेहद प्रसन्न हूं। स्थायी परिसर से काम करने का विश्वविद्यालय परिवार का सपना लंबे अरसे से था, जो अंततः 10 जुलाई, 2017 को हकीकत में बदला । यह दक्षिण-बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के 8-वर्ष के अतीत के इतिहास में एक लाल पत्र का दिन था क्योंकि प्रशासन ने सुंदर-सुसज्जित प्राचीन परिवेश के बीच कार्यालय से अपना कार्य प्रारम्भ किया। विश्वविद्यालय के कुलपति होने के नाते इस विशेष क्षण ने मेरी खुशी को कई गुना बढ़ा दिया है क्योंकि पंचानपुर में भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण करना मेरी पहली और सर्वोच्च प्राथमिकता थी। 5 अगस्त, 2015 को कुलपति के रूप में पद संभालने के दिन से लेकर पंचानपुर में प्रथम दिन की तारीख मैं और मेरी योग्य टीम ने दिन-रात काम किया ताकि भवनों के निर्माण कार्य का समय पर पूरा होना सुनिश्चित किया जा सके। यह काफी सुखद अहसास है कि हम भवन निर्माण कार्य शुरू होने के बाद से 22 महीनों के रिकार्ड समय के भीतर सितंबर 2017 में अपना लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। यह पूरे सीयूएसबी परिवार के लिए बहुत उत्साहजनक और महती उपलब्धि है, और हम इसी तरह की अन्य सफलताओं हेतु उन्मुख हैं ताकि हमारा विश्वविद्यालय ना केवल इस क्षेत्र में बल्कि देश में भी उच्च शिक्षा के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में से एक हो सके।

आगे बढ़ते हुए, मुझे विशेष रूप से यह बताना है कि एक विश्वविद्यालय के लिए शिक्षा और इसका विकास सबसे महत्वपूर्ण अवयव है। अप्रैल 2016 से मार्च 2017 की अवधि, सीयूएसबी और इसके संकाय, छात्रों, कर्मचारियों और स्टेक होल्डर्स के लिए संतोषजनक और साथ ही संतुष्टिदायक रहा । सीयूएसबी के संकाय सदस्यों ने अपने संबंधित क्षेत्रों में अपनी विशेषज्ञता के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रसार करने और विभिन्न वित्तपोषण एजेंसियों से शोध परियोजनाओं को हासिल करने के लिए कोई भी कसर नहीं छोड़ी । अत्यधिक प्रेरित छात्रों ने यूजीसी नेट / जेआरएफ, गेट, और फेलोशिप जैसे प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के झंडे गाड़कर कई मायनों में अपने परामर्शदाताओं (शिक्षकों) के प्रयासों को संपुष्ट किया। वास्तव में, संकाय और छात्रों ने शैक्षिक और पाठ्येतर गतिविधियों के बीच बेहतरीन संतुलन बनाने का प्रयास किया ।

जहां संगोष्ठियों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं, अतिथि व्याख्यान ने शैक्षिक परिवार, शोधकर्ताओं और विद्वानों को अभिनव विचारों को एक मंच के तहत लाने और चर्चा करने तथा उनका आदान-प्रदान करने का सुअवसर प्रदान किया वहीं महत्वपूर्ण दिनों के आयोजन, यूजीसी / एमएचआरडी के आयोजन यथा 'स्वच्छ भारत अभियान', सांस्कृतिक गतिविधियों और स्फूर्तिदायक बढ़ते खेलों ने छात्रों की मानसिक और शारीरिक शक्ति को बढ़ाया। मुझे यह बताने में प्रसन्नता हो रही है कि विश्वविद्यालय ने भारत सरकार के 'डिजिटल इंडिया' अभियान का समर्थन करने के लिए सभी तरह के लेनदेन को तत्काल रूप से नकदरहित रूप में बदल दिया है। यह अवश्य उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय प्रशासन अकादमिक और सह-पाठयक्रम गतिविधियों के सुचारु संचालन के लिए हमेशा सहायक रहा और एक प्रेरणा शक्ति की तरह काम किया।

एक नैक मान्यता प्राप्त "ए" ग्रेड विश्वविद्यालय और क्षेत्र में तेजी से बढ़ती शैक्षणिक संस्था होने के नाते इस गति को बनाए रखने के लिए एक बड़ी जिम्मेदारी हमारे कंधों पर आती है। अपने विषयों में पर्याप्त विशेषज्ञता के साथ हमारे गुणी संकाय छात्रों के पोषण के लिए प्रतिबद्ध हैं और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में विद्वान बनाते हैं। दूसरी ओर, हम मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) भारत सरकार के द्वारा संचालित ऑनलाइन पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों को प्रारम्भ करने के लिए समान रूप से प्रतिबद्ध हैं। परिसर को पूरी तरह से तकनीकी-अनुकूल बनाकर और प्लेटर पर भी वाई-फाई हॉटस्पॉट जैसे डिजिटल मोडों से लैस कर विशाल ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसी), स्वयं (स्टडी वेब्स ऑफ एक्टिव लर्निंग फॉर यंग एस्पाइरिंग माइंड्स) जैसे कुछ ऐसे कार्यक्रम हैं, जो हम विश्वविद्यालय में सक्रिय रूप से लॉन्च करने जा रहे हैं। स्मार्ट क्लास रूम की स्थापना, दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पत्रिकाओं और पुस्तकों की सदस्यता के साथ ही अन्य सुविधाओं सहित एक सुभंडारित केंद्रीय पुस्तकालय जैसी कुछ अन्य सुविधाओं को हम आने वाले समय में विश्वविद्यालय में उपलब्ध कराने की कोशिश कर रहे हैं।

आशा है कि इस अवधि (अप्रैल 2016 से मार्च 2017) की तरह ही आने वाले शैक्षणिक वर्ष में भी विश्वविद्यालय सभी के संयुक्त प्रयासों के साथ आगे और अधिक सफलता और उपलब्धियों के साथ उन्नति करेगा । यह सुप्राप्य योग्य है और साथ में मिलकर हम ऐसा ही करेंगे, जैसा कि हमने अतीत में भी किया है और सीयूएसबी को - "वसुधैव कुतुंबकम" बनाने के लिए अपने आदर्श वाक्य "सामूहिक तर्क" के साथ आगे बढ़ेंगे ।

(प्रो. हरीश चन्द्र सिंह राठौर)

सूची

क्र. सं.	विवरण	पृष्ठ सं.
1.	मुख्य उपलब्धियाँ / कार्यकारी सारांश	1
2.	दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय एक नज़र	2 - 5
3.	सीयूएसबी में सहपाठ्येतर गतिविधियाँ / आयोजन	6 - 15
4.	स्कूल एवं केंद्र/ विभाग	16 - 50
	(i) स्कूल ऑफ अर्थ, बायोलोजिकल एंड एनवायर्नमेंटल साइंसेज	
	(ii) स्कूल ऑफ एजुकेशन	
	(iii) स्कूल ऑफ ह्यूमन साइंसेज	
	(iv) स्कूल ऑफ लेंग्वेजेज़ एंड लिट्रेचर	
	(v) स्कूल ऑफ लॉं एंड गवर्नेंस	
	(vi) स्कूल ऑफ मीडिया, आर्ट्स एंड एस्थेटिक्स	
	(vii) स्कूल ऑफ मेथेमेटिक्स, स्टेटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस	
	(viii) स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड पॉलिसी	
5.	केन्द्रों/ विभागों में गतिविधियाँ	51
6.	विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ	52 - 53
7.	शैक्षणिक सांख्यिकी	54 - 63
8.	सीयूएसबी से विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति/ विद्यार्थीवृत्ति	64 - 69
9.	नियुक्तियाँ/भर्तियाँ	70 - 71
10.	विश्वविद्यालय के सांविधिक प्राधिकार	72 - 74
11.	सांविधिक प्राधिकारों की बैठकें	75 - 76

मुख्य उपलब्धियां/ कार्यकारी सारांश

नैक 'ए' ग्रेड मान्यता

सीयूएसबी ने नैक (नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रीडिशन काउन्सिल) से 'ए' ग्रेड की मान्यता अपने प्रथम प्रयास में ही 25 मई, 2016 को प्राप्त की.

94वां एनआईआरएफ रेंकिंग - 2016

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 04 अप्रैल, 2016 को नेशनल इन्स्टीट्यूशनल रेंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में सीयूएसबी को भारत के 100 विश्वविद्यालयों में सूचीबद्ध घोषित किया गया है. सीयूएसबी 94वां स्थान हासिल कर यह उपलब्धि पानेवाली बिहार में एकमात्र यूनिवर्सिटी है।

नए शैक्षणिक कार्यक्रम

विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक वर्ष 2016-17 से स्कूल ऑफ लॉं एंड गवर्नेंस के अंतर्गत एलएलएम कार्यक्रम शुरू किया है। स्नातकोत्तर कार्यक्रम के अतिरिक्त विश्वविद्यालय ने सोलह विभाग / केंद्र तथा कार्यक्रम में अर्थात् (i) बायोटेक्नोलोजी (ii) लाइफ साइंस (iii) एनवायर्नमेंटल साइंस (iv) मेथेमेटिक्स (v) स्टेटिस्टिक्स (vi) कम्यूनिकेशन एंड मीडिया स्टडीज़ (vii) साइकोलोजी (viii) कंप्यूटर साइंस (ix) हिंदी (x) इंगलिश (xi) सोशियोलोजी (xii) डेवलपमेंट स्टडीज़ (xiii) इकोनॉमिक्स (xiv) पॉलिटिकल साइंस एंड आई आर (xv) एजुकेशन (xvi) लॉं में पीएचडी की शुरुआत की है।

विद्यार्थियों का नामांकन/ सीयूएसबीईटी 2016

सीयूएसबी ने ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा सीयूएसबीईटी (सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ साउथ बिहार एंट्रांस टेस्ट), 2016 को 28 एवं 29 मई 2016 को पूरे देश में 26 केन्द्रों पर आयोजित किया। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जानेवाली अंडरग्रेजुएट, पोस्ट्ग्रेजुएट एवं पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु शैक्षिक वर्ष 2016- 17 के लिए यह आयोजित की गई। लिखित एवं साक्षात्कार के माध्यम से कुल 533 उम्मीदवारों को यूजी, पीजी एवं पीएचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया गया.

नई नियुक्तियाँ/ भर्तियाँ

प्रो. एच. सी. एस. राठौर के कुलपतित्व में की गई नियुक्तियों/भर्तियों का विवरण निम्नलिखित है:

शैक्षणिक पद – कुल मिलाकर 10 संकाय सदस्यों की नियुक्तियाँ इस अवधि के दौरान की गईं जिसने 121 तक की क्षमता बढ़ा दी 03 संकाय सदस्यों की पुनर्नियुक्ति तथा 11 संकाय सदस्यों की नियुक्ति संविदा आधार पर की गई (121 में से, 03 नियमित संकाय सदस्यों तथा 10 अनुबंधित संकाय सदस्यों ने विश्वविद्यालय परित्याग दिया).

गैर -शैक्षणिक पद – 28 गैर – शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्तियाँ इस अवधि के दौरान की गईं। इसप्रकार शैक्षणिक कर्मचारियों की कुल क्षमता 101 तक पहुँच गई।

अनुदान

विश्वविद्यालय को वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान सामान्य विकास सहायता के तहत 55.84 करोड़ रूपए की राशि प्राप्त हुई है, पिछले साल की 99.40 करोड़ रुपए की व्युत्पन्न शेष राशि और ट्यूशन फीस और अन्य आय से प्राप्त राशि रू. 8.62 करोड़ की राशि का उपयोग 91.77 करोड़ रुपए में किया गया।

दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) संसद के केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 (2009 के 25वें खंड) के तहत स्थापित 16 नवीन केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से एक है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा दो परिसर किराये के मकान में पटना तथा गया में संचालित किए जा रहे हैं | विश्वविद्यालय का स्थायी परिसर गया रेलवे स्टेशन से लगभग 12 कि.मी. दूर पंचानपुर में स्थापित हो रहा है | विश्वविद्यालय विश्व स्तर के शिक्षकों, उच्च शिक्षक-छात्र अनुपात, विभिन्न कार्यक्रमों में वैकल्पिक पाठ्यक्रम की पूरी संरचना के साथ-साथ विश्वविद्यालय के छात्रों के प्रदर्शन की कुल आंतरिक मूल्यांकन के साथ चुनाव आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) प्रदान करता है। 'छात्रों के समग्र व्यक्तित्व के पोषण करने के लिए समर्थन प्रणाली और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने के लिए दृष्टिकोण, नवीन शिक्षण, सुव्यवस्थित ढांचागत सुविधाओं और छात्रों के साथ अनुकूल और प्रभावी अनुसंधान उन्मुख वातावरण मुख्य विशेषताएं हैं।.

अधिनियम की धारा 5 में यथा उल्लिखित, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के उद्देश्य हैं:

"...विद्या के ऐसे क्षेत्रों में, जहां विश्वविद्यालय उपयुक्त समझे, शिक्षण एवं शोध की सुविधा प्रदान कर ज्ञान का प्रचार-प्रसार करना, अपने शैक्षणिक कायक्रमों के मानविकी, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में संश्लेषित पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रावधान करना एवं शिक्षा अर्जन पद्धति तथा अंतरविषयी अध्ययन एवं शोध में अभिनव विचारों को बढ़ावा देने हेतु उपयुक्त उपाय करना, देश के विकास के लिए जनशक्ति को शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उन्नयन हेतु उद्योग जगत से तारतम्य स्थापित करना तथा लोगों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति, उनके कल्याण तथा उनकी बौद्धिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विकास की ओर विशेष ध्यान देना।"

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों के अनुसरण में तथा समाज की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय ने 2009 में प्रारंभ से ही विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा अपना विकास किया है। एक सच्ची और विनम्र शुरूआत के साथ स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज़ एंड पॉलिसीज़ के तहत सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज़ की स्थापना की गई जो एमए डेवलपमेंट स्टडीज़ में दो वर्षीय मास्टर ऑफ आर्ट्स् प्रदान कर रहा है | अगले शैक्षणिक वर्ष 2010-11 में विश्वविद्यालय ने 5 अतिरिक्त स्नातकोत्तर कार्यक्रम बायोटेक्नोलॉजी , कंप्यूटर साइंस, एनवायरनमेंटल साइंस, मेथेमेटिक्स और स्टैटिस्टिक्स की शुरूआत की। शैक्षणिक वर्ष 2011-12 में 3 और स्नातकोत्तर कार्यक्रम नामतः बायोइनफॉरमेटिक्स, कम्युनिकेशन एंड मीडिया स्टडीज़ एंड साइकोलॉजी को जोड़ा गया। शैक्षणिक वर्ष 2012-13 में 7 नए मास्टर/स्नातकोत्तर कार्यक्रम नामतः लाइफ साइंस, इकोनॉमिक्स , इंगलिश, हिंदी, पॉलिटिकल साइंस एंड इंटरनेशनल रिलेशंस, सोशियोलॉजी एवं एमटेक कंप्यूटर साइंस को प्रारंभ किया गया। शैक्षणिक वर्ष 2013-14 में चार वर्षीय इंटीग्रेटेड ड्यूअल डिग्री बीए.बीएड एवं बीएससी.बीएड को स्कूल ऑफ़ एजुकेशन के तहत तथा पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड लॉ डिग्री प्रोग्राम बीए.एलएलबी (ऑनर्स) एवं बीएससी.एलएलबी (ऑनर्स) को स्कूल ऑफ़ लॉ एंड गवर्नेंस के तहत प्रारंभ किया गया। स्कूल ऑफ़ वोकेशनल स्टडीज के तहत सत्र 2015-16 से बी.वोक. इन आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स कार्यक्रम प्रारम्भ किए गए | शैक्षणिक सत्र 2016-17 से दो वर्षीय एम.एड तथा एक वर्षीय एलएलएम कार्यक्रम प्रारम्भ किए गए | 2013 से सभी विषयों में पीएचडी कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं | 2013 से, एकीकृत एम. फिल-एच. डी. कार्यक्रम शुरू किए गए थे और लगभग सभी विषयों में चल रहे हैं। 2016-17 से, सभी केंद्रों / कार्यक्रमों में पीएच.डी. कार्यक्रम यूजीसी नियमों के अनुसार शुरू किए गए थे। विश्वविद्यालय में शिक्षा (एमएड) और लॉ (एलएलएम) में स्नातकोत्तर कार्यक्रम भी प्रदान किए जा रहे हैं। वर्तमान में कुल 04 अंडर ग्रेजुएट (यूजी), 17 स्नातकोत्तर (पीजी) और 12 एम.फिल – पीएचडी. कार्यक्रमों को 18 केंद्र / विभाग द्वारा संचालित किया जा रहा है।

सीयूएसबी में संकायगण / विद्यार्थीगण/ कर्मचारीगण हेतु सुविधाएँ

केन्द्रीय पुस्तकालय

विश्वविद्यालय के पास दोनों परिसरों (पटना तथा गया) में सभी सुविधाओं से लैस केंद्रीय पुस्तकालय है। पुस्तकालय के पास अद्यतन संस्करण के शीर्षक के पुस्तकों तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स की पर्याप्त वॉल्यूम में संग्रह उपलब्ध है। पुस्तकालय ने 25000 से अधिक पुस्तकों का एक संतुलित संग्रह तैयार किया है जो विभिन्न साइंस एवं सोशल साइंस विषयों में शैक्षणिक गतिविधियां, शिक्षण एवं शोध को परिपोषित करती है। सभी पुस्तकों को डेवी डेसीमल क्लासिफिकेशन स्कीम (डीडीसी) की सहायता से बार कोडित तथा शेल्फस(आलमारियों) में सजाया जा चुका है। पुस्तकालय ने 101 गुणवत्तापूर्ण प्रिंट जर्नल एवं पत्रिकाओं, 444 जर्नल्स की बाउंड वॉल्यूम तथा 100 प्रोजेक्ट रिपोर्ट के साथ विश्व में नामचीन प्रकाशकों के 8200 से अधिक फुल टेक्स्ट इलेक्ट्रॉनिक जर्नल्स की भी सदस्यता ग्रहण की है। पुस्तकालय सेवाओं में पुस्तकों का परिसंचरण (जारीकरण/वापसी), डेलनेट नई दिल्ली के द्वारा इंटर-लाइब्रेरी लोन, पुस्तकों एवं जर्नल हेतु करेंट अवेयरनेस सर्विस (सीएएस), फोटोकॉपी इत्यादि शामिल हैं। उपयोगकर्ता (यूजर्स) पुस्तकालय में पुस्तकों की

उपलब्धता,पुस्तकों की वर्तमान स्थिति, वापसी की नियत तिथि, पुस्तक को रिजर्व होल्ड (पास रखने) की स्थिति को ओपीएसी इस्तेमाल कर जान सकते हैं। विद्यार्थियों संकायों एवं कर्मचारियों को इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक पहुंच विश्वविद्यालय परिसर में उनके कंप्यूटरों पर ही उपलब्ध हैं। इन संसाधनों तक पहुंच को वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) द्वारा 24 X 7 सन्दर्भ सेवा में विस्तारित किया गया है। पुस्तकालय सभी कार्य दिवसों को प्रातः 09:00 बजे से सायं 06:00 बजे तक खुला रहता है।

सेंट्रल कंप्यूटिंग फैसिलिटी (सीसीएफ)

आईसीटी इन्फ्रास्ट्रक्चर/ कंप्यूटर प्रयोगशाला

विभिन्न केन्द्रों/विभागों की कंप्यूटिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के पास एक कॉमन कंप्यूटिंग सुविधा है। कंप्यूटर प्रयोगशाला विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्टाफ को उनके सत्रीय कार्यों, परियोजनाओं, शोध निबंधों और शोध संबंधी कार्यों को पूरा करने के लिए एक सेंट्रल कंप्यूटिंग सुविधा उपलब्ध करा रहा है। कंप्यूटर प्रयोगशाला में प्रिंटिंग एवं स्कैनिंग सुविधायें प्रदान की जाती हैं। शिक्षकों को व्यक्तिगत डेस्कटॉप/ लैपटॉप उनके पुल प्रिंटर के साथ प्रदान किए गए हैं जो उनके व्याख्यानों एवं उनके शोध जरूरतों को पूरा करते हैं लगभग सभी प्रशासनिक डेस्क पर उचित संख्या में डेस्कटॉप के साथ प्रिंटर/ फोटोकॉपी की सुविधा प्रदान की जा रही है।

इंटरनेट और इंट्रानेट - इंटरनेट कनेक्टिविटी भारत सरकार की नेशनल मिशन ऑन एजुकेशन थ्रू इन्फार्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (एनएमई-आईसीटी) योजना के तहत प्रदान की जाती है। सभी कंप्यूटर 1-जीबीपीएस की इंटरनेट कनेक्टिविटी से जुड़े हुए हैं। गिगाबाइट इथरनेट और ओएफसी बैकबोन से लैस इंट्रानेट नेटवर्क विभागों/केन्द्रों, पुस्तकालय, प्रशासन, वर्ग कक्षों में इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करता है।

संसाधन- वर्तमान में विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों में उच्च गुणवत्ता वाले 500 कंप्यूटर उपलब्ध हैं। सभी कंप्यूटर अत्याधुनिक ऑपरेटिंग सिस्टम एवं एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर से लैस हैं जो सभी शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करते हैं। कंप्यूटर फॉयरवाल तथा विश्वसनीय एंटीवायरस सॉफ्टवेयर से सुरक्षित हैं जो कंप्यूटरों को कंप्यूटर वायरस, मालवेयर तथा असुरक्षित पहुंच से बचाते हैं।

ई-लर्निंग उपकरण (एक दृष्टि) - एनएमई-आइसीटी योजना के अंतर्गत, एक दृष्टिवर्ग कक्ष कतिपय विश्वविद्यालयों को एक साथ जुड़ने का अवसर प्रदान करता रहा है और यह विद्यार्थियों के लिए आभासी विश्व का सृजन करता है। यह ज्ञान कैफे की तरह भी काम करता है जहां विद्यार्थी यथार्थ कक्षा के बाद दिए गए व्याख्यान के विषय में विचार-विमर्श/चर्चा कर सकते हैं।

वेबसाइट तथा ई-मेल सुविधा - विश्वविद्यालय का एक पूर्ण कार्यशील वेबसाइट विकसित किया गया है। इसे नियमित रूप से अनुरक्षित और अद्यतन किया जाता है। वेबसाइट का यूआरएल www.cusb.ac.in है। विश्वविद्यालय के पास विद्यार्थियों एवं अध्यापकों एवं कर्मचारियों को समूह में मेल भेजने की क्षमता वाला शक्तिशाली ई-मेल सिस्टम है।

आवास सुविधा : वर्तमान में विश्वविद्यालय भुगतान आधार पर पटना एवं गया परिसर में लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग छात्रावास सुविधा प्रदान करता है | वर्तमान में विद्यार्थियों के लिए छात्रावास और भोजनगृह की सीमित सुविधा उपलब्ध है।

परिवहन : छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों हेतु छात्रावास और परिसर के बीच साप्ताहिक दिनों में परिवहन सुविधा प्रदान की जाती है | शहर के विभिन्न भागों में रहने वाले दैनिक छात्रों को भी निर्धारित रूट/स्थानों से परिवहन सुविधा प्रदान की जाती है | परिवहन सुविधा विश्वविद्यालय को मार्जिनल शुल्क प्रदान कर ली जा सकती है |

स्वास्थ्य केन्द्र : विश्वविद्यालय के पास अपना स्वास्थ्य केंद्र है जो चिकित्सा अधिकारियों के पर्यवेक्षण मे दोनों परिसरों में विद्यार्थियों को सामान्य रोगों मे प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराता है।

विद्यार्थी मेडिक्लेम पॉलिसी : विद्यार्थी मेडिक्लेम विद्यार्थियों के लिए नेशनल इंश्योरेंस कंपनी की एक अनोखी पॉलिसी है जो उन्हें स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत दुर्घटना हेतु बीमा प्रदान करती है। दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थी इस योजना के तहत बीमित हैं जिसके तहत वे अधिकृत अस्पतालों में कैशलेस चिकित्सा सुविधा के पात्र हैं साथ ही साथ अन्य अस्पतालों में 50,000 रूपए की सीमा तक चिकित्सा सुविधा प्राप्त कर प्रतिपूर्ति ले सकते हैं।

छात्रवृत्ति योजनायें : विश्वविद्यालय में योग्य और जरूरतमंद विद्यार्थियों हेतु निम्नलिखित छात्रवृत्ति/सहायतावृत्ति की योजनाएं उपलब्ध हैं: नामतः (i) सीयूएसबीईटी/सेमेस्टर टॉपर हेतु मेधा छात्रवृत्ति (ii) मेधा-सह-साधन छात्रवृत्ति (iii) गेट छात्रवृत्ति (iv) अध्ययन सह उपार्जन (ईडब्ल्यूवाईएल) योजना तथा (v) उपस्थिति आधारित मेधा छात्रवृत्ति ।

मनोवैज्ञानिक परामर्श और मार्गदर्शन सेवायें : शारीरिक स्वास्थ्य की तरह मानसिक स्वास्थ्य कार्यकुशलता और उत्पादकता निर्धारित करता है। मानसिक स्वास्थ्य शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया, रचनात्मकता और शैक्षणिक संस्थानों में सौहार्दपूर्ण माहौल के लिए महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय ने छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए एक विकसित दृष्टिकोण के साथ संस्थान हेतु एक मनोवैज्ञानिक परामर्श और मार्गदर्शन सेवाओं को अपनाया है।

कैम्पस प्लेसमेंट : विश्वविद्यालय के पास एक कैरियर काउंसिलिंग और प्लेसमेंट सेल है जो विभिन्न केन्द्रों और विभागों के तहत विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों के लिए कैंपस प्लेसमेंट और रोजगार के अवसरों का ख्याल रखता है। कई छात्रों को सत्र 2016-17 के दौरान 2016 में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन, केयर इंडिया (एनजीओ), पिरामल फाउंडेशन,

प्रभात खबर, टाइम्स ऑफ इंडिया, मॉर्निंग इंडिया और हिंदुस्तान टाइम्स जैसे संगठनों में नौकरी की नियुक्ति मिली ।

छात्र कल्याण बोर्ड : डीन छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) कक्षाओं के बाहर के छात्रों को व्यक्तित्व के विकास और आगे बढ़ने में योगदान हेतु सामान्य कल्याण के लिए जिम्मेदार है। डीएसडब्ल्यू का कार्यालय विभिन्न कर्तव्यों और कार्यों को निष्पादित करती है, यथा. (i) विश्वविद्यालय के बाहर शैक्षिक पर्यटन, यात्रा और खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए व्यवस्था बनाना (ii) सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन (iii) छात्र निकायों का गठन (iv) छात्र शिक्षक सम्बन्ध (v) जरूरतमंद छात्रों को वित्तीय सहायता और यात्रा के लिए रियायत तथा अन्य सुविधाएं (vi) देश में या विदेश में आगे के अध्ययन के लिए फैलोशिप/ छात्रवृत्ति की सुविधा (vii) स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवायें (viii) छात्र परामर्श (ix) दिव्यांग छात्रों को या महिलाओं को विशेष सहायता (यदि आवश्यक हों तो) उपलब्ध करना (x) छात्र इनफॉर्मेशन सर्विसेज (xi) पूर्व छात्र संघ (xii) कुलपति द्वारा प्रत्यायोजित तथा अधिकृत प्रमाण पत्र जारी करना।

खेल और सांस्कृतिक / सह-पाठ्यचर्या गतिविधियां :
विश्वविद्यालय में खेलकूद गतिविधियों से संबन्धित समिति और सांस्कृतिक समिति है जो वर्ष भर छात्रों के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करती है।

सीयूएसबी में समितियां/प्रकोष्ठ/ समूह

क्रम सं.	समितियों/प्रकोष्ठों/ समूहों के नाम
1	एंटी रैंगिंग सेल
2	बिल्डिंग एंड वर्क्स कमिटी
3	कैरियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल
4	सेन्ट्रल परचेज कमिटी
5	कम्यूनिटी डेवलपमेंट सेल
6	कल्चरल एक्टिविटीज कमिटी
7	सामान अवसर प्रकोष्ठ
8	गेम्स एंड स्पोर्ट्स कमिटी
9	गैर शैक्षणिक कर्मचारियों हेतु शिकायत निवारण समिति
10	विद्यार्थियों हेतु शिकायत निवारण समिति
11	शैक्षणिक कर्मचारियों हेतु शिकायत निवारण समिति
12	इन्स्टीट्यूशनल बायो-शेफ्टी कमिटी (आईबीएससी)
13	आतंरिक शिकायत समिति
14	लीगल एड क्लीनिक
15	लाइब्रेरी कमिटी
16	प्लानिंग एंड डेवलपमेंट बोर्ड
17	प्रोक्टोरियल बोर्ड
18	एससी/एसटी/ ओबीसी/ अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ
19	संगोष्ठी/ सम्मलेन/कार्यशाला समिति
20	स्पर्श (सेन्सिटाइजेशन, प्रीवेंशन एंड रीड्रेशल ऑफ सेक्सुअल हेरासमेंट) सेल
21	स्टडी सर्कल – “रेनेसां”
22	स्माइल- सोशल सर्विस ग्रुप
23	टास्कफोर्स फॉर वीमेन
24	उन्नत भारत अभियान (यूबीए) प्रकोष्ठ
25	यूनिवर्सिटी वेबसाईट एंड इंटरनेट कमिटी

सीयूएसबी में सह- पाठ्येतर गतिविधियाँ/ आयोजन

1 अप्रैल 2016 - 31 मार्च 2017 तक विश्वविद्यालय में सम्मेलनों, कार्यशालाओं, सेमिनारों, खेल-कूद आदि सहित कई शैक्षणिक और सह-पाठयक्रम गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसके अलावा, राष्ट्रीय महत्व के दिनों को धूमधाम, उत्साह और राष्ट्रीय भावना के साथ मनाया गया |

यूजीसी/ एमएचआरडी आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

विश्व स्तर पर ख्यातिप्राप्त अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सीयूएसबी ने 21 जून 2016 को एक विशेष योग अभ्यास सत्र का आयोजन किया। सत्र का आयोजन सीयूएसबी के कुलपति प्रो.एच.सी.एस. राठौड़ के पर्यवेक्षण तथा छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. सनत शर्मा के नेतृत्व में तथा आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संरचित आम योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) के अनुसार आयोजित की गयी।

सत्र ध्यान पदस्थापन या नमस्कार मुद्रा में प्रार्थना के साथ शुरू किया गया और इसके बाद विभिन्न योगासनों या मुद्राओं यथा खड़े होने की मुद्राएँ, बैठने की मुद्राएँ, प्रवण मुद्राएं और सुपाइन मुद्राएं आयोजित हुई।

आजादी 70 पखवाड़ा

सीयूएसबी ने " आजादी 70 " पखवाड़ा (स्वतंत्रता 70 – पाक्षिक) का आयोजन किया गया जो 09 अगस्त, 2016 को प्रारम्भ हुआI विश्वविद्यालय ने " याद करो कुर्बानी " थीम पर कार्यक्रम आयोजित किए जिनका उद्देश्य भारत के स्वतंत्रता संघर्ष में हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को याद करना था. आजादी 70 पखवाड़े का समापन 23 अगस्त, 2016 को कुलपति प्रो.एच.सी.एस. राठौड़ के नेतृत्व में राष्ट्रगान के समूह गायन से हुआ I

हिंदी पखवाड़े का आयोजन

दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय में 14 से 28 सितम्बर, 2016 के बीच हिंदी पखवाड़ा मनाया गया जिसके तहत राजभाषा पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किये गए ! सीयूएसबी के हिंदी अधिकारी सह सहायक निदेशक (राजभाषा) श्री० प्रतीश कुमार दास के नेतृत्व में हिंदी दिवस पखवाड़ा के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता, काव्य - पाठ प्रतियोगिता, टिप्पण व प्रारूपण प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, आदि का आयोजन किया गया ! पखवाड़े का औपचारिक उद्घाटन 14 सितम्बर को गया कैंपस में किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य राजभाषा के महत्वत्ता और उपयोगिता से समस्त विवि परिवार को अवगत कराना था ! इस पखवाड़े के अंतर्गत "राजभाषा हिंदी: उपलब्धियों व चुनौतियाँ" शीर्षक पर भाषण प्रतियोगिता एवं काव्य-पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया! वहीँ विवि के कर्मचारियों हेतु एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन भी किया गया जिसमें राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया गया ! हिंदी पखवाड़े का औपचारिक समापन 28 सितम्बर को विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को विविध पुरुस्कारों से पुरुस्कृत करके किया गया !

स्वच्छ भारत पखवाड़ा

विश्वविद्यालय ने दिनांक 1-15 सितम्बर, 2016 के दौरान स्वच्छ भारत पखवाड़ा का आयोजन किया जिसका मुख्य जोर कार्यालय, परिसर के सामान्य क्षेत्र, शौचालय, सीढियों के साथ साथ कार्यालय के बाह्य क्षेत्र यथा पार्किंग क्षेत्र, सामान्य मार्ग आदि की साफ़-सफाई पर थाI विद्यार्थीगण, संकायगण तथा कर्मचारीगण ने इस पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से प्रतिभागिता कीI

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

केन्द्रीय सतर्कता आयोग (सीबीसी) से प्राप्त निर्देशानुरूप सीयूएसबी ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया | मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) श्रीमती रश्मि त्रिपाठी एवं सतर्कता जागरूकता सप्ताह के समन्वयक डा. किंशुक पाठक, सहायक प्राध्यापक, सीएमएस के पर्यवेक्षण में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गई | "सत्यनिष्ठा को बढ़ावा देने एवं

भ्रष्टाचार मिटाने में जन भागीदारी" शीर्षक पर एक निबन्ध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई | सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत विश्वविद्यालय समुदाय ने सभी गतिविधियों के क्षेत्रों/आयामों में निरंतर सत्यनिष्ठा एवं पारदर्शिता बनाए रखने की शपथ ली |

कैशलेस इंडिया ड्राइव

सीयूएसबी ने कुलपति प्रो. हरीश चंद्र सिंह राठौर के पर्यवेक्षण में "कैशलेस इंडिया" पर एक वृहत जागरूकता अभियान चलाया जो 12 दिसम्बर, 2016 से प्रारंभ होकर 31 मार्च, 2017 तक निरंतर चला | जागरूकता अभियान विद्यार्थियों, संकायगण, कर्मचारीगण के बीच कैशलेश ट्रांजेक्शन (नकद रहित लेनदेन) तथा इसके तरीकों यथा यूएसएसडी, आधार कार्ड, पीओएस, ई-वैलेट तथा यूपीआई पर जानकारी हेतु चलाया गया |

छोटे समयांतराल में ही सीयूएसबी ने शुल्क भुगतान सहित लगभग सभी भुगतानों हेतु नकदरहित लेनदेन प्रारंभ कर दिया | विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के आस-पास के इलाकों का भ्रमण भी किया और नुक्कड़ नाटक, पोस्टर्स, बैनर्स, नारों तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के माध्यम से लोगों को डिजिटल लेनदेन हेतु जागरूकता किया | सीयूएसबी के विद्यार्थियों ने आसपास के बैंकों में ग्राहकों को डिजिटल लेनदेन हेतु जागरूक करने के लिए हेल्पडेस्क भी खोला |

महत्वपूर्ण दिवस

स्वतंत्रता दिवस

देशभक्त से ओत-प्रोत होकर सीयूएसबी परिवार ने भारत को 70वीं स्वतंत्रता दिवस को मनाया | राष्ट्रीय तिरंगे का ध्वजारोहण सीयूएसबी ने कुलपति प्रो. हरीश चंद्र सिंह राठौर तथा प्रति कुलपति प्रो. ओ. पी. राय ने पटना तथा गया परिसर में अलग-अलग किया | ध्वजरोह्न उपरांत कुलपति ने अपने भाषण में एक भारतीय तथा देशभक्ति होने के नाते नागरिकों के जवाबदेहियों के बारे में कहा | जबकि गया में प्रति कुलपति ने स्वतंत्रता दिवस तथा देश एवं लोगों हेतु स्वतंत्रता के महत्व के बारे में अपने विचार रखे | इस अवसर पर दोनों परिसरों के विद्यार्थियों ने मंत्रमुग्ध कर देनेवाले सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए |

गणतंत्र दिवस

60 वें गणतंत्र दिवस, 2017 के अवसर पर सीयूएसबी के कुलपति प्रो. एच.सी.एस. राठौर ने विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित किया और कहा कि स्व-शासन हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है लेकिन इसी के साथ इसे सिद्ध करने हेतु हमारे कंधों पर राष्ट्र निर्माण हेतु ईमानदार और सक्रिय रूप से शामिल होने हेतु कुछ जिम्मेदारियाँ भी आती हैं | उन्होंने यह प्रतिबिंबित भी किया कि लोकमान्य तिलक ने यह नहीं कहा कि स्वराज 'हमारा' जन्मसिद्ध अधिकार है बल्कि वास्तव में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्वराज 'मेरा' जन्मसिद्ध अधिकार है।

विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रहसन, गीत, कव्वाली, नृत्य आदि गणतंत्र दिवस आयोजन के मुख्य आकर्षण थे। राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता के विजेताओं तथा सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को ट्राफियाँ, मैडल्स, सम्मान एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इसीप्रकार, गया परिसर में प्रति कुलपति प्रो. ओ. पी. राय ने राष्ट्रीय ध्वज का आरोहण किया जिसके उपरांत विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

वीर कुँवर सिंह जयंती

स्वतंत्रता सेनानी बाबू वीर कुँवर सिंह की जयंती के अवसर पर सेंटर फॉर सोशियोलॉजी स्टडीज द्वारा दिनांक 23 अप्रैल, 2016 को गया परिसर में एक सेमिनार (संगोष्ठी) का आयोजन किया गया। इतिहास के सहायक प्राध्यापक डा. सुधांशु कुमार झा ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम तथा वीर कुँवर सिंह के सक्रिय योगदान पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रो. एस. एन. सिंह, डा. सनत कुमार शर्मा, डा. पारिजात प्रधान, डा. योगेश प्रताप शेखर तथा डा. अभय कुमार ने भी सेमिनार में विचार अभिव्यक्त किए।

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस

विश्व प्रसिद्ध 'अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस' के अवसर पर दिनांक 21 सितम्बर, 2016 को विश्वविद्यालय के गया परिसर में कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। दिवस की शुरूआत उल्लेखनीय रूप से 'शांति घंटे' को बजाने से हुई जिसके उपरांत विद्यार्थियों ने पोस्टर मेकिंग कंपीटीशन में भाग लिया। "विश्व शांति: नये विकल्प की आवश्यकता" शीर्षक पर एक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई जिस चर्चा में प्रो. एस. एन. सिंह (डीन, स्कूल ऑफ सोशल साइंस एंड पॉलिसी), प्रो. एस. पी. श्रीवास्तव (डीन, स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस), प्रो. रेखा अग्रवाल (डीन, एजुकेशन), डा. आलोक कुमार गुप्ता (एसएसएसपी) तथा डा. सनत कुमार शर्मा (डीन स्टुडेंट वेलफेयर) शामिल थे।

गाँधी और शास्त्री जयंती

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती दिनांक 2 अक्टूर, 2016 को पूरे जोशोखरोश के साथ मनाई गई । इस अवसर पर आयोजित विभिन्न आयोजनों में विद्यार्थियों एवं संकायगण ने प्रतिभागिता की

इस अवसर पर "समकालीन युग में गाँधीवादी विचारों की प्रासंगिकता" पर एक पैनल चर्चा भी आयोजित हुई जिसमें डा. समापिका मोहापात्रा (डेवलपमेंट स्टडीज), डा. सुधांशु कुमार झा (इतिहास), डा. सुमित कुमार पाठक (पॉलिटिकल स्टडीज) तथा पारिजात प्रधान (सोशियोलॉजी) ने प्रसिद्ध व्यक्तित्वों पर अपने विचार रखे। चर्चा का समापन डा. प्रियरंजन के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु एक पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता भी आयोजित हुई।

राष्ट्रीय एकता दिवस

भारत के प्रथम गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की 141वीं जयंती को सीयूएसबी ने राष्ट्रीय जयंती को सीयूएसबी ने राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में 31 अक्टूबर, 2016 को मनाया | वाग्मिता एवं आदर्श वाक्य लेखन प्रतियोगिता का आयोजन पटना परिसर में हुआ | वाग्मिता (एलोक्यूशन) का शीर्षक "आज के भारत में सरदार पटेल का महत्व और प्रसंगिकता" था जबकि आदर्श वाक्य लेखन प्रतियोगिता का शीर्षक 'एकता था |

गया परिसर में प्रति कुलपति प्रो. ओ.पी. राय ने 'रन फॉर यूनिटी' का नेतृत्व किया जिसमें विद्यार्थियों, संकायगण तथा कर्मचारीगण ने हिस्सा लिया | पैनल चर्चा, निबन्ध लेखन तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित हुई जिसका शीर्षक 'राष्ट्रीय एकता में सरदार वल्लभ भाई पटेल का योगदान" था |

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

महान स्वतंत्रता सेनानी तथा भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलम आजाद की 128वीं जयंती को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में 11 नवम्बर, 2016 को मनाया गया | इस अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन भी पटना, परिसर में किया गया | जिसमें मास कम्युनिकेशन के संकाय सदस्यों नामतः डा. आतिश पराशर, श्री सुजीत कुमार, डा. अनिंद्य देब तथा डा. रवि सूर्यवंशी ने मौलाना आजाद के बारे में अपने विचार रखे | गया परिसर में डा. प्रियरंजन द्वारा "शिक्षा पर अब्दुल कलाम आज़ाद की दृष्टी" पर एक वार्ता प्रस्तुत की गईं ।

संविधान दिवस

सीयूएसबी ने 26 नवंबर, 2016 को संविधान दिवस मनाया जिसमें कविता लेखन, पोस्टर मेकिंग, क्विज, भाषण प्रतियोगिता तथा नुक्कड़ नाटक को शामिल कर कई प्रतियोगी तथा गैर-प्रतियोगी आयोजन किए गए । उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि श्री संजय कुमार, एसीजेएम सह सब जज, गया ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया। प्रो. प्रभात कु. सिंह (डीन, स्कूल ऑफ फॉरेन लेंग्वेजेज एंड लिटरेचर), प्रो. एस.पी. श्रीवास्तव (डीन, स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस), डा. कौशल किशोर तथा डा. पवन कुमार मिश्रा ने भी भारतीय संविधान के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे।

मानवाधिकार दिवस

मानवाधिकार दिवस के अवसर पर सीयूएसबी के डीन, स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस ने “विधि के नियम और भारत में वंचित वर्ग” पर एक पैनल चर्चा दिनांक 10 दिसंबर, 2016 को आयोजित की । पैनल चर्चा का उद्घाटन प्रति कुलपति प्रो ओ. पी. राय ने किया जिसमें संकाय सदस्यों प्रो. एस. पी. श्रीवास्तव (डीन, स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस), डा. आलोक कुमार गुप्ता (पॉलिटिकल स्टडीज), डा. जितेन्द्र राम (सोशियोलॉजी), डा. अनुज लुगुन (हिन्दी), डा. अर्पणा झा (अंग्रेजी), डा. सुधांशु कुमार झा, श्री देव नारायण सिंह तथा डा. पी. के. दास (लॉ एंड गवर्नेंस) ने प्रतिभागी की।

राष्ट्रीय युवा दिवस

भारत के यूथ आइकन स्वामी विवेकानंद की 154वीं जयंती को 12 जनवरी, 2017 को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया गया। पटना परिसर में प्रो. अरूण कुमार सिन्हा (अध्यक्ष, स्टैटीस्टिक्स) ने स्वामी विवेकानंद के समाज की सेवा की पुकार सुनने का आह्वान किया । प्रो. टी. बी. सिंह (अध्यक्ष, साइकोलॉजी) तथा डा. अतिश पराशर (अध्यक्षद्व मीडिया स्टडीज) ने भी विवेकानंद पर अपने विचार रखे।

गया परिसर में विवेकानंद की जीवनी पर एक लघुनाटक की प्रस्तुति विद्यार्थियों ने की । प्रो. रेखा अग्रवाल (डीन, एजुकेशन) डा. आलोक कुमार गुप्ता (पॉलिटिकल साइंस) तथा डीएसडब्ल्यू डा. सनत कुमार शर्मा ने विवेकानंद पर व्यावहारिक व्याख्यान प्रस्तुत किए |

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर सीयूएसबी **28** फरवरी, **2017** को नोबेल पुरस्कार विजेता तथा महान वैज्ञानिक डा. चन्द्रशेखर वेंकट रमन को याद किया। निबंध लेखन, पोस्टर मेकिंग तथा क्विज कंपीटीशन आयोजित हुए जिसमें लगभग **100** विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस वर्ष के आयोजन का थीम “दिव्यांग व्यक्तियों हेतु विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी” था। इस अवसर पर एक पैनल चर्चा का भी आयोजन किया गया जिसमें डा. शकुंतला मिश्रा नेशनल रिहैबिलिटेशन यूनिवर्सिटी, लखनऊ के डा. विजय शंकर शर्मा तथा श्री सत्य वन मिश्रा एवं पर्किंस स्कूल फॉर ब्लाइंड के श्री निर्मल वर्मा ने विमर्शक के तौर पर प्रतिभागिता की।.

विविध आयोजन

डाक्यूमेंट्री फिल्म फेस्टिबल

सीयूएसबी के सेंटर फॉर कम्युनिकेशन एंड मीडिया के विद्यार्थियों ने डा. रवि सूर्यवंशी के पर्यवेक्षण में निर्मित तीन डाक्यूमेंट्री को 19 मई, 2016 को प्रदर्शित किया। पहली डाक्यूमेंट्री का शीर्षक “अ डाक्यूमेंट्री ऑन सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ साउथ बिहार” में विश्वविद्यालय के उद्देश्य व दृष्टि पर प्रकाश डाला गया।

दूसरी फिल्म “पालना” में बच्चे को गोद लेने के महत्व पर जबकि तीसरी फिल्म “हिजड़ाः द फोसर्ड डेस्टिनी” हिजड़ा समुदाय की वर्तमान स्थिति से संबधित थी। प्रत्येक प्रदर्शन के उपरांत फिल्म की संक्षिप्त चर्चा तथा फिल्म निर्माण में निर्माता के अनुभव को प्रस्तुत किया गया।

फर्स्ट इंट्रा-मूट कोर्ट कंपीटीशन

सीयूएसबी के स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस ने 28 नवंबर, 2016 को फर्स्ट इंट्रा-मूट कोर्ट कंपीटीशन अयोजित किया। मूट कोर्ट का प्रस्ताव डा. एस.पी. श्रीवास्तव (डीन, स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस) के निर्देशन में डा. दिग्विजय सिंह ने तैयार किया। जो संवैधानिक विधि एवं सूचना प्रोद्योगिकी विधि पर आधारित था जिसमें कुल 14 टीमों ने प्रतिभागिता की। अंतिम राउंड को टीम जे (सुश्री रागिनी, श्री विशाल एवं श्री हिमांशु) ने टीम एम (श्री अश्विनी, श्री अंजनी तथा श्री विवेक) को पराजित कर जीता। प्रतियोगिता के निर्णायक पटना हाईकोर्ट के अधिवक्ता शांतनु कुमार तथा निर्भय प्रशांत एवं झारखंड हाईकोर्ट के एडीशनल सोलिसिटर जनरल श्री पी.के. सिन्हा थे।

एडू-फेस्ट संबोधि सरिता

सीयूएसबी के स्कूल ऑफ एजुकेशन ने 16-18 फरवरी, 2017 के दौरान तीन दिवसीय एडु-फेस्ट (शैक्षिक पर्व) 'संबोधित सरिता' का आयोजन किया। फेस्ट का उद्घाटन प्रति कुलपति प्रो. ओ.पी. राय, प्रो. रेखा अग्रवाल (डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन), प्रो. कौशल किशोर (चीफ प्रॉक्टर), डा. तपन कुमार बसंतिया (मुख्य समन्वयक-एडु फेस्ट 2017) ने संकायगण एवं विद्यार्थीगण की उपस्थिति में किया।

'संबोधि सरिता' के प्रथम आयोजन में छात्राओं हेतु एक मैत्रीपूर्ण कबड्डी मैच था जिसके उपरांत छात्रों हेतु क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय आयोजन के दौरान रंगोली, पोस्टर निर्माण, प्रश्नोत्तरी, विज्ञान प्रदर्शनी, नुक्कड़ नाटक, रक्तदान शिविर, सांस्कृति कार्यक्रम एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई मुख्य आकर्षण एक हटिया (ग्रामीण बाजार) का आयोजन था जहाँ छात्रों ने अपने खाद्य पदार्थों एवं खेलकूद सामग्री के स्टाल लगाए।

मानवाधिकार पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

सीयूएसबी के स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस (एसएलजी) ने दिनांक 24 मार्च, 2017 को "मानवाधिकार जागरूकता" पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जो राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित था। स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस डीन प्रो. एस.पी. श्रीवास्तव ने प्रथमतः मानवाधिकार परिकल्पना का परिचय दिया जबकि लोक समिति के राष्ट्रीय समन्वयक श्री के.जी. आनंद ने कहा कि बोलने एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रजातंत्र के स्वस्थ विकास के लिए अत्यावश्यक है। भूमि मुक्ति आंदोलन के समन्वयक श्री कारू ने टिप्पणी की कि मानवाधिकार अभियोगाधीन कैदियों सहित सभी व्यक्तियों के लिए जन्म सिद्ध प्राप्य है। सीयूएसबी के प्रति कुलपति पो. ओ.पी. राय ने मानवाधिकार की सीमाओं पर प्रकाश डाला जबकि स्कूल फॉर फॉरेन लेंग्वेजेज एंड लिटरेचर के डीन प्रो. प्रभात कु. सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाषण में विचार व्यक्त किए। डा. पी. के. मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

नेशनल सेमिनार ऑन ड्रग डिजाइनिंग

सीयूएसबी के सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंस के बायोइंफार्मेटिक्स प्रोग्राम ने दिनांक 18-19 नवंबर, 2016 के दौरान "प्रोटीन स्ट्रक्चर प्रेडिक्शन एंड ड्रग डिजाइन पर एक दो दिवसीय नेशनल सेमिनार आयोजित किया। सेमिनार का उद्घाटन प्रति कुलपति प्रो. ओ. पी. राय, मुख्य अतिथि प्रो. जी. नरहरि शास्त्री, आईआईसीटी, हैदराबाद, सम्माननीय अतिथि डा. प्रदीप दास, निदेशक, आरएमआरआई, पटना एवं अन्य माननीयों ने किया। अपने उद्घाटन संबंधी वार्ता के दौरान प्रो. जी. नरहरि शास्त्री ने "लीड ऑप्टिमाइलेशन इन ड्रग डिज़ाइन: माडलिंग इफीकेसी स्पेशिफिसटी एंड टाक्सीसिटी" पर विमर्श करते हुए वर्तमान शोध के अंतः अनुशासनात्मक प्रकृति को समझ गया। लगभग 100 संकाय, शोधार्थी एवं विद्यार्थियों के प्रतिनिधियों ने इस नेशनल सेमिनार में हिस्सा लिया।

वर्कशॉप ऑन बेसिक टूल एंड टेक्नीक इन बायोटेक्नोलॉजी

सीयूएसबी के सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी साइंस के बायोटेक्नोलॉजी प्रोग्राम ने बेसिक टूल एंड टेक्नीक इन " पर साप्ताहिक एक प्रशिक्षण सह कार्यशाला का "लॉजीबायोटेक्नो आयोजन दिनांक24-30 नवंबर, 2016 के दौरान किया। कार्यशाला का उद्घाटन सीयूएसबी के कुलपति प्रो.सी.एच .एस . राठौर ने मुख्य अतिथि बीएचयू, वाराणसी के प्रोसिंह.वी.एस ., सम्मानित अतिथि, प्रोघोष .अशोक कु ., अध्यक्ष, रिसर्च सेंटर, महावीर कैंसर संस्थान, पटना एवं बायोटेक्नोलॉजी के समन्वयक डारिज़वानुल . हक की उपस्थिति में किया।

प्रो. अशोक कु. घोष ने "आर्सेनिकः धीमा जहर" पर एक वैज्ञानिक वार्ता प्रस्तुत की जबकि प्रो. एस.पी. सिंह ने बायोटेक्नोलॉजी को विभिन्न शाखाओं ग्रीन, रेड, व्हाइट एंड ब्लू बायोटेक्नोलॉजी का परिचय दिया। प्रो. एच.सी. राठौर ने टिप्पणी की कि एक बायोटेक्नोलॉजिस्ट को पूर्ण कौशलयुक्त होना चाहिए तथा उसे अत्याधुनिक उपकरणों को संचालित करने और उसके बारे में लेखन में सक्षम होना चाहिए।

नेशनल सेमिनार ऑन करेंट ट्रेंड्स इन लाइफ साइंस

सीयूएसबी के सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंस के लाइफ साइंस प्रोग्राम के द्वारा दिनांक 20-21 फरवरी, 2017 के दौरान आयोजित "नेशनल सेमिनार ऑन करेंट ट्रेंडस इन लाइफ साइंस" में डिपार्टमेंट ऑफ जूलॉजी, पटना यूनिवर्सिटी के पद्मश्री प्रो. आर. के. सिन्हा ने अपने उद्घाटन व्याख्यान में इस बात पर जोर देकर कहा कि अगर हम राष्ट्रीय जलीय जीव डॉल्फिन को विलुप्त होने से बचाना चाहते हैं तो सरकार को इस हेतु कठिन कानून (अधिनियम) निर्माण करने की जरूरत है।

'डॉल्फिन मैन' नाम से मशहूर प्रो. सिन्हा ने "भारत में गंगा नदी के डॉल्फिन की वर्तमान स्थिति एवं संरक्षण' शीर्षक पर बीज वार्ता प्रस्तुत की। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता सीयूएसबी के प्रति कुलपति प्रो. ओ.पी. राय ने आरआईआरएमएस के निदेशक, डा. प्रदीप दास के साथ की।

नेशनल सेमिनार ऑन कैशलेश इकॉनोमी

मीडिया सरकार की महत्वाकांक्षी योजना कैशलेश इकॉनोमी की सफलता सुनिश्चित करने में अहम भूमिका अदा कर सकती है। इस प्रकार के विचार विशेषज्ञों की मानसिक उपज थे जिन्होंने सीयूएसबी के सेंटर फॉर मास कम्युनिकेशन (सीएमएस) एंड मीडिया द्वारा दिनांक 03-04 मार्च, 2017 के दौरान आयोजित दो दिवसीय नेशनल सेमिनार "मीडिया एज ए मीडियम टुवार्डस कैशलेश इकॉनोमी" विषयक पर प्रतिभागिता की। सीयूएसबी के कुलपति प्रो. एच.सी.एस. राठौर ने संरक्षक की भूमिका अदा करते हुए मुख्य वक्ता प्रो. वेद पाल सिंह, मुख्य अतिथि श्री स्वांत रंजन एवं सम्मानित अतिथित श्री सिद्धार्थ मिश्रा, आईसीएआर पटना की उपस्थिति में सेमिनार का शुभारंभ किया। प्रो. राठौर ने अपने भाषण में शिक्षण एवं मीडिया व्यवसाय की समानताओं पर ध्यानाकर्षित किया। मुख्य वक्ता प्रो. सिंह ने संतुलित विचार प्रस्तुत करते हुए कैशलेश इकॉनोमी को विश्लेषित किया तथा इसके लाभ एवं हानि को भी बताया करीब 60 विद्वानों एवं शिक्षाविदों में सेमिनार के छह के तकनीक सत्रों में प्रस्तुत किए।

नेशनल सेमिनार ऑन कंटेम्परेरी साउथ एशियन लिटरेचर इन इंग्लिश

अंग्रेजी में समकालीन दक्षिण एशियाई साहित्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सीयूएसबी के सेंटर फॉर फॉरेन लेंग्वेज (इंग्लिश) ने 20-21 मार्च, 2017 के दौरान "अंग्रेजी में समकालीन दक्षिण एशियाई साहित्य" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। सीएफएल के प्रभारी अध्यक्ष एवं एसएलएल के डीन प्रो. प्रभात कु. सिंह ने "अंग्रेजी में समकालीन दक्षिण एशियाई साहित्य का परिचय" पर अपनी बात रखी।

वी.एस. यूनिवर्सिटी नेल्लोर के पूर्व कुलपति प्रो. सी.आर.बी. राव ने की नोट स्पीकर (मुख्यवक्ता) के रूप में "इंटेरेस्टाइसिस ऑफ कल्चर एंड आइडेंटिटी इन सेलेक्ट साउथ एशियन राइटर्स" पर अपने विचार रखे। समग्र वक्ताओं में प्रो. आर. के. सिंह, सेवानिवृत्त प्रो. एवं अध्यक्ष, इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स धनबाद, प्रो. बी.के.दास बर्दवान यूनिवर्सिटी, प्रो. आर.एन. सिन्हा, सेंट जेवियर्स कॉलेज, राँची, प्रो. एम.के. दास, एम जी काशी विद्यापीठ, वाराणसी थे। सेमिनार में कुल 37 शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए।

नेशनल सेमिनार ऑन साइकोलॉजी

जीवनशैली में थोड़े से बदलाव से किसी भी तरह की मानसिक बीमारी को दुरूस्त किया जा सकता है, ये बातें एम्स, दिल्ली के डिपार्टमेंट ऑफ साइकेट्री के हेड प्रो. आर. के. चड्ढा ने सीयूएसबी के सेंटर फॉर साइकोलॉजिकल साइंसेज (सीपीएस) द्वारा 24-26 मार्च, 2017 के दौरान आयोजित तीन दिवसीय नेशनल सेमिनार में कही। अपने मुख्य संबोधन में प्रो. चड्ढा ने "साइकोलॉजिकल साइंसेज: करेंट पर्सपेक्टिव एंड इमर्जिंग एवेन्यूज ऑफ प्रेक्टिस ट्रेनिंग एंड रिसर्च" पर बोलते हुए बच्चे के व्यक्तित्व विकास में संयुक्त परिवार के महत्व पर जोर दिया। साइकोलॉजी के प्रभारी अध्यक्ष प्रो. टी.बी. सिंह ने सेमिनार के थीम के बारे में परिचय दिया जबकि दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रो. एस. पी. के. जेना ने इस बात पर जोर दिया कि साइकोलॉजी के साथ अंतः अनुशासनात्मक परिकल्पना समाज की सेवा में मददगार हो सकती है | देश के विभिन्न हिस्सों से पंजीकृत प्रतिभागियों ने सेमिनार में अपने विचारो का आदान-प्रदान किया |

मोदी के शासन में भारत की विदेश नीति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

सीयूएसबी के सेंटर फॉर पोलिटिकल स्टडीज (सीपीएस) ने गया में 28-29 मार्च, 2017 के दौरान "मोदी शासन में भारत की विदेश नीति में गैर परंपरागत मुद्दे" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। मुख्य अतिथि की बीएचयू के प्रो. के.के. मिश्रा ने अपने आधार संबोधन में कहा कि मोदी के सिद्धांत का केन्द्र "भारतीय पहले" है जो उनकी विदेश नीति में झलकता है।

कई गणमान्य व्यक्तियों ने सेमिनार में हिस्सा लिया जिसमें विनोबा भावे यूनिवर्सिटी की पोलिटिकल साइंस अध्यक्ष प्रो. मारग्रेट लाकड़ा, प्रो. एहतेशाम खान, मगध यूनिवर्सिटी, गया भी शामिल थे। डीन एवं सीपीएस, अध्यक्ष प्रो. एस.एन.सिंह ने अपने स्वागत संबोधन में परंपरागत विदेश नीति के साथ सुखद पड़ोस नीति में बदलाव पर जोर दिया। संगोष्ठी में कई पत्र प्रस्तुत किए गए और प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न पहलुओ पर विमर्श किए गए।

समान नागरिक संहिता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

सीयूएसबी के सेंटर फॉर पोलिटिकल स्टडीज ने 30-31 मार्च, 2017 के दौरान "समान नागरिक संहिता की अनिवार्यता" पर एक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित किया। पूर्व सांसद श्री संजय पासवान ने कहा कि भारत प्रकृति से विविध है और एकता और समानता साथ-साथ चलने चाहिए। गाँधी पीस फाउंडेशन के पूर्व अध्यक्ष कुमार प्रशांत ने कहा कि जब समान नागरिक संहित तैयार की जाय तब तलाक के तोर-तारीकों का ध्यान रखा जाना चाहिए। पटना यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ़ लॉ के अध्यक्ष प्रो. मो. शरीफ ने कहा कि सरकार को सर्वप्रथम यूसीसी का एक प्रारूप तैयार करना चाहिए और इसे राष्ट्रीय बहस हेतु खुला छोड़ना चाहिए। बीएचयू के डिपार्टमेंट ऑफ़ पोलिटिकल साइंस के प्रो. एस.बी. सिंह, विनोबा भावे यूनिवर्सिटी के प्रो. बी.पी. सिंह, पूर्व आईजी श्री एम.ए. काजमी सहित कई अन्य ने संगोष्ठी में अपने विचार रखे। विषेशज्ञों की वार्ता के अलावा कुल 37 शोध पत्रों को संगोष्ठी में प्रस्तुत और विचार विमर्श किया गया ।

प्रिन्ट मीडिया उद्योग पर कार्यशाला

सेन्टर फॉर मास कम्युनिकेशन एंड मीडिया एक चार दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 21-25 नवंबर, 2016 के दौरान किया। प्रसिद्ध वक्ता एवं दैनिक हिन्दुस्तान के उप संपादक श्री कमलेश वर्मा ने इस सुखद पहल के उद्देश्यों तथा परिणामों पर प्रकाश डाला।

विशेषज्ञों ने कार्यशाला के दौरान प्रिंट मीडिया के विविध पहलुओं पर चर्चा की। प्रतिभागी विद्यार्थियों को हिन्दुस्तान के प्रिंटिंग प्रेस में समाचार पत्र के प्रकाशन (प्रिंटिंग) की प्रक्रिया के प्रथम अनुभव हेतु ले जाया गया।

वर्कशॉप ऑन 'इकोनोमेट्रिक्स विथ आर'

सेंटर फॉर इकोनोमिक स्टडीज एंड पॉलिसीज द्वारा 23-25 जनवरी, 2017 के दौरान गया में 'इकोनोमेट्रिक्स विथ आर' पर एक तीन दिवसीय कार्यशाला को आयोजन किया गया। रिसोर्स पर्सन प्रो. नीरज हटेकर, मुम्बई यूनिवर्सिटी ने 'आर' सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल द्वारा इकोनोमेट्रिक्स एवं इसके अनुप्रयोग के बारे में विश्लेषित किया। जबकि सीयूएसबी के प्रति कुलपति प्रो. ओ.पी. राय ने कार्यशाला उद्घाटन पर 'आर' सॉफ्टवेयर की भूमिका और उपयोग पर बल दिया।

वाक कौशल पर कार्यशाला

सेंटर फॉर फॉरिन लेंग्वेजेज (इंग्लिश) द्वारा 06-07 फरवरी, 2017 के दौरान वाक कौशल पर एक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन प्रति कुलपति प्रो. ओ.पी. राय ने प्रो. एस.एन. सिंह, प्रो. एस.पी. श्रीवास्तव, डा. सनत कुमार शर्मा, सीएफएल (इंग्लिश) के अध्यक्ष प्रो. प्रभात कुमार सिंह ने कार्यशाला के थीम तथा कार्यशाला के प्रारूप में तालमेल का परिचय देते हुए इसे चार सत्रों 'आशु वाचन', 'उच्चारण' , 'प्रस्तुति कौशल' तथा साक्षात्कार तकनीकों में नामतः संबोधित किया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी - अस्मितामूलक साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र

दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के भारतीय भाषा केंद्र (हिंदी - उर्दू) द्वारा "अस्मितामूलक साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र" विषयक पर 17 - 18 फ़रवरी 2017 को दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें देश के विभिन्न भागों से आए सैंकड़ों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया ! संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रोफेसर ओम प्रकाश राय ने कहा कि साहित्य में जाति व धर्म के नाम पर विभेद उचित नहीं है !

वहीँ मुख्य वक्ता के रूप में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के पूर्व आचार्य एवं प्रसिद्द बहुजन बुद्धिजीवी प्रो० चौथीराम यादव ने संगोष्ठी के बीजवक्तव्य में बोलते हुए 'स्थापित सौन्दर्यशास्त्र को अस्मितावादी चुनौतियाँ' के विभिन्न संदर्भों को रेखांकित किया ! इस संगोष्ठी में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की प्रो० रोहिणी अग्रवाल, प्रसिद्द वामपंथी आलोचक प्रो० वीरेंद्र यादव, सेवानिवृत जज जवाहर लाल कॉल 'व्यग्र' तथा आदिवासी लेखिका वंदना टेटे आदि ने भी अपने विचार रखे !

वर्कशॉप ऑन टाइम सीरीज इकोनोमेट्रिक्स

सेंटर फॉर इकोनोमिक स्टडीज एंड पॉलिसीज (सीईएसपी) द्वारा 'टाइम सीरीज इकोनोमेट्रिक्स' पर एक तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 23-25 फरवरी, 2017 के दौरान किया गया। सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज, तिरूअनंतपुरम के प्रो. विजयमोहन पिल्लई एन ने रिसोर्स पर्सन के रूप में इकोनोमेट्रिक्स शीर्षक पर अपने विचार रखे । सीयूएसबी के प्रति कुलपति प्रो. ओ.पी. राय ने इकोनोमिक्स तथा फाइनांस में टाइम सीरीज टेक्नीक के महत्व को विश्लेषित किया। सीईएसपी के प्रभारी अध्यक्ष डा. अबोध कुमार तथा श्री अतीश दास ने भी इकोनोमेट्रिक्स के बारे में कहा।

कार्यशाला-डिजिटल युग में शिक्षा

सीयूएसबी के स्कूल ऑफ़ एजुकेशन द्वारा 'डिजिटल युग में शिक्षा: चिंता एवं चुनौतियाँ" शीर्षक पर **24-25 मार्च, 2017** के दौरान एक दो दिवसीय संगोष्ठी सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। आईयूसीटीई के निदेशक तथा मुख्य अतिथि प्रो. बी. के. त्रिपाठी ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि सीखने और सिखाने की प्रक्रिया में सर्वाधिक परिणाम प्राप्त करने हेतु हमें आईसीटी को एक अवसर के रूप में लेना चाहिए। उन्होंने ई-बुक्स, ई-कंटेंट, ई-पाठशाला तथा पीजी-पाठशाला में एनसीईआरती के योगदान को भी स्वीकार। सीसीएस यूनिवर्सिटी, मेरठ के प्रो. प्रदीप कुमार मिश्रा ने आईसीटी की परिकल्पना, महत्व तथा सीमाओं पर बीज वक्तव्य दिया। सीयूएसबी के प्रति कुलपति प्रो. ओ. पी राय, डीन एजुकेशन, प्रो. रेखा अग्रवाल, आयोजन सचिव डा. रविकांत तथा प्रो. कौशल किशोर ने भी अपने विचार साँझा किए ।

विद्यार्थियों की गतिविधियाँ

सीयूएसबी छात्र ने बीएचयू में मूट कोर्ट प्रतियोगिता का खिताब जीता

सीयूएसबी के स्कूल ऑफ़ लॉ एंड गवर्नेंस के छात्र श्री सुमित कु. मिश्रा ने बीएचयू में 13 अप्रैल, 2016 को आयोजित चैथे मूट कोर्ट प्रतियोगिता में सर्वश्रेश्ठ रिसर्चर का पुरस्कार जीता। तीन छात्रों नामतः श्री अतुल रत्ना, श्री शुभम आनंद तथा श्री सुमित कुमार मिश्रा की टीम ने मूटर, को-मूटर तथा रिसर्चर के रूप में क्रमश: राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और देश के शीर्ष 10 संस्थानों में स्थान प्राप्त किया।

सीयूएसबी की छात्रा ने राष्ट्रीय स्तर की निबंध प्रतियोगिता जीती

सीयूएसबी के बीएससी बीएड कार्यक्रम की छात्रा सुश्री प्रीति दुबे ने इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ फिजिक्स टीचर्स (आईएपीटी) द्वारा आयोजित नेशनल कंपीटीशन ऑन एशे राइटिंग इन फिजिक्स (एनसीईडब्ल्यूपी-2016) में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

सुश्री प्रीति ने कैटेगरी-ए (छात्रों) में अपने निबंध "रिजोनेंस फेनोमेना-फिजिक्स एंड एप्लीकेशंस" शीर्षक से प्रतिभागिता की और गाँधीनगर, गुजरात में 20-22 अक्टूबर, 2016 के दौरान आयोजित आईएपी एनुअल कन्वेंशन में सम्मान प्राप्त किया।

सीयूएसबी के विद्यार्थी ने आईआईटी दिल्ली में रोबोटिक्स वर्कशॉप में हिस्सा लिया

सीयूएसबी के तीन विद्यार्थियों ने आईआईटी दिल्ली में 21-24 अक्टूबर, 2016 के दौरान आयोजित नेशनल लेबल ऑटोनोमस रोबोटिक्स वर्कशॉप एंड चैम्पियनशिप में बेहतरीन तकनीकी कौशल का परिचय दिया। बीएससीबीएड में नामांकित सुश्री नूतन कुमारी, सुश्री प्रियम कुमारी तथा सुश्री गरिमा कुमारी ने सहायक प्राध्यापक डा. सुशांता दास के मेंटरशिप में प्रतिभागिता की। 5 सदस्यों के समूह वाले लगभग 200 समूहों ने इस कार्यशाला में हिस्सा लिया जिसमें सभी को रोबोट बनाने हेतु समान किट प्रदान किए गए थे।

एआईयू कन्वेंशन में सीयूएसबी के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया

सीयूएसबी के विद्यार्थियों के एक समूह ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) द्वारा जौनपुर, उत्तर प्रदेश में **20-21 फरवरी, 2017** के दौरान आयोजित स्टुडेंट रिसर्च कन्वेंशन में हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने सहायक प्राध्यापक, फिजिक्स, डा. सुशांता दास के निर्देशन में अपनी बौद्धिक कृतियों को पोस्टर तथा मौखिक दोनों माध्यमों से प्रस्तुत किया।.

वार्षिक खेलकूद

पटना परिसर

पटना परिसर में एनुअल स्पोर्ट्स कार्निवल (प्रतियोगिता) की शुरूआत एसटीएफ ग्राउंड में ऐ उद्घाटन क्रिकेट मैच से दिनांक 16 जनवरी, 2017 को हुई। दस दिन लम्बे (16-25 जनवरी, 2017, स्पोर्ट्स कार्निवल का उद्घाटन कुलसचिव डा. जी.वी. पाटिल ने विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स कमिटी को आर्डिनेटर डा. राजेश कुमार रंजन तथा सदस्यों डा. रवि सूर्यवंशी, डा. अमृता श्रीवास्तव, डा. के.के. ओझा, डा. अनिल कुमार तथा अरविन्द तिग्गा (केयर टेकर) की उपस्थिति में किया।

छात्रों एवं छात्राओं दानों ने विभिन्न खेलकूद आयोजन यथा क्रिकेट, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कैरम एवं शतरंज में प्रतिभागिता की। संकाय सदस्यों तथा कर्मचारीगण के मध्य एक मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच का भी आयोजन किया गया जिसका आनंद विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. एच.सी.एस. राठौर ने भी लिया, बेहद रोचक रहा।

गया परिसर

एनुअल स्पोर्ट्स मीट "इंद्रधनुश – 2017: बी काम लेट इट रेन" का आयोजन 6-11 फरवरी, 2017 के दौरान किया गया। सीयूएसबी के प्रति कुलपति प्रो. ओ.पी. राय ने स्पोर्ट्स मीट का उद्घाटन एक वालीबॉल मैच के साथ किया। आयोजन का समन्वयन स्पोर्ट्स कमिटी द्वारा किया गया जिसमें डा. समापिका मोहापात्रा, अध्यक्ष तथा श्री अतिश कुमार दास, डा. मितांजली साहू, डा. पारिजात प्रधान तथा डा. दिग्विजय सिंह सदस्य थे।

विद्यार्थियों को चार हाउसों नामतः हाउस ऑफ करेज, हाउस ऑफ ट्रूथ, हाउस ऑफ पीस तथा हाउस ऑफ प्रास्पेरिटी में बाँटा गया था। उद्घाटन दिवस पर वालीबॉल, कैरम तथा शतरंज का आयोजन सीयूएसबी, गया परिसर में किया गया। इंडोर इवेंट्स यथा बैडमिंटन, टेबल टेनिस, गाँधी मैदान इंडोर हॉल में जबकि फुटबॉल, क्रिकेट तथा कबड्डी, मगध यूनिवर्सिटी, प्लेग्राउंड, गया में खेले गए।

रक्तदान शिविर

विश्वविद्यालय के गया परिसर में 06 अप्रैल, 2016 को एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया और 78 यूनिट ब्लड दाताओं द्वारा दान किया गया जिसमें विद्यार्थीगण, संकाय व कर्मचारीगण शामिल थे। सीयूएसबी के प्रति कुलपति प्रो. ओ.पी. राय ने शिविर का उद्घाटन किया। यह शिविर प्रो. रेखा अग्रवाल, डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन के पर्यवेक्षण तथा स्टूडेंट वालंटीयर्स एवं संकाय सदस्यों नामतः डा. कौशल किशोर (एजुकेशन), डा. अबोध कुमार (इकोनोमिक्स), डा. समापिका मोहापात्रा (डीवीएस), डा. अनुज लुगुन (हिन्दी), डा. देव नारायण सिंह (लॉ) तथा डा. रजनीश कुमार (एजुकेशन) के सहयोग से आयोजित हुआ।

गया स्थित ए.एन. मगध मेडिकल कॉलेज के ब्लड बैंक ने शिविर में प्रतिभागिता करने वाले जोशीले वालंटियर्स से रक्त इक्ट्ठा किया।

सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ ने पंचानपुर में जागरूकता फैलायी

सीयूएसबी के कम्युनिटी डेवलपमेंट सेल (सीडीसी) के तत्वाधान में 34 विद्यार्थियों, 7 शिक्षकों तथा वालंटियर्स के साथ सीडीसी की समन्वयक प्रो. रेखा अग्रवाल तथा डा. कौशल किशोर ने नेपा, टेपा तथा दरियापुर गाँवों का दौरा दिनांक 02 अपैल, 2016 को किया। दौरे का झुकाव ग्रामीणों को शैक्षिक, व्यावसायिक, पर्यावरणीय, सामाजिक तथा स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूक करना था। वालंटियर्स ने ग्रामीणों से बातचीत की और उनके स्वास्थ्य एवं साफ-सफाई संबंधी मामलों में परामर्श दिया।

कानूनी जागरूकता शिविर

सीयूएसबी के लीगल एंड क्लीनिक के जेंडर जस्टिल सेल ने दिनांक 13 अप्रैल, 2016 को सोनू लाल बर्णवाल प्रोजेक्ट गर्ल्स हाईस्कूल, गया में कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित किया। विद्यार्थियों ने श्री अहसान रशीद के पर्यवेक्षण में औरतों पर होने वाले अत्याचार एवं उनके सुधार पर एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया।

गया सेन्ट्रल जेल का दौरा

सीयूएसबी के स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस के क्रिमिनल जस्टिस सेल ने दिनांक 19 अप्रैल, 2016 को गया सेंट्रल जेल का दौरा किया। विद्यार्थियों द्वारा संकाय समन्वयकों श्री अहसान रशीद तथा श्री देवनारायण सिंह के पर्यवेक्षण में लीगल एंड कैंप लगाया।

विद्यार्थियों ने कैदियों को संबोधित किया और उनके संवैधानिक तथा कानूनी अधिकारों के प्रति उन्हें जागरूक किया।

उन्नत भारत अभियान प्रकोष्ठ का जागरूकता अभियान

सीयूएसबी के उन्नत भारत अभियान प्रकोष्ठ (यूबीए) ने गया जिले के टेपा पंचायत स्थित, दरियापुर एवं फतेहपुर गाँवों का दौरा दिनांक 26 सितम्बर, 2016 को किया। यूबीए सेल की नोडल ऑफिसर, डा. अंजू हेलेन बारा के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने ग्रामिणों के स्वास्थ्य एवं साफ-सफाई के बारे में जानकारी ली। स्टुडेंट्स वालंटियर्स ने बाल शिक्षा पर जागरूकता लाने हेतु एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया।

टेकारी में कानूनी जागरूकता शिविर

सीयूएसबी के स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस के लीगल एंड क्लीनिक के सदस्यों ने दिनांक 20 नवंबर, 2016 को गया के टेकारी प्रखंड के जोलबिगहा गाँव का दौरा किया। विद्यार्थियों की एक टीम ने श्री देवनारायण सिंह के पर्यवेक्षण में बीपीएल परिवारों हेतु सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के कानूनी पहलुओं सहित महिला एवं बाल सुरक्षा कानून, आँगनबाड़ी, भूमि विवादों, जनवितरण प्रणाली आदि पर जागरूकता फैलायी।

स्कूल और केंद्र/विभाग

भारत की पूर्व राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल, ने अपनी क्षमता से, अधिनियम, 2009 की धारा 27(3) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विश्वविद्यालय की विधान संख्या 15 (देखें तारीख 28 जुलाई, 2010 का पत्र संख्या:एफ.42-26/2009-डेस्क (यू)) में संशोधन करने के लिए सहमति देने की कृपा की। निम्नलिखित 14 स्कूलों को अनुमोदन के बाद विश्वविद्यालय की सांविधि में शामिल किया गया है:

क्रम सं०	स्कूल का नाम
1	स्कूल ऑफ मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस
2	स्कूल ऑफ फिजिकल एंड केमिकल साइंसेज़
3	स्कूल ऑफ अर्थ, बायोलॉजिकल एंड एनवायर्नमेंटल साइंसेज़
4	स्कूल ऑफ टेकनोलॉजी
5	स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज़
6	स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज़ एंड पॉलिसीज़
7	स्कूल ऑफ ह्यूमन साइंसेज़
8	स्कूल ऑफ लैंगवेजेज़ एंड लिटरेचर
9	स्कूल ऑफ मीडिया, आर्ट्स एंड एस्थेटिक्स
10	स्कूल ऑफ मैनेजमेंट
11	स्कूल ऑफ एजुकेशन
12	स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज़
13	स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस
14	स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर एंड डेवलपमेंट

❖ वर्तमान में 14 स्कूलों में से स्कूल ऑफ फिजिकल एंड केमिकल साइंसेज़, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, स्कूल ऑफ एजुकेशन, स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज़, स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस और स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर एंड डेवलपमेंट के अलावा नौ स्कूल कार्यरत हैं।

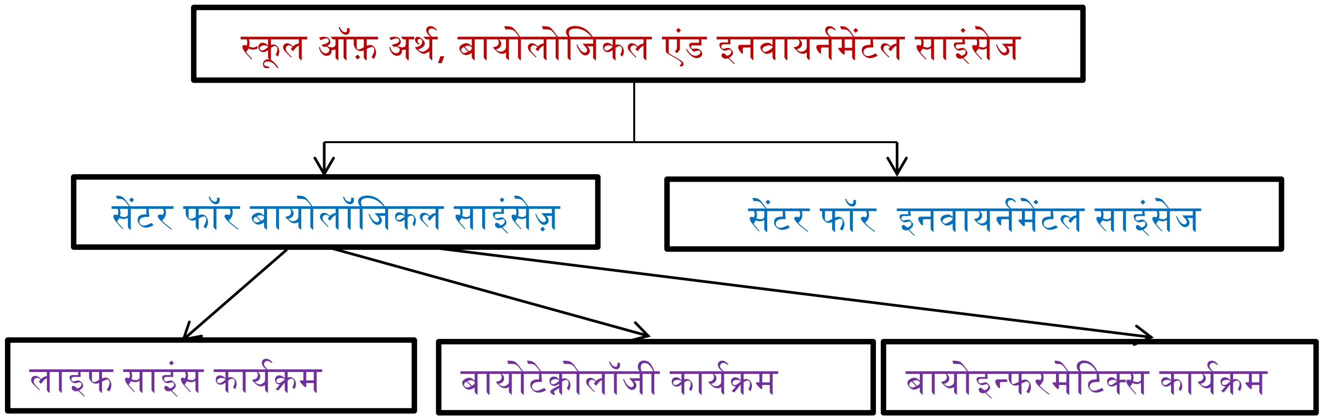

यह शताब्दी जीवविज्ञान का है और आज के वक्त जो हम अधिकांश चुनौतियां झेल रहे हैं वे ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषण, मानव बीमारियाँ

तथा हमारे प्राकृतिक संसाधनों में परिवर्तन है. जीवविज्ञान की गहरी समझ से सिर्फ इन समस्याओं का समाधान नहीं होगा बल्कि हमें वर्तमान प्राकृतिक संसाधनों को भी स्थाई रखने में मदद करनी होगी. सेंटर फॉर बायोलोजिकल साइंसेज इस लक्ष्य को प्राप्त करने में अहम् भूमिका अदा करता है. हमारी असली ताकत जेनोमिक्स, बायोकेमिस्ट्री, इन्फार्मेटिक्स, इमर्जिंग इन्फेक्शस डिजीजेज तथा बेसिक एंड एप्लाइएड बायोलोजी के क्षेत्र पर है. ये ताकत हमारे निपुण संकायगण के द्वारा और मजबूत हो रहा है और वो अपने इस ज्ञान को ग्रेजुएट, पोस्टग्रेजुएट तथा पीएचडी स्तर पर सर्वथा भिन्न विद्यार्थी प्रशिक्षण के तहत पुनः निवेशित कर रहे हैं.

(ए) सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज़

वर्तमान में सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज़ (सीबीएस) लाईफ साइंस, बायोटेक्नोलॉजी और बायोइनफॉरमेटिक्स में पीजी एवं इंटीग्रेटेड एमफिल- पीएचडी कार्यक्रम प्रदान कर रहा है। इन कार्यक्रमों में अच्छे थियोरी और प्रैक्टिकल पाठ्यक्रम सहित बायोलॉजिकल साइंसेज़ के सीमान्त क्षेत्रों में नवाचार आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं। यह तीनों प्रोग्राम शोधकर्ताओं को बायोलॉजिकल प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं को थियोरेटिकल के साथ प्रैक्टिकल रूप में भी समझाने में सक्षम हैं और उन्हें अध्ययन और शोध के लिए एक इंटीग्रेटिव दृष्टिकोण तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करता है।

(i) डिपार्टमेंट ऑफ़ लाइफ साइंस

यह डिपार्टमेंट आधुनिक जैववैज्ञानिक तकनीकों की सीखने एवं जीवविज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों यथा जेनेटिक ग्रीनिंग, इम्यूनोलॉजी, रिकम्बिनेन्ट डीएनए टेक्नोलॉजी, प्रोटीन क्रिस्टालोग्राफी, माइक्रोबायोलॉजी, कैंसर, मलेरिया इत्यादि की समझ हेतु आधारभूत एवं प्रायोगिक कलात्मक सुविधा प्रदान करता है। यह प्लेटफार्म विद्यार्थियों की सोच को अनुभूति, विश्लेषण, समझ एवं जैववैज्ञानिक तकनीकों एवं घटनाओं को आधारभूत सह अनुप्रयुक्त क्षेत्रों में विकसित करता है। जीवविज्ञान में प्रस्तुति, सत्रीय कार्य, प्रायोगिक साक्ष्य, क्षेत्र अनुभूति, आंकड़ा विश्लेषण एवं कंप्यूटर एप्लीकेशंस कुछ ऐसी प्रक्रियाएँ हैं जो शिक्षण में प्रयोग किए जाते हैं।

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एमएससी तथा पीएचडी
नियमित संकाय	4
केंद्र / विभागाध्यक्ष	डॉ. रिजवानुल हक

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
डॉ. गौतम कुमार सहायक प्राध्यापक तथा समन्वयक, लाइफ साइंस	पीएचडी	फिजियोलॉजी तथा मोलेक्यूलर बायो ऑफ़ प्लांट्स
डा. मनोज पंचाल सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	प्रोटीन होरमोंस एंड प्लासमोडियम फाल्सिपरुम एनसी ट्रांसपोर्ट
डॉ. अमृता श्रीवास्तव सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	माइक्रोबायल फिजियोलॉजी एंड बायोकेमिस्ट्री
डॉ. तारा काशव सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	प्रोटीन स्ट्रक्चरल बायोलॉजी

पुस्तकों/ जर्नल्स में प्रकाशन आदि

डॉ गौतम कुमार

- बुक चैप्टर - सहाना बसु एंड **गौतम कुमार** (2017). स्ट्रेटजीज टू रिटार्ड पोस्टहार्वेस्ट पेरिकार्प ब्राउनिंग इन लीची फ्रूट. 265-279. एडिटर्स: मनोज कुमार, विवेक कुमार, राम प्रसाद अजित वर्मा स्प्रिंगर l

❖ रिसर्च आर्टिकल्स

- एस के द्विवेदिया, सहाना बसु, संतोष कुमार, **गौतम कुमार**, वेद प्रकाश , संजीव कुमार, जे एस मिश्रा, बी.पी. भट्ट, एन मालवीय, जी. पी. सिंह, ए अरोड़ा (2017). हीट स्ट्रेस एंड्रयूस्ड इम्पेयरमेंट ऑफ स्टोर्क मोबिलैजेशोन रेगुलेट्स पोलेन भायबिलिटी एंड ग्रेन ईल्ड वी व्हीट: स्टडी इन ईस्टर्न गंगेटिक प्लेंस. फील्ड क्रॉप रिसर्च DOI: http://doi.org/10.1016/j.fcr.2017.03.006
- कमलेश कांत नूतन, **गौतम कुमार**, स्नेहलता सिंगला-पारीक, अश्वनी पारीक (2017). ए साल्ट ओवरलाय संसिटिव पाथवे मेंबर फ्रॉम ब्रासिका जूंसिया BjSOS3 केन फंक्शनली कम्पलीमेंट ΔAtsos3 in Arabidopsis. Current Genomics DOI: 10.2174/ 1389202918666170228133621

डा. अमृता श्रीवास्तव

- **ए श्रीवास्तव**, ए सिंह, एस.एस. सिंह एंड ए.के. मिश्रा (2017) साल्ट स्ट्रेस-इंड्यूस्ड चेंजेज इन ऑक्सीडेटिव डिफेंस सिस्टम एंड प्रोटीओम प्रोफाइल्स ऑफ साल्ट - टोलरेंट एंड सेंसिटिव फ्रेंकिया स्ट्रेंस. जर्नल ऑफ इन्वायर्नमेंटल साइंस एंड हेल्थ, Part A. 52(5):420-428
- ए श्रीवास्तव, ए सिंह, एस.एस. सिंह एंड ए.के. मिश्रा (2017) साल्ट स्ट्रेस-इंड्यूस्ड चेंजेज इन ऑक्सीडेटिव डिफेंस सिस्टम एंड प्रोटीओम प्रोफाइल्स ऑफ साल्ट - टोलरेंट एंड सेंसिटिव फ्रेंकिया स्ट्रेंस. जर्नल ऑफ इन्वायर्नमेंटल साइंस एंड हेल्थ, Part A. 52(5):420-428

❖ बुक चैप्टर्स

- **अमृता श्रीवास्तव** (2017) डेसीफेरिंग द बेसिस ऑफ साल्ट टोलेरेंस एंड एग्रीकल्चरल यूटिलिटी ऑफ फ्रेंकिया स्ट्रेंस आइसोलेटेड फ्राम हिप्पोफे सेलिसिफोलिया डी.डा. प्लांट्स एंड माइक्रोब्स इन एव चेंजिंग इनवायर्नमेंट्स. सत्यशिला सिंह. नोवा साइंस पब्लिशर्स, न्यूयार्क, यूएसए, ISBN: 978-1-53610-918-4

- प्रतीका सिंह एंड **अमृता श्रीवास्तव** (2016) इंपेक्ट ऑफ प्लांट हेल्थ एंड इफीकेसी: एन इनसाइट टू सेल मेटाबोलिज्म इन: चेंजिंग इनवायर्नमेंट्स (एडि.) दिव्या पांडे एंड अभिजीत सरकार, नोवा साइंस पब्लिशर्स, इंक. न्यूयार्क, pp. 195 – 209. ISBN: 978-1-53610-301-4

डा. तारा काशव

- सुरभि कुमारी, कुमार वी, सामी एन, **काशव टी**, इस्लाम ए, अहमद एफ, हसन एमआई, प्रोटीन एग्रीगेशन एंड न्यूरोडिजेनेरेबि डिजीजेज: फ्राम थ्योरी टू थेरेपी. यूर जे मेड केम. 2016 Nov 29;124: 1105-1120. doi: 10.1016/j.ejmech. 2016.07.054. **(impact factor – 4.51)**

- कुमार वी, **काशव टी**, इस्लाम ए, अहमद एफ, हसन एमआई. स्ट्रक्चरल इनसाईट इनटू C9orf72 हेक्सान्यूक्लियोटाइड रिपीट एक्सपेंशंस: टुवर्ड्स न्यू थेराप्यूटिक टार्गेट्स इन एफटीडी-एएलएस न्यूरोकेम इन्ट. 2016 Nov;100:11-20. doi: 10.1016/j.neuint.2016.08.008 **(impact factor – 2.9)**

सम्मेलन, कार्यशाला, पाठ्यक्रम आदि

डॉ गौतम कुमार

- एब्सट्रेक्ट इन कांफ्रेंस - सहाना बसु, सूराज कुमार जायसवाल, **गौतम कुमार**, रवि राजवंशी. डिफ्रेंशियल रिस्पांस ऑफ सबमर्जेंस ऑन राइस: ए स्टडी ऑन सब 1 - मेडिएटेड सबमर्जेंस टालरेंस भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी द्वारा 20-21 जनवरी, 2017 को फसल विकास

हेतु प्लांट बायोटेक्नोलॉजी पर आयोजित इंटरनेशनल सिम्पोजियम.

- सुरभि कुमारी, निखिल ओझा, सहाना बसु, **गौतम कुमार**. एक्सप्लोरिंग द इफेक्ट ऑफ क्लाइमेंट चेंज ऑन ग्रेन फिलिंग ऑफ सेलेक्टेड राइस जेनोटाइप्स, सीयूएसबी, सीबीएस, लाइफ साइंस प्रोग्राम द्वारा 20-21 फरवरी, 2017 तक करेंट ट्रेंड्स इन लाइफ साइंस (सीटीएलएस-2017) पर आयोजित द्वितीय नेशनल सेमिनार.
- इब्तेशम बेनजीर, सहाना बसु, संतोश कुमार, **गौतम कुमार**, साइकोलॉजिकल एंड बायोकेमिकल परफॉरमेंस ऑफ डिफरेंट कल्टीवर्स ऑफ राइस इन इस्टर्न रीजन ऑफ इंडिया. सीयूएसबी, सीबीएस, लाइफ साइंस प्रोग्राम द्वारा 20-21 फरवरी, 2017 तक करेंट ट्रेंड्स इन लाइफ साइंस (सीटीएलएस-2017) पर आयोजित द्वितीय नेशनल सेमिनार.
- आलोक कुमार, तैलब फारूक, पंकज कुमार, रिनी राहुल, सहाना बसु, संतोश कुमार, **गौतम कुमार**, मोर्फोलोजिकल एंड बायोकेमिकल रिस्पांसेस ऑफ सेलेक्टेड जेनोटाइप्स अंड ड्राउट स्ट्रेस. सीयूएसबी, सीबीएस, लाइफ साइंस प्रोग्राम द्वारा 20-21 फरवरी, 2017 तक करेंट ट्रेंड्स इन लाइफ साइंस (सीटीएलएस-2017) पर आयोजित द्वितीय नेशनल सेमिनार.
- पोस्टर प्रेजेंटेशन **गौतम कुमार**, सहाना बसु, सौम्यज्योति घौषाल, साइकोलॉजिकल एंड मोलेक्युलर रिस्पांसेस ऑफ कंट्रास्टिंग राइ जेनोटाइप्स अंडर ड्राउट स्ट्रेस' पर असम यूनिवर्सिटी सिल्चर में 23 जनवरी, 2017 को आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन फंक्शल प्लांट बायोलॉजी (आईसीएफपीबी) में प्रस्तुत.
- एकेडमिक स्टाफ कॉलेज, राँची यूनिवर्सिटी द्वारा 'स्पेशल समर स्कूल 2016' पर रिफ्रेशर कोर्स को सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

डा. मनोज पंचाल

- "आइवरमेक्टीन: अ पोटेंशियल ड्रग" सीयूएसबी, सीबीएस, लाइफ साइंस प्रोग्राम द्वारा 20-21 फरवरी, 2017 तक करेंट ट्रेंड्स इन लाइफ साइंस (सीटीएलएस-2017) पर आयोजित द्वितीय नेशनल सेमिनार.
- 25 जून से 15 जुलाई, 2016 तक डीडीयू यूनिवर्सिटी गोरखपुर में यूजीसी द्वारा प्रायोजित रिफ्रेशर कोर्स को सफलतापूर्वक पूर्ण किया।
- 24 मई से 20 जून, 2016 तक बीएचयू, वाराणसी में यूजीसी द्वारा प्रायोजित ओरिएंटेशन कोर्स को सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

डा. अमृता श्रीवास्तव

- महावीर कैंसर संस्थान, पटना द्वारा रीयल टाइम पीसीआर टेक्नोलॉजी पर 28-29 सितंबर, 2016 तक आयोजित कार्यशाला में प्रतिभागिता की।
- एब्सट्रेक्ट इन कांफ्रेंस - एंटीफंगल एक्टीविटी ऑफ बैक्टीरियल केटेचोलेट साइडरोफोर, अजमी खान, प्रतीका सिंह, अमृता श्रीवास्तव* सीयूएसबी, सीबीएस, लाइफ साइंस प्रोग्राम द्वारा 20-21 फरवरी, 2017 तक करेंट ट्रेंड्स इन लाइफ साइंस (सीटीएलएस-2017) पर आयोजित द्वितीय नेशनल सेमिनार.

डा. तारा काशव

- यूजीसी एचआरडीसी पटना, यूनिवर्सिटी, पटना में 18 जनवरी से 17 मार्च, 2017 तक यूजीसी प्रायोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम में हिस्सा लिया।

(ii) डिपार्टमेंट ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी

डिपार्टमेंट ऑफ़ बायोटेक्नोलोजी पूरे विश्वविद्यालय में संकाय/शोधकर्ताओं की प्रतिभागिता के साथ इंटरडिसीप्लीनरी (अंतअर्नुशासनात्मक) अप्रोच विकसित करता है। पेशवर एवं प्रबंध कौशल के साथ प्रशिक्षण प्रदान करता हमारी शिक्षण शैली की

कुंजी है। यह प्रोग्राम शोध एवं नीति में उत्तरदायित्व निर्माण एवं नीति अनुपालन पर ध्यान केन्द्रित करता है। हम ह्यूमेन हेल्थ, ट्रांसजेनिक क्रॉप डेवलपमेंट, इनवायर्नमेंटल साइंसेज तथा इंफोर्मेटिक्स पर एक इंटीग्रेटेड (एकीकृत) अप्रोच लाने पर समान रूप से बल देते हैं। यह पाठ्यक्रम प्रोजक्ट डिजर्टेशन, प्रस्तुतिकरण तथा विस्तृत मौखिकी को मूल्यांकन प्रथा के एक भाग के रूप में समाहित करता है। विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण एवं बायोटेक्नोलॉजी उद्योगों को भ्रमण द्वारा उत्पाद विकास से संबंधित विभिन्न पहलुओं को सीखने हेतु प्रमुख शोध संस्थानों का दौरा करते है। बायोटेक्नोलॉजी कार्यक्रम का एक प्रमुख लक्ष्य विद्यार्थियों को कटिंग एज रिसर्च में सक्रिय रूप से शामिल करना है। वर्त्तमान में विभागीय शोध मुख्यतया कैंसर बायोलॉजी, ऑटो इम्यून डिजीजेज, फंगल डिजीजेज, लंग फिजियोलॉजी, न्यूरोइथोलॉजी, इम्यूनोलॉजी, जेनेटिक इंजीनयरिंग, स्टेम सेल थेरेपी, प्रोओमिक्स, मोलिक्युलर बायोलॉजी, सिग्नल ट्रांसडक्शन, इंटरफेरॉन (आईएफएनएस) ट्रांसक्रिप्शन फेक्टर्स, न्यूरोइमेजिंग, इलेक्ट्रोफिलियोलॉजी, बायोकेमेस्ट्री ऑफ फंगल पैथोजन्स एंड जेनेसिस ऑफ सेकेन्ड्री मेटाबोलाइट्स के साथ-साथ जेनेटिक मेनिपुलेशंस ऑफ प्लांट्स जिसमें प्लांट टिस्यू कल्चर तथा मोलिक्युलर मार्किट डेवलपमेन्ट्स भी शामिल हैं, के क्षेत्रों पर केन्द्रित है।

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एमएससी तथा पीएचडी
नियमित संकाय	7
केंद्र / विभागाध्यक्ष	डॉ. रिजवानुल हक

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
डॉ. रिज़वानुल हक सह प्राध्यापक तथा अध्यक्ष	पीएचडी	ईम्मयूनोलॉजी, स्टेम सेल बायोलॉजी
डॉ. राकेश कुमार सह प्राध्यापक	पीएचडी	बायोप्रोसेस ईएनजी बायोपोलीमेर्स, बायोकौम्पोजिट्स
डॉ. अंतरेश कुमार सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	इन्फेक्शन बायोलॉजी
डॉ. नितीश कुमार सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	प्लांट बायोटेक्नोलॉजी
डॉ. कृष्ण प्रकाश सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	मोलेक्यूलर कैंसर बायोलॉजी
डॉ. जावेद अहसन सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	ड्रोसोफिला न्यूरोबायोलॉजी
डॉ. लोकेंद्र कुमार शर्मा यूजीसी- सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	मोलेक्यूलर बायोलॉजी, ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस

पुस्तकें/ जर्नल्स आदि में प्रकाशन

डॉ. रिज़वानुल हक

- **रिजवानुल हक**, जियानयोग सोंग, मोहम्मद हक, फेंगयेंग ली, प्रनीत संधू, बींग नी, सुंगुओ झेंग, डेयू फेंग, जिंग-मिंग येंग एंड जियानुजन सोंग. सी-मिक-इंड्यूस्ड सर्वाइविन इज एसेंशियल फॉर प्रमोटिंग द नोच-डिपेंडेंट टी सेल डिफ्रेंशियेशन फ्रॉम हेमेटोपोइटिक स्टेम सेल्स. जीन्स (बेसल). 2017 Mar 6;8(3). pii: E97. doi: 10.3390/genes8030097. PMID: 28272325, Impact Factor: 3.24, ISSN 2073-4425 UGC ID- 13159
- सैफ अहमद, नेहाल एम., एल-शरबिनी, मोहम्मद सरवर जमाल, फैजल ए., एल जइरानी, **रिजवानुल हक**, राजीउद्दीन खान, सैयद कासिफ जैदी, मोहम्मद एच., अल-कहतानी, ग्रेगोरी आई ल्यू, कंचन भाटिया. (2016). एंटी इंफ्लेमेटरी रोल ऑफ सेसामिन इन एसटीजेड इंड्यूस्ड माइस मॉडल ऑफ डायबेटिक रेटिनोपेथी. जर्नल ऑफ न्यूरोइम्यूनोलाजी. 295–296, 2016 47–53. Impact Factor: 2.566. ISSN: 0165-5728.

डॉ. राकेश कुमार

- **कुमार आर.** ए रिव्यू ऑन एपोक्सी एंड पोलीस्टर बेस्ड पॉलीमर कंक्रीट एंड एक्सप्लोरेशन ऑफ पोजिफर फुरायल अल्कोहल एज पोजिफर कंक्रीट. जर्नल ऑफ पॉलीमर. Article ID 7249743 (Hindawi Publication)
- **कुमार आर.** एल्युमीनियम/ आइरन रिइंफोरुड पोजिफरफुरायल अल्कोहल रेसिन एज एडवांस्ड बायोकंपोजाइट्स. एआईएमएम मेटोरियल्स साइंस 2016, Vol. 3(3), pp 908-915 (ESCI)
- बुक चैप्टर - **कुमार आर.** चेप. 6 - मेकेनिकल एंड ऑप्टिकल प्रोपर्टीज ऑफ सोय प्रोटीन एंड पोजिलेकिटक एसिड बेस्ड बायोफिल्म्स इन बायोफिल्म्स: केरेक्टराइजेशन, एप्लीकेशंस एंड रीसेंट एडवान्सेस, डा. जूडिथ हेंडरसन (एडि.) 2016, (ISBN: 978-1-62808-412-2) Nova Science Publisher, New York, USA.

डॉ. नितीश कुमार

- कुमार एच, प्रिया ओ, सिंह एन, कुमार एम, चैधरी बीके, कुमार एल, सिंह आईएस, **कुमार एन*** (2016) आरएपीडी एंड आईएसएसआर मार्कर्स बेस्ड कंपेरेटिव इवेल्यूएशन ऑफ जेनेटिक डायवर्सिटी अमंग इंडियन जर्मप्लाज्म ऑफ यूराइल फेरोक्स: एन एक्वेटिक फूट प्लांट. एप्लाइड बायोकेमेस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी. 180:1345–1360 स्प्रिंगर पब्लिकेशन
- सत्यपाल जीके, रानी एस, कुमार एम, **कुमार एन*** (2016) पोटेंशियल रोल ऑफ आर्सेनिक रेसिस्टेंट बेक्टीरिया इन बायोरिमेडिएशन: करेंट स्टेटस एंड फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स. जर्नल ऑफ माइक्रोबॉयल एंड बायोकेमिकल टेक्नोलॉजी. 8: 256-259.
- बुक चैप्टर - मोदी ए, **कुमार एन** एंड सुभाष एन (2016) ट्रांसक्रिप्ट क्वांटिफिकेशन ऑफ जीन्स इंवाल्वड इन स्टीग्वाइल ग्लाइकोसाइड बायोसिंथेसिस इन स्टेमिया रिबाउदियाना बर्तोनी बाइ रियल टाइम पॉलीमराज चेन रिएशन (आरटी-पीसीआर). इन “प्रोटोकॉल फॉर इनविट्रो कल्चर्स एंड सेकेंडरी मेटाबोलाइट एनेलाइसिस ऑफ एरोमेटिक एंड मेडीसनल प्लांट्स “एडिटेड बाय मोहन जैन”, pp: 289-301. स्प्रिंगर पब्लिकेशन
- कुमार एन *, मोदी ए, पाटिल जी, सिंह एएस, एंड सुभाष एन **(2016)** माइक्रोप्रोपोगेशन एंड बायोमास प्रोडक्शन टू टू-टू-टाइप स्टेविया रीबाउडियाना बर्टोनी, मोहन जैन द्वारा संपादित " प्रोटोकॉल फॉर इनविट्रो कल्चर्स एंड सेकेंड्री मेटाबोलाईट एनेलाईसिस ऑफ एरोमेटिक एंड मेडिसिनल प्लांट्स " में, पीपी: **113-123**. स्प्रिंगर पब्लिकेशन.

डॉ. लोकेंद्र कुमार शर्मा

- मिशुर आर जे, खान एम, मुनकेशी ई, **शर्मा एल**, बोकोव ए, बीम एच, रेडेट्सकाया ओ, बोरोर एम, लेन आर, बाई वाई, टी एसएल. माइटोकांड्रियल मेटाबोलाइट्स एक्सटेंड लाइफस्पान. एजिंग सेल. . 2016 Apr;15(2):336-48.] (Impact Factor: 6.34)
- एडमंडस एलआर, ओटेरो पीए, **शर्मा एल**, डिसूजा एस, डोलेजल जेएम, डेविड एस, लू जे, लेम एल, बसंतानी एम, झेंग पी, सिपूला आईजे, ली एल, जेंग एक्स, डिंग वाई, डिंग एफ, बेक एमई, वोकली जे, मोंगा एसपी, कर्साव ईई, ओदोहर्ती आरएम, क्राट्ज एलई, येट्स एनए, गोएट्जमन

ईपी, स्कॉट डी, डंकन एडब्ल्यू, प्रोचोनीक ईवी. एबनार्मल लिपिक प्रोसेसिंग बट नार्मल लांग-टर्म रेपोपुलेशन पोटेंशियल ऑफ मीक-हेपेटोसाइट्स. ओंकोटार्गेट. 2016 May 24;7(21):30379-95 (Impact Factor- 6.38).

सम्मेलन, कार्यशाला, पाठ्यक्रम आदि

डॉ. रिज़वानुल हक

- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस को मनाने हेतु पटना महिला कॉलेज, पटना यूनिवर्सिटी में 23 फरवरी, 2017 को 'स्टेम सेल प्रोद्योगिकी के अनुप्रयोग' पर एक व्याख्यान दिया. शीर्षक: -स्टेम सेल एवं रोग प्रबंधन.
- यूनीसेफ के तत्वाधान में एमसीएस एंड आरसी पटना में 'पर्यावरण एवं स्वास्थ्य, राष्ट्रीय संगोष्ठी-2017 में 16 जनवरी, 2017 को एक पैनल चर्चा में भाग लिया. थीम पर्यावरणीय दूशण तथा इसके बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य पर प्रभाव'
- सीयूएसबी में 24-30 नवंबर, 2016 को आयोजित 'बेसिक टूल्स एंड टेक्नीक्स इन बायोटेक्नोलॉजी' वर्कशॉप (टीडब्ल्यूबीटीटीबी-2016) में व्याख्यान दिया तथा इम्यूनोलॉजी पर प्रशिक्षण प्रदान किया।
- आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के तहत रीजनल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ यूनानी मेडिसन, पटना, सीसीआरयूएम में 4 जून, 2016 को 'रिसर्च मैथडोलॉजी' पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

डॉ. राकेश कुमार

- डिपार्टमेंट ऑफ केमेस्ट्री, पटना यूनिवर्सिटी में 7 मार्च 2017 को ' रीसेंट ट्रेंड्स इन बेसिक साइंसेस' शीर्षक पर आयोजित फर्स्ट रीफ्रेशर कोर्स में ' बायोपोलीमर फ्रौम रेनेवेबल रीसोर्सेस' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

डॉ. अंतरेश कुमार

- सीयूएसबी में 24-30 नवंबर, 2016 को जैवप्रौद्योगिकी में आधारभूत उपकरण एवं तकनीक पर आयोजित कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम (टीडब्ल्यूटीटीबी-2016) में एंटीमाइक्रोबाईल सक्सेप्टीबिलिटी एंड रेसिस्टेंस एंड एम्प ; हेण्ड्स ऑन ट्रेनिंग ऑन एंटीमाइक्रोबाईल सक्सेप्टीबिलिटी एंड इट्स टोक्सिक ईफ़ेक्ट्स पर एक व्याख्यान दिया।
- होटल चाणक्या, पटना में 27 अक्टूबर 2016 को एलसी-एमएस ऑपरेटिंग और जैविक अणुओं के विश्लेषण पर एजिलेंट की प्रायोजित कार्यशाला में भाग लिया ।

डॉ. नितीश कुमार

- मानव संसाधन विकास केंद्र, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट में 19 दिसंबर, 2016 से 8 जनवरी, 2017 तक रिफ्रेशर पाठ्यक्रम में शामिल हुए।
- 30 दिसंबर, 2016 को मानव संसाधन विकास केंद्र, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट में 'अंतर्राष्ट्रीय डायस्पोरा साहित्य' पर एक दिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया।

डॉ. कृष्ण प्रकाश

- जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जमशेदपुर महिला कॉलेज, जमशेदपुर द्वारा आयोजित 21 वीं सदी के फ्रंटियर साइंस आनुवंशिक इंजीनियरिंग और जैव प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीजीईबीएफएस) में "पीसीआर प्रवर्धन और मानव ईआरसीसी सीडीएनए के आणविक क्लोनिंग" शीर्षक पर 1-2 फरवरी 2017 के दौरान एक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ द्वारा आयोजित कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च (आईसीयूसीपीआर) में अपडेट्स के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 14-16 फरवरी, 2017 के दौरान " एक्स्प्रेशन एंड प्यूरीफिकेशन ऑफ सीमेरिक ह्यूमन आईआरएफ-1" शीर्षक पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- मार्च 03 - 23, 2017 के दौरान यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, पटना विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान संस्थान, पटना विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित 21 दिन के रिफ्रेशर कोर्स प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा किया।

डॉ. जावेद अहसन

- यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, पटना विश्वविद्यालय, पटना द्वारा मार्च 03-23, 2017 के दौरान आयोजित मूलभूत विज्ञान (आईडीसी) के पहले रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया।
- सीयूएसबी के लाइफ साइंस प्रोग्राम द्वारा 20-21 फरवरी, 2017 के दौरान आयोजित 'लाइफ साइंस में मौजूदा रुझानों' पर द्वितीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में " सार्थक या निरर्थक? ड्रोसोफिला मेलनोगस्टर में निर्णय करना" विषयक चर्चा में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- बैंगलोर के नेशनल सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेस द्वारा 10-13, सितंबर 2016 के दौरान आयोजित 'भारतीय केमिकल पारिस्थितिकी के प्रथम सम्मेलन' में भाग लिया।
- पटना में 8 जून, 2016 को क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, यूनानी चिकित्सा, सीसीआरयूएम, नई दिल्ली, "आयुष" मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित 'क्लिनिकल रिसर्च मेथडोलॉजी' पर एक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।
- गया में 26 फरवरी, 2017 को गया के निकॉन स्कूल एड्वान्स्ड आउटडोर वर्कशॉप में भाग लिया।

डॉ. लोकेंद्र कुमार शर्मा

- **सम्मेलन में सार** - लिआ आर एडमंड्स, **लोकेंद्र शर्मा**, पीटर एंथोनी ओटेरो, सोनिया डिसूजा, जेम्स एम. दोलजल, ज़ुमेई जेंग, यिंग डिंग, फी डिंग, मेगन ई. बेक, लिसा ई. क्रैज, जेरी वॉकली, एरिक गेटज़मैन, डोनाल्ड स्कॉट, नाथन येट्स, एंड्रयू डब्ल्यू डंकन, एडवर्ड वी. प्रोचोणिक, नोवेल हेपेटिक फेनोटाइप्स काउज्ड बाय कंडीशनल सी- मिक डीलीशन.[सार]. एएसीआर विशेष सम्मेलन की कार्यवाही: चयापचय और कैंसर; जून 7-10, 2015; बेलेव्यू, वाशिंगटन फिलाडेल्फिया (पीए): एएसीआर; मोल कैंसर रेस 2016; 14(1_एसयूपीपीएल): सार एनआर बी 25.
- यूजीसी-एचआरडी द्वारा अकादमिक स्टाफ कॉलेज, पटना विश्वविद्यालय में 20 अप्रैल से 17 मई, 2016 के दौरान आयोजित 28 दिनों के 73 वें यूजीसी-ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लिया।
- कोलकाता के सीएसआईआर- रासायनिक जीवविज्ञान के भारतीय संस्थान में 23-24 सितंबर, 2016 के दौरान आयोजित ग्रुप मॉनिटरिंग वर्कशॉप (जीएमडब्ल्यू) में मौखिक प्रस्तुति दी।
- गोवा में 21- 23 अक्तूबर, 2016 के दौरान 'स्टेम सेल एंड कैंसर: प्रसार, विभेद और अपोपटोसिस' पर 7 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएससीसी-2016) में ' माइटोकोण्ड्रियल अल्ट्रेशंस एंड कैंसर सेल मेटाबोलिज्म' विषय पर मौखिक प्रस्तुति दी।
- हैदराबाद विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेस में 10- 13 नवंबर, 2016 के दौरान बायोकेमेस्ट्री, बायोफिज़िक्स और आण्विक जीवविज्ञान तथा माइक्रोबायोलॉजी पर चतुर्थ पीएसी बैठक में एक्सट्रा मूरल रिसर्च ग्रांट पर एक मौखिक प्रस्तुति दी।
- बीबीए केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ में 14 -16 फरवरी, 2017 के दौरान आयोजित 'कैंसर निवारण और अनुसंधान में अपडेट' (आईसीयूसीपीआर -2017) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'माइटोकोंड्रिया ट्यूमोरिजिनेसिस में एक दर्शक नहीं बल्कि एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी ' विषय पर एक मौखिक प्रस्तुति दी।

संकाय उपलब्धियां / गतिविधियाँ

डॉ. रिज़वानुल हक

- पटना विमेंस कॉलेज, पटना विश्वविद्यालय में 23 फरवरी, 2017 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में "स्टेम सेल टेक्नोलॉजी का प्रयोग" पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।
- महावीर कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र, पटना के अनुसंधान सलाहकार बोर्ड के सदस्य.

- यूनानी चिकित्सा, पटना के केंद्रीय अनुसंधान परिषद में क्षेत्रीय केंद्र के वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड सदस्य.
- बायोसाइंस विभाग, जेएमआई, नई दिल्ली के लिए थीसिस मूल्यांकन हेतु पीएचडी के एक परीक्षक के रूप में कार्य किया।
- 'रोल ऑफ आर्कियल कम्पोनेंट ऑफ गट माइक्रोब्स इन मेंटेनिंग ह्यूमन हेल्थ' पुरालेख पत्रिका के विशेष संस्करण के लिए एक अतिथि संपादक के रूप में कार्यरत, हिंदुवी लिमिटेड-2016 ।
- एमएस फार्मा (जैव प्रौद्योगिकी) के दूसरे सत्र के प्रोजेक्ट प्रस्ताव की आगामी परीक्षा के लिए 6 सितंबर 2016 को एक बाह्य विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।
- 25.06.2016 को आरएमआरआईएमएस संस्थान, पटना के संविदात्मक गैर-शिक्षण कर्मचारियों के वार्षिक प्रदर्शन के आकलन के लिए एक समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया।
- एमजीसीयूबी, मोतिहारी के लिए अप्रैल-2016 में ओएसडी वित्त, ओएसडी प्रशासन, उप कुलसचिव और सहायक पंजीयक के लिए चयन समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया।
- जैव प्रौद्योगिकी विभाग, आरएमआरआईएमएस पटना के लिए उपकरणों की खरीद के लिए तकनीकी बोलियों के मूल्यांकन हेतु अप्रैल 2016 में एक बाह्य विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

डॉ. राकेश कुमार

- नोवा विज्ञान प्रकाशक, न्यूयॉर्क, यूएसए द्वारा "सोया प्रोटीन: गुण, स्वास्थ्य प्रभाव और अनुसंधान उन्नति" पर आवर्ती संदर्भ पुस्तक प्रकाशित करने के लिए संपादक के रूप में चयनित।

डॉ. नितीश कुमार

- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध प्रकाशक एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित होनेवाली अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर पत्रिका ' जीन' के एक एसोसिएट संपादक के रूप में चयनित. 'जीन' जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बहुत ही प्रतिष्ठित पत्रिका है!

(iii) डिपार्टमेंट ऑफ़ बायोइनफॉरमेटिक्स

यह विभाग विद्यार्थियों को शोध की दिशा में उन्मुख करते हुए न केवल विषय के मूल को समझने में सहायता करता है बल्कि मोलेक्यूलर मॉडेलिंग, सिमुलेशन और कंप्यूटर एडैड ड्रग डिज़ाइनिंग, सिस्टम बायोलॉजी और फंक्शनल जेनोमिक्स जैसे उभरते विषयों में एप्लाइड शोध के लिए भी प्रेरित करता है। विश्लेषणात्मक तकनीक, प्रबंधन और बायोलॉजिकल डेटाबेस का विश्लेषण भी पढ़ाया जाता है क्योंकि मोलेक्यूलर बायोलॉजी के न्यूनकारी दृष्टिकोण से इंटीग्रेटेड दृष्टिकोण में परिवर्तित होने से सेल को एक सिस्टम के रूप में मानने के बाद से थियोरेटिकल बायोलॉजी में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। .

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
डा. आर.एस. राठौर डीन, एसईबीईएस	पीएचडी	एक्स-रे कक्रिस्टालोग्राफी मॉडलिंग, इत्यादि
डा. आशीष शंकर सह प्राध्यापक	पीएचडी	कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी
डा. अजय कुमार सिंह सह प्राध्यापक	पीएचडी	कंप्यूटर एडेड ड्रग-डिजाइनिंग
डा. कृष्ण कुमार ओझा सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	बायोइन्फरमेटिक्स
डा. दुर्ग विजय सिंह सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	मॉलिक्यूलर मॉडलिंग
डा. विजय कुमार सिंह सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	फंक्शनल जीनोमिक्स
डा. अनिल कुमार सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	बायोइन्फरमेटिक्स

पुस्तकों/ जर्नल्स में प्रकाशन आदि

डा. आर.एस. राठौर

- के. सतीनारायणन, बी. उमामहेश यू. सतीश कुमार, पी.एम. विवेक, एस. दिलीप कुमार, एस. ईश्वरमोरथी, पीजी अरविंद, आरएस राठौड़ और के. सतीनारायणन (2017). स्पेक्ट्रोचिमिका एक्टा पार्ट ए: मोलिक्युलर एंड बायोमोलेक्युलर स्पेक्ट्रोस्कोपी (एल्सेवियर) 173, 572-577। एमाइड हाइड्रोजन के फोटोफिजिकल गुणों में अंतर्दृष्टि एन- (बेंजो [डी] थियाज़ोल -2-यिल) एसिटामाइड क्रिस्टल.
- एम. गिरिसा, बी.के. सागर, एच.एस. यातीरजन, आर एस राठौर और क्रिस्टोफर ग्लिडीवेल. (2017)।

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एमएससी तथा पीएचडी
नियमित संकाय	7
केंद्र / विभागाध्यक्ष	डॉ. रिजवानुल हक

- एक्टा क्रिस्टलोग्राफ़िका सेकसन सी: स्ट्रक्चरल कैमिस्ट्री (विले / आईयूसीआर) सी 73, 115-120 थ्री क्लोजली रिलेटेड 1- (नेफथलेन -2- वाइएल) प्रोप 2-एन-1-वंस : स्यूडोसीमेट्री, डिसार्डर एंड सुप्रामोल्यूलर असेंबली मेडिएटेड बाइ सी-एच ...पीआई एंड सी-बीआर.... पीआई इंटेरेक्सन्स।
- वी. जी. प्रसंथ, आर.एस. राठौड़, एम. पाठक एंड के. सतीनारायणन (2017) जर्नल ऑफ कोऑर्डिनेशन केमिस्ट्री (टेलर एंड फ्रांसिस) 70 (6), 983- 99 6 फ्लोरोसेंट एल्युमिनियम चेलेट कॉम्प्लेक्स एज नैनो-स्ट्रक्चर्ड एल्यूमिना।
- बी के सागर, के. बी. हर्षा, एच.एस. यातीरजन, के. एस. रंगप्पा, आर एस राठौर एंड क्रिस्टोफर ग्लिडेवेल (2017). एक्टा क्रिस्टलोग्राफ़िका सेकसन सी: स्ट्रक्चरल कैमिस्ट्री (विले / आईयूसीआर) सी73, 298-304 थ्री क्लोजली रिलेटेड 4,5,6,7-टेट्राहाइड्रो-1 एच-पायराज़ोलो [4,3-सी] पाइरीडाइन्स : सिंथेसिस, मोलिक्युलर कोनफोरमेशन्स एंड हाइड्रोजन बाउंडिंग इन जीरो, वन एंड टू डाइमेन्संस।
- पी. अंगमा मीती, आर एस राठौर, एन.पी.प्रभु एंड वी. विंदल (2016). जर्नल ऑफ मोलिक्युलर मॉडलिंग (स्प्रिंगर) 22:71, 1-14. मौडलिंग ऑफ बेबीसीपेन-1 एंड आइडेंटिफिकेशन ऑफ नेचरल एंड सिंथेटिक लीड्स फॉर बोवाइन बेबीसीओसिस ड्रग डेवलपमेंट।
- वी. जी. प्रसंथ, आर.एस. राठौड़, पी. माधेश एंड के.आई. सत्यनारायणन (2016). पॉलीहेड्रॉन (एल्सेवियर) 107, 163-171 हेप्टा – कोउर्डिनेटेड हेटेरोलेप्टिक डेरिवेटिव्स ऑफ जीरोकोनियम (IV): सिंथेसिस, स्ट्रक्चरल केरेक्टराइजेशन एंड रिंग ओपनिंग पोलिमराइजेशन ऑफ ई -कैपोलैक्टोन।
- बी के सागर, एम. गिरिशा, एच.एस. यातीरजन, आर एस राठौर एंड सी. ग्लिडेवेल. 2-एमिनो -4,4,7,7-टेट्रामिथाइल -4,5,6,7-टेट्राहाइड्रो -13-बेंज़ोथियाजोल-3-आईयूएम बेंजोएट एंड 2-एमिनो -4,4,7,7- टेट्रामिथाइल - 4,5,6,7-

टेट्राहाइड्रो-1,3-बेंजो- थिया-जोल-3-आईयूएम पिक्रेट (2017)। E73, 1320-1325 एक्टा क्रिस्टलोग्राफिका सेक्शन ई: क्रिस्टलोग्राफिक कम्युनिकेशंस (विले / आईयूसीआर).

- पी. अंगमा मीती, आर एस राठौर, एन. प्रकाश एंड वी. विंदल (2016). स्प्रिंगरप्लस (स्प्रिंगर) 5(1): 965. इन सिलिको स्क्रीनिंग फॉर आइडेंटिफिकेशन ऑफ नोवेल बीटा-1,3 ग्लूकेन सिन्थेस इनहिबिटर्स यूजिंग फार्मोकोफ़ोर एंड 3 डी-क्यूएसएआर मेथडोलोजीज।
- बी. नारायण, एच.एस. यतिराजन, आर.एस. राठौर एंड क्रिस्टोफर ग्लिडेवेल (2016). एक्टा क्रिस्टलोग्राफ़िका सेक्शन सी: स्ट्रक्चरल कैमिस्ट्री (विले / आईयूसीआर) 72(9), 664-669. डिफरेंट मोलिक्युलर कोनफोरमेशन्स को- एक्जिस्ट इन इच ऑफ थ्री 2- एराइल- एन- (1, 5-डाइमिथाइल-3-ऑक्जो-2-फ़िनाइल- 2, 3-डाइहाइड्रो-1 एच-पायराज़ोल-4-वाईएल) एसिटमाइड्स: हाइड्रोजन बॉन्डिंग इन जीरो, वन एंड टू डाइमेन्संस।
- बी. नारायण, एच.एस. यतिराजन, आर एस राठौर एंड क्रिस्टोफर ग्लिडेवेल (2016). एक्टा क्रिस्टलोग्राफ़िका सेक्शन ई: क्रिस्टलोग्राफिक कम्युनिकेशंस (विले / आईयूसीआर) ई72 (9), 1270-1275 क्रिस्टल स्ट्रक्चर्स टू सी, एन-डिसबस्टीट्यूटेड एसिटामाइड्स: 2-(4-क्लोरोफ़िनाइल)-एन- (2-आयोडोफ़िनाइल) एसिटामाइड एंड 2- (4-क्लोरोफ़िनाइल) -एन- (पायराजीन-2-यिल) एसिटामाइड।
- के.एन. सुब्बुलक्ष्मी, बी. नारायण, एच.एस.यतिराजन, जैरी पी. जासिंस्की, आर.एस. राठौर एंड क्रिस्टोफर ग्लिडेवेल (2016). एक्टा क्रिस्टलोग्राफ़िका सेक्शन ई: क्रिस्टलोग्राफिक कम्युनिकेशंस (विले / आईयूसीआर) ई 72(8) 1099 - 1102। क्रिस्टल स्ट्रक्चर ऑफ 2-बेंज़ोलामिनो-एन '- (4-हाइड्रोक्सिबेंजीलाडीन) -3- (थियोफ़ेन -2 यिल) प्रोप 2-एनोहाइड्राजाइड।
- ए.सी. त्रिपाठी, पी.के. सोनार, आर एस राठौर एंड एस.के. सराफ (2016) ओपन फार्मास्युटिकल साइंसेज जर्नल (बेन्थम) 3(1), 164-181. स्ट्रक्चरल इनसाइट्स इंटू द मोलिक्युलर डिजाइन ऑफ एचईआर 2 इनहिबिटर्स।
- के कुमार रेड्डी, आर आर. बुरी, पी. श्रुजाना, एम. सुमाक्रांत, आर.एस. राठौड़, आर रेड्डी, पी. रेडन्ना, एंड एम. रमी रेड्डी (2017). मिनी रिव्यू इन मेडिसिनल केमेस्ट्री (बेन्थम) इन प्रेस. परफ़ौर्मेंस एवेल्यूएशन ऑफ डोकिंग प्रोग्राम्स- ग्लाइड, गोल्ड, ऑटोडॉक एंड सर्फ्लेक्स डॉक, यूजिंग फ्री इनर्जी पार्टर्बेशन रेफरेंस डेटा : ए केस स्टडी ऑफ फ्रुक्टोस-1, 6-बिस्फोस्फेट-एएमपी एनालॉग।

डा. आशीष शंकर

- जमाल एस, गोयल एस, शंकर ए, ग्रोवर ए (2016). इंटीग्रेटिंग नेटवर्क, सिक्वेंस एंड फंक्शनल फीचर्स यूजिंग मशीन लर्निंग अप्रोचेज टुवार्ड्स आइडेंटिफिकेशन ऑफ नोवेल अल्जाइमर जीन्स, बीएमसी जीनोमिक्स 17: 807.
- जमाल एस, गोयल एस, शंकर ए, ग्रोवर ए (2016). अल्जाइमर रोग में कम्प्यूटेशनल स्क्रीनिंग और बीमारी से जुड़े जीनों की खोज. जर्नल ऑफ सेल्यूलर बायोकैमेस्ट्री 9999: 1-9.
- गोयल एस, जमाल एस, शंकर ए, ग्रोवर ए (2017). ईजीएफआर के खिलाफ दवा प्रतिरोध तंत्र के लिए स्ट्रक्चरल आधार. औषधीय रसायन विज्ञान में वर्तमान विषय 17:1-13
- जमाल एस, गोयल एस, शंकर ए, ग्रोवर ए (2017). मशीन लर्निंग एंड मोलिक्युलर डाइनैमिक्स बेस्ड इनसाइट्स इंटू मोड ऑफ एकसन्स ऑफ इंसुलिन डेग्रेडिंग एंजाइम मोडुलेटर्स. कांबिनेटोरियल केमेस्ट्री एंड हाई थ्रूपुट स्क्रीनिंग 20:1-13
- **पुस्तक** - शर्मा वी, मुंजाल ए, शंकर ए (2016 द्वितीय संस्करण) बायोइनफॉरमैटिक्स की एक पाठ पुस्तक. रस्तोगी प्रकाशन, मेरठ, भारत, पी। 350 (आईएसबीएन 978-93-5078-142-5).
- **अनुसंधान आलेख** - श्रीवास्तव डी, शंकर ए (2016) आइडेंटिफिकेशन ऑफ सिंपल सीक्वेंस रिपीट्स इन क्लोरोप्लास्ट जीनोम्स ऑफ मेग्नोलीड्स थ्रू बायोइनफॉरमैटिक्स अप्रोच. इंटरडिसीप्लिनरी साइंसेस: कम्प्यूटेशनल लाइफ साइंसेज 8: 327-336.
- शंकर ए (2016) डिटेक्सन ऑफ सिंपल सीक्वेंस रिपीट्स इन क्लोरोप्लास्ट जीनोम्स ऑफ टेट्राफिस पेलुसिडा हेडव. प्लांट साइंस टुडे 3: 207-210.

डा. अजय कुमार सिंह

- **पुस्तक अध्याय** - सिंह ए.के., बायोटेक्नोलॉजी: कंप्यूटर की सहायता से दवा डिजाइनिंग में उन्नति पर बायोटेक्नोलोजी : रीसेंट ट्रेंड्स इन इमरजिंग डाइमेनसन्स एडिटर्स अतुल भार्गव, शिल्पी श्रीवास्तव, सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप।

डा. विजय कुमार सिंह

- नीरज तिवारी, विनोद कुमार, मल्लिकार्जुन आर. गेददा, आशीष के. सिंह, विजय के. सिंह, श्रीनिवास गन्नावरम, सूर्य पी. सिंह, राकेश के. सिंह (2017). आइडेंटिफिकेशन एंड केरेक्टराइजेशन ऑफ मी आरएन आइज़ इन रेस्पोंस टू लिस्मानिया डोनोवनी इन्फेक्सन : डेलीनिएसन ऑफ देयर रोल्स इन मेक्रोफेज डिस्फ़ंक्सन. फ्रंटियर्स माइक्रोबायोलॉजी (इलेक्ट्रॉनिक आईएसएसएन: 1664-302 एक्स; इंपैक्ट फैक्टर - 4.165)

डा. कृष्ण कुमार ओझा

- एस मिश्रा, के.के. ओझा, पी.एन. पांडे. इन सिलिकों स्टडीज़ ऑफ एम ट्यूबरकुलोसिस एल-लाइसिन 6-मोनोऑक्सीजेनस (एमबीटीजी) एज पोटेन्सियल टार्गेट एंड अप्रोच फॉर रीपरपोसींग फर्स्ट लाइन एंटीट्यूबरकूलर ओरल ड्रग्स. जर्नल

ऑफ इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साईंसेस, 20 (4), 2017.

डा. दुर्ग विजय सिंह

- महापात्र एम के, बेरा के, सिंह डीवी, कुमार आर, कुमार एम. इन सिलिको मॉडलिंग एंड मोलिक्युलर डाइनेमिक्स सिमुलेशन स्टडीज़ ऑफ थियाज़ोलिडिन बेस्ड पीटीपी1बी इनहिबिटर्स. जे बायोमोल स्ट्रक्ट डिन 2017 अप्रैल 21: 1-17.
- मिलान एस, सतीश एल, बेरा के, सुश्रि स्वेता बी, सिंह डी वी, साहू एच. स्पेक्ट्रोस्कोपिक एंड मोलिक्युलर सिमुलेशन अप्रोच टूवर्ड द बाइंडिंग एफीनिटी बीट्वीन लाइसोजाइम एंड फेनाजिनीयम डाइज : एन इफेक्ट ऑन प्रोटीन कोनफोरमेसन. जे फिजिक्स केम बी. 2017 फरवरी 23; 121 (7): 1475-1484.

डा. अनिल कुमार

- सिंह डी, चेतिया एच, कबीराज डी, शर्मा एस, कुमार ए, शर्मा पी, डेका एम, बोरा यू. रेशम उत्पादन से संबंधित वेब संसाधनों का एक व्यापक विचार. डाटाबेस (ऑक्सफोर्ड) .2016 जून 15; 2016 pii: baw086 doi: 10.1093 / डेटाबेस / बीएडब्ल्यू086.

सम्मेलन, कार्यशाला, पाठ्यक्रम आदि

डा. आर.एस. राठौर

- स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद तथा साइंस गुरुज, फेरमोंट, सीए, यूएसए द्वारा संयुक्त रूप से ' कैंसर ड्रग डिस्कवरी एंड डेवलपमेंट' पर हैदराबाद, भारत में आयोजित एमएचआरडी-जीआईएन कार्यशाला (जून 22-28, 2016). नेचरल प्रोडक्ट बेस्ड ड्रग डिस्कवरी : फास्ट मेथड ऑफ थेरापेटिक टार्गेट प्रेडिक्सन एंड लीड आइडेंटिफिकेसन.
- **गौशीयन** 16: रेडिसन ब्लू, दिल्ली में आयोजित सिद्धांत और अभ्यास पर कार्यशाला, 16 जनवरी से 20 जनवरी 2017. एसक्यूब नई दिल्ली और गौशीयन इंक., यूएसए. आर. एस राठौर, एम. रामी रेड्डी, पी. रेडन्ना द्वारा संरचना-आधारित दवा डिजाइन में नि: शुल्क ऊर्जा विकृति का उपयोग करके लिगंड बाध्यकारी संबंध का सटीक अनुमान।

डा. अजय कुमार सिंह

- गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रे. नोएडा में 20-21 जनवरी, 2017 के दौरान आयोजित जैविक अनुसंधान में औषधीय पौधों के लिए बायोइनफॉरमैटिक्स संसाधन विषय पर 'स्पीकर' के रूप में आमंत्रित किया गया और' औषधीय पौधों के संरक्षण, प्रचार और स्थायी उपयोग के विकास और उन्नति 'पर राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की ।
- 10-12 फरवरी, 2017 के दौरान आईआईटी, कानपुर में 'उच्च शिक्षा में मानव मानदंड' पर 6ठे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पैनललिस्ट के रूप में भाग लिया।
- **सम्मेलन में सार** - सिंह एके, जैव प्रौद्योगिकी स्कूल, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय द्वारा 20-21 जनवरी, 2017 के दौरान आयोजित औषधीय पौधों के संरक्षण, प्रचार और सतत उपयोग में विकास और प्रगति पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "बायोलॉइन्फॉर्मेटिक्स रिसोर्सेस फॉर मेडिसिनल प्लांट्स इन बायोलॉजिकल रिसर्च" पर.

डा. विजय कुमार सिंह

- जयपुर में 22-24 दिसंबर, 2016 के दौरान ' गणित, सांख्यिकी और कम्प्यूटेशन पर अंतःविषयक तकनीक' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'जीन कोरीलेशन टू जीन सेट इंटरनल कोहेरेंस : ए क्लास डिस्कवरी मेथड एप्लाइड टू जीन एक्स्प्रेसन डेटा' पर मौखिक प्रस्तुति दी।
- दिसंबर 17-19, 2016 के दौरान अलीगढ़ में सांख्यिकी और अनुकूलन (आईएसएएसएसी-2016) के आठवें अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आइडेंटिफिकेशन ऑफ हिडेन पेटर्न इन जीन एक्स्प्रेशन डेटा गिवेन जीन सेट अ प्राइओररी: एन अप्लीकेशन टू डाइबेटीज़ जीईपीज़' पर एक मौखिक प्रस्तुति दी।
- सफलतापूर्वक पुनश्चर्या कोर्स पूरा किया: सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट, गुजरात, में यूजीसी-एचआरडीसी के 216 आईसीटी (आईडी), 27 फरवरी - मार्च 19, 2017 के दौरान ।

डा. कृष्ण कुमार ओझा

- 22 नवंबर से 12 दिसंबर, 2016 तक यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, मिजोरम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विज्ञान और सोसाइटी पर 21-दिवसीय स्पेशल समर स्कूल में भाग लिया।

डा. अनिल कुमार

- 6 से 30 जून, 2016 के दौरान यूजीसी-एचआरडीसी, रांची विश्वविद्यालय, रांची द्वारा आयोजित यूजीसी प्रायोजित विशेष समर स्कूल - 2016 को सफलतापूर्वक पूरा किया।

संकाय उपलब्धियां / गतिविधियाँ

डा. आर.एस. राठौर

- संपादकीय बोर्ड सदस्य- जैव प्रौद्योगिकी के कनाडाई जर्नल.

डा. विजय कुमार सिंह

- एसईआरबी से तीन वर्ष के प्रोजेक्ट शीर्षक "'आणविक प्रजातियों की पहचान जिसमें रिसेप्टर बंधन के लिए इंसुलिन के साथ प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता है " पर युवा वैज्ञानिक अनुसंधान अनुदान के रूप में रुपये. 13,20,000 /- प्राप्त किया।

(बी) सेंटर फॉर एनवायरनमेंटल साइंसेज़

सेंटर फॉर एनवायरनमेंटल साइंसेज़ अर्थ, एटमोस्फेयरिक, बायोलॉजिकल और केमिकल प्रोसेसेस और एक अधिक स्थायी पर्यावरण को प्राप्त करने के विकासात्मक दृष्टिकोणों से उनके सम्बन्ध के अंत: विषयक और इंटीग्रेटेड अध्ययन के इर्द-गिर्द केन्द्रित है / प्रमुख चुनौतियाँ हैं : *(i)* प्राकृतिक संसाधन, मानव गतिविधियाँ और उसके प्रभावों और मानव विकास पर पर्यावरण क्षरण के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए *(ii)* वातावरण में प्राकृतिक प्रक्रियाओं *(iii)* आबादी और अर्थव्यवस्था के विकास के निर्धारकों को समझने के लिए पर्यावरण परिवर्तन के मानवीय आयाम और *(iv)* पर्यावरण विज्ञान में विश्लेषणात्मक उपकरण : इस तरह के डेटा संग्रह के रूप में पर्यावरण के मुद्दों का विश्लेषण करने के लिए बुनियादी उपकरण, और विश्लेषण और हवा, पानी, मिट्टी और जैविक प्रणालियों के मॉडलिंग। पर्यावरण विज्ञान प्रयोगशाला जलवायु और मानसून मॉडलिंग, जलवायु परिवर्तन, पारिस्थितिकीय, बायोमेनिपुलेशन और जैव नियंत्रण, बायोजियोकेमेस्ट्री, प्रदूषण की निगरानी और नियंत्रण, पर्यावरण इंजीनियरिंग, पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी और सूक्ष्म जीव विज्ञान, ईकोटोकसीकोलौजी, मृदा विज्ञान, आदि में प्रयोग और अनुसंधान हेतु पूर्ण सुसज्जित है /

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एमएससी तथा पीएचडी
नियमित संकाय	5
केंद्र / विभागाध्यक्ष	डा. राम कुमार

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
डा. राम कुमार सहप्राध्यापक, विभागाध्यक्ष	पीएचडी	मेरिन एंड फ्रेश वाटर
डा. प्रधान पार्थसारथी, सह प्राध्यापक	पीएचडी	एटमोस्फियरिक साइंस मेटोर्लोजी
डा. राजेश कुमार रंजन सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	ओरगेनिक जियोकेमिस्ट्री
डा. प्रशांत सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	वेस्टवाटर ट्रीटमेंट
डा. एन. एल. देवी सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	परसिस्टेंट ओरगेनिक पोलल्यूटेनट्स

संकाय उपलब्धियां / गतिविधियाँ

डा. राम कुमार

- द जूलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (जेएसडीआई) द्वारा सम्मान. डिपार्टमेन्ट ऑफ लाइफ साइंस, देवांगेर यूनिवर्सिटी, कर्नाटक द्वारा आयोजित 28 वें अखिल भारतीय जूलॉजी कांग्रेस में 20-22 अक्टूबर, 2016 के दौरान "न्यू बायोलॉजी के युग में जीवन के अणुओं को समझना" विषय पर उद्धरण हेतु अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रशस्ति पत्र के साथ प्रोफेसर एम सी डैश के साथ संयुक्त रूप से इन्हें स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। डॉ. कुमार को जलीय जीवविज्ञान और पारिस्थितिकी के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

2. स्कूल ऑफ़ एजुकेशन

अपनी स्थापना के बाद से ही स्कूल ऑफ एजुकेशन भविष्य के शिक्षकों हेतु बेहतर व्यक्तित्व और अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। स्कूल में कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम को समय की आवश्यकताओं और एनसीटीई तथा यूजीसी के नवीनतम नियमों के अनुरूप अद्यतित किया जाता है। स्कूल में प्रिंट और डिजिटल रूप में पुस्तकों और पत्रिकाओं का उल्लेखनीय संग्रह है औरशैक्षणिक नीतियों के दस्तावेजों, मनोवैज्ञानिक परीक्षणों और प्रयोगात्मक उपकरणों, डिजिटल शिक्षण के संसाधनों, शिक्षण-सहायक सामग्रियों इत्यादि के साथ प्रयोगशाला की सुविधाएं से लैस और सुसज्जित शैक्षिक संसाधन केंद्र भी है।

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
प्रो. रेखा अग्रवाल डीन एवं अध्यक्ष	पीएच.डी, डी. लिट्.	टीचर एंड पैरेंट एजुकेशन
प्रो. कौशल किशोर प्राध्यापक	पीएच.डी	एजुकेशनल असेसमेंट एंड इवैल्यूएशन
डा. टी.के. बसंतिया सह प्राध्यापक	पीएच.डी	रिसर्च मेथडोलॉजी इन एजुकेशन
डा. रवि कांत सह प्राध्यापक	पीएच.डी	आरसीटी, एजुकेशनल टेक्नोलॉजी
डा. मितांजलि साहू सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी	साइकोलॉजी ऑफ एजुकेशनल
डा. रिंकी सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी	सेकेंडरी स्कूल साइंस एजुकेशन
डा. चन्द्र प्रभा पाण्डेय सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी	सोशल साइंसेज टीचिंग
डा. तरुण त्यागी सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी	सोशल साइंसेज टीचिंग
डा. प्रज्ञा गुप्ता सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी	फाउंडेशन ऑफ एजुकेशन
डा. रविन्द्र कुमार सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी	हिंदी टीचिंग
श्री किशोर कुमार सहायक प्राध्यापक	एम.फिल	मैथ्स टीचिंग
मो. मोज़म्मिल हसन सहायक प्राध्यापक	एम.फिल	बायो-साइंस टीचिंग
श्री राम अवध, स. प्रा.	एम.एफ.ए.	फाइन आर्ट्स
डा. जितेन्द्र कुमार सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी	फिजिकल साइंस
डा. कविता सिंह, स.प्रा.	पीएच.डी	पर्सपेक्टिव - एजुकेशन
सुश्री स्वाति गुप्ता, स.प्रा.	एम.एड.	इंग्लिश टीचिंग
श्री अवधेश कुमार सहायक प्राध्यापक	यूजीसी-जेआरएफ	कंप्यूटर एजुकेशन

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	बी.ए./बी.एस.सी. बी.एड., एम.एड.
नियमित संकाय	12
अनुबंधित संकाय	05
केंद्र / विभागाध्यक्ष	प्रो. रेखा अग्रवाल

पुस्तकों/ जर्नल्स में प्रकाशन आदि

प्रो. कौशल किशोर

- 'साथियों के बीच सामाजिक स्वीकार्यता पर सहकारी शिक्षण का प्रभाव' पर पेरीपेक्स- इंडियन जर्नल ऑफ रीसर्च, एक संदर्भित और अनुक्रमित जर्नल में आईएसएसएन 2250-1991, जुलाई, 2016 में प्रकाशित किया। 5(7), पीपी. 121-123.
- बुक चैप्टर- इग्नू, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित लर्निंग एंड टीचिंग (बीईएस-121) (यूनिट-1, ब्लॉक-1,बीएड एसएलएम) में ' अण्डरस्टैंडिंग लर्निंग' शीर्षक से एक यूनिट प्रकाशित किया।

डा. टी.के. बसंतिया

- ' असम की प्रारम्भिक शिक्षा में सामुदायिक प्रतिभागिता का प्रभाव' शीर्षक पर एशियन प्रोफ़ाइल, अप्रैल, 2016 में आईएसएसएन- 03048675 के साथ एक पेपर प्रकाशित किया।
- जनवरी 2017 में अमेरिकन जर्नल ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी में 'कल्चर, वैल्यू एंड पर्सनैलिटी: श्री फ्लावरिंग एजंट्स ऑफ क्रिएटिविटी डेवलपमेंट प्रोसेस' नामक एक पेपर प्रकाशित किया। डीओआई : 10.12691/ एजेएपी-5-1-1

डा. रवि कांत

- कांत, आर. (2016) क्या टीवी माध्यमिक विद्यालय के छात्रों में आक्रामकता बढ़ा रहा है? - एक अन्वेषण, एशियाई शैक्षिक अध्ययन 1(1): 47-56 डीओआई http://dx.doi.org/10.20849/aes.v1i1.31 (सिंगापुर)।
- कांत, आर. (2016) छात्रों द्वारा मोबाइल फोन का प्रयोग: प्रथाएँ और रवैया, रिसर्च जर्नल की समीक्षा, 5 (6): 1-7
- कांत, आर। (2016) नई प्रौद्योगिकियों और शिक्षण प्रभावशीलता का उपयोग करने के प्रति दृष्टिकोण के बीच संबंध, शैक्षिक प्रौद्योगिकी में अनुसंधान अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 5(2): 61-69 डीओआई: 10.5861 /ijrset.2016.1564 (फिलीपींस)।
- लेनका, एस.के. और कांत, आर (2016) कुछ कारकों के संबंध में विशेष आवश्यकताओं वाले छात्रों की शैक्षिक आकांक्षा का अध्ययन, मानव-सामाजिक विज्ञान की वैश्विक पत्रिका, 16 (5): 1-5 (यूएसए)।
- लेनका, एस.के. और कांत, आर. (2016) माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के संगठनात्मक स्वास्थ्य उनके समायोजन के संबंध में, शैक्षिक और मानसिक विज्ञान का जर्नल, 17 (4): 662-679 (बहरीन)।

- पुस्तक - कांत, आर और मंसूरी, आई. (2016) स्कूल विषय के अध्यापन, सामाजिक विज्ञान, आर. लॉल बुक डिपो, मेरठ पी -332 आईएसबीएन-978-93-85 9 60-40-6.

डा. मितांजलि साहू

- साहू, एम.,परसेप्शन ऑफ सेकेंडरी स्कूल टीचर फॉर जनरेटिंग लर्निंग फ्रेंडली क्लासरूम एनवायरनमेंट, हिमालयन जर्नल ऑफ सोशल साइंसेस, वॉल्यूम 6, अंक 2, अक्टूबर, 2016, पी .31-41, आईएसएसएन नं. 2231-6639।.

डा. चन्द्र प्रभा पाण्डेय

- पांडेय, सीपी और राठौर, एचसीएस (2016), जूनियर हाई स्कूल के छात्रों की नागरिक भावना और नागरिक जिम्मेदारी के बीच संबंध, भारतीय शिक्षा जर्नल, एक्सलआईआई (1): 85-92.
- पांडे, सीपी (2016), सोशल स्टडीज में सहकारी सीखने के तरीकों का असर, एसपीआईजेई, 6 (2).
- पुस्तक अध्याय- पांडे, सीपी (2016), कानून और व्यवस्था की चुनौतियां और नैतिक शिक्षा की विफलता, एसएपी सिंह और आरपी केशरी (संपा.) नैतिकता और वैश्विक शांति हेतु नैतिक शिक्षा, नई दिल्ली प्रकाशन, नई दिल्ली, पीपी- 86-90.

डा. तरुण त्यागी

- अंतर्राष्ट्रीय- त्यागी, टी.के.(2017). – गणितीय बुद्धिमत्ता और गणितीय रचनात्मकता: एक गंभीर संबंध रचनात्मकता अनुसंधान जर्नल, 29(2), 212-217.
- राष्ट्रीय - त्यागी, टी.के. (2016) गणितीय बुद्धिमत्ता और गणितीय समस्या-समाधान प्रदर्शन: श्री वेभ पैनल एनेलाइसिस. जर्नल ऑफ रिसर्च एंड इनोवेशन इन एजुकेशन), 2(3), 67-75.
- त्यागी, टी.के. (2016) गणितीय रचनात्मकता, गणितीय निपुणता और गणितीय समस्या-सुलझाने के प्रदर्शन के बीच का सामयिक संबंध: ए क्रॉस-लेग्ड पैनल एनेलाइसिस. भारतीय शैक्षिक रीव्यू, स्वीकृत।
- त्यागी, टी.के., और सिंह, बी. (2015, प्रकाशित 2017 में) गणितीय रचनात्मकता और गणितीय योग्यता के बीच असममित संबंध, राष्ट्रीय जर्नल ऑफ एजुकेशन, 13(1), 93-103.

डॉ. रवींद्र कुमार

- कुमार, आर. (2017) राष्ट्रीय शैक्षिक संसाधनों का राष्ट्रीय भंडार: डिजिटल युग में शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी-सह-कार्यशाला की कार्यवाही में स्कूल शिक्षा सामग्री की विकास प्रक्रिया का अवलोकन: चिंता और चुनौतियां [24-25 मार्च , 2017] पीपी-19-24।

- पुस्तक - कुमार, आर (2017) ई तथा वेब आधारित अधिगम IN शिक्षा चतुर्वेदी (Eds) समावेशी विद्यालयों का सृजन, सूर्या पब्लिकेशन मेरठ, प्रष्ट संख्या 201-234.

श्री मो. मोजम्मिल हसन

- हसन, एम (2016), माध्यमिक विद्यालय में निरंतर और व्यापक मूल्यांकन: छात्र जागरूकता और समस्याएं, अनुसंधान और शिक्षा के क्षेत्र में जर्नल, 6 (6)

.श्री अवधेश कुमार

- कुमार, ए और तिवारी आर. आर (2016), ई-बिजनेस में सुरक्षित इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन प्रणाली, शैक्षणिक अनुसंधान और विकास का अंतरराष्ट्रीय जर्नल, विशेष अंक, पीपी-38-43.
- पुस्तक अध्याय - कुमार, ए (2016), भारत में उच्च शिक्षा के प्रदर्शन विश्लेषण में उद्यमिता और प्रबंधन में रचनात्मकता और नवाचार: प्रतिमान शिफ्ट (एड. प्रो. आर पी शुक्ला) भारती प्रकाशन: नई दिल्ली भारत.

श्रीमती स्वाति गुप्ता

- गुप्ता, एस. (2016) शिक्षक की रचनात्मक धारणा: एक आत्मनिरीक्षण, इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रीसर्च,7(8): 12956-12962.
- मुशीर, जेड, गोविल, पी. एंड गुप्ता, एस. (2016) माध्यमिक स्तर के छात्रों के अपने स्कूल के माहौल के प्रति रुख, अमेरिकी अनुसंधान विचार, 2(11): 4207-4214.

डा. कविता सिंह

- सिंह, के (2016), लिंग अनुपात, जन्म पंजीकरण, स्वास्थ्य और भारतीय बच्चों की पोषण संबंधी स्थिति, सामाजिक विज्ञान और विकास नीति का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 2(1).

श्री राम अवध

- अवध, आर (2016), पारम्परिक लोक कथा, सुध दृष्टि, 7(4).
- अवध, आर (2016), रामेश्वर ब्रूता का दिल्ली शिल्पी चक्र में योगदान, अनुप्रिती, 6(4).

सम्मेलन, कार्यशाला, पाठ्यक्रम आदि

प्रो. कौशल किशोर

- शिक्षा विभाग, सीसीएस विश्वविद्यालय, मेरठ, यूपी द्वारा आयोजित आईएटीई के 50 वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में 25-27 फरवरी, 2017 के दौरान एक पत्र प्रस्तुत किया।
- सम्मेलन में सार - शिक्षा विभाग, सीसीएस विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा आयोजित आईएटी की 50 वीं वार्षिक राष्ट्रीय

सम्मेलन में 25-27, 2017 फरवरी के दौरान स्मारिका में सार प्रकाशित ।

डा. टी.के. बसंतिया

- शिक्षा विभाग, एफ.सी. कॉलेज, कोलकाता और शिक्षा विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा संयुक्त रूप से "उच्चतर शिक्षा में मूल्यांकन और निर्धारण : उभरते रुझान" पर 7- 8 नवंबर, 2016 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

डा. रवि कान्त

- शिक्षा और मानव संसाधन विकास में एक विकसित समाज के लिए मानवीय शिक्षा का उदय : अग्रिम चुनौतियां शीर्षक पर एक पत्र प्रस्तुत किया। 3 अप्रैल 2016, शैक्षिक विकास परिषद, पटना।
- एनसीआरआई हैदराबाद के सहयोग से सीयूएसबी द्वारा 4-5 मार्च, 2017 को ग्रामीण लचीलापन को बढ़ावा देने के लिए छात्रों के साहचर्य पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. मितांजली साहू

- यूजीसी द्वारा प्रायोजित तथा शिक्षा विभाग रेवेन्शोव विश्वविद्यालय, कटक द्वारा आयोजित "शिक्षा का अधिकार और उसके कार्यान्वयन: मुद्दे और चुनौतियां" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में " भारत में आरटीई कानून: मुद्दे और चुनौतियों का कार्यान्वयन" शीर्षक पर 31 मार्च, 2017 को एक पेपर प्रस्तुत किया।

श्रीमती चंद्र प्रभा पांडे

- नैतिकता और वैश्विक शांति के लिए मूल्य शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 29-30 अप्रैल 2016 के दौरान "कानून की चुनौतियां, मूल्य शिक्षा की स्थिति और असफलता" पर पेपर प्रस्तुत किया।

श्री मो. मोजम्मिल हसन

- एनसीआरआई हैदराबाद के सहयोग से सीयूएसबी द्वारा 4-5 मार्च, 2017 को ग्रामीण लचीलापन को बढ़ावा देने के लिए छात्रों के साहचर्य पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

श्री अवधेश कुमार

- एनसीआरआई हैदराबाद के सहयोग से सीयूएसबी द्वारा 4-5 मार्च, 2017 को ग्रामीण लचीलापन को बढ़ावा देने के लिए छात्रों के साहचर्य पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

श्री किशोर कुमार

- एनसीआरआई हैदराबाद के सहयोग से सीयूएसबी द्वारा 4-5 मार्च, 2017 को ग्रामीण लचीलापन को बढ़ावा देने के लिए छात्रों के साहचर्य पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ रवींद्र कुमार

- सेंट्रल इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन टेक्नॉलॉजी, एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा 31 अक्टूबर से 4 नवंबर, 2016 के दौरान आईसीटी परिप्रेक्ष्य को अपनाने के लिए इंटरनेशनल फोरम पर आयोजित पांच दिवसीय आईसीटी फोरम में इंटरनेशनल ब्यूरो ऑफ एजुकेशन, यूनेस्को, इंस्टीट्यूट फॉर इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईईईटीई) में भाग लिया।

श्री राम अवध

- संस्कार भारती, कोपागंज, यूपी द्वारा आयोजित 'कला एवं सृजन रामेश्वर ब्रूता के चित्रों में' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

संकाय उपलब्धियां / गतिविधियाँ

प्रो. कौशल किशोर

- शिक्षा विभाग, सीसीएस विश्वविद्यालय, मेरठ, यूपी द्वारा आयोजित आईएटीई के 50 वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में 25-27 फरवरी, 2017 के दौरान एक सत्र की अध्यक्षता की।

डा. टी.के. बसंतिया

- "प्री-स्कूल स्तर पर विशेष समूह के बच्चों के पुनर्वास तंत्र: आईसीडीएस परियोजना का एक अध्ययन" (विद्वान का नाम: जहांगीर अलॉम हुसैन) शीर्षक पर पीएच.डी. से सम्मानित किया गया ।
- "शैक्षिक आचरण में लिंग भेदभाव: उत्तर-पूर्व भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों का एक अध्ययन" (विद्वान का नाम: वाई। रमेशवरी देवी) शीर्षक पर पीएच.डी. से सम्मानित किया गया ।
- "पूर्वोत्तर भारत के प्राथमिक विद्यालयों में मूल्यांकन प्रणाली": एक तुलनात्मक अध्ययन "(विद्वान का नाम: मुनमुन बनर्जी) शीर्षक पर पीएच.डी. से सम्मानित किया गया ।

डॉ रवींद्र कुमार

- क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आरआईई), अजमेर, राजस्थान द्वारा 29 मार्च - 2 अप्रैल 2016 के दौरान आयोजित आरआईईएस ऑडियो-वीडियो उत्पादन (ई-सामग्री) पर संकाय और तकनीकी कर्मचारियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- दिल्ली पब्लिक स्कूल द्वारा 'स्कूल स्तर पर शिक्षण-शिक्षा के लिए ई-संसाधनों का विकास' पर 4-8 अप्रैल, 2016 के दौरान आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

स्कूल ऑफ ह्यूमन साइंसेज मानवों के अध्ययन को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं बायोलॉजिकल स्पेशीज के रूप में उनके अनुभवों, गतिविधियों, निर्माणों और कलाकृतियों के संदर्भ में अध्ययन करने पर ध्यान केन्द्रित करता है। मानवीय स्वभाव को सीमित अनुशासन की परिधि में नहीं बांधा जा सकता है इसलिए यह स्कूल अंर्तअनुशासनात्मक दृष्टिकोण को समझने पर जोर देता है। मानवता द्वारा झेले जानेवाले मानवीय स्वभाव और चुनौतियों की एक व्यापक समझ को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और शोध के जरिये पहुंचाना स्कूल का एक मिशन है। अनुशासन यथा एन्थ्रोपोलॉजी, साइकोलॉजी, सोशल वर्क एवं अन्य सोशल साइंसेज अंतः क्रियात्मक रूप से शोध द्वारा ज्ञान के एक तरीके का विकास कर रहे हैं जो मानवता के विकास में संलग्न हो सकते हैं। स्कूल का उद्देश्य शोध के जरिये विभिन्न मानव विज्ञानों में एक उच्च वैज्ञानिक ज्ञान का विकास करना है।.

सेन्टर फॉर साइकोलॉजिकल साइंसेज

साइकोलॉजी के क्षेत्र में विश्वस्तरीय ज्ञान का निर्माण एवं विस्तार के विजन के साथ सेन्टर फॉर साइकोलॉजिकल साइंसेज (सीपीएस) के पास साइकोलॉजी की प्रचुर क्षमता के साथ किसी व्यक्ति और समाज के जीवन में गुणों की पहचान करता है। केन्द्र का मिशन साइकोलोजिस्टों को शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना है ताकि वे मानवता की सेवा कर सकें। यह वर्तमान में मास्टर इन साइकोलॉजी के साथ सोशल साइकोलॉजी, आर्गेनाइजेशनल विहेवियर, क्लीनिकल साइकोलॉजी, एव काउंसलिंग साइकोलॉजी में विशेषज्ञता प्रदान करता है। वर्तमान में प्रयोगशाला छात्रों को तीन प्रकार की सुविधाएं प्रदान करती हैं: प्रयोगों का अभ्यास, मनोवैज्ञानिक परीक्षण और गुणात्मक अनुसंधान। प्रयोगशाला विद्यार्थियों को कंप्यूटर आधारित प्रयोगों और सामाजिक प्रयोगों को करने हेतु सक्षम बनाता है। प्रयोगशाला में अनेक साइकोलॉजिकल जांच किए जाते हैं। इन जांचों में पर्सनेलिटी टेस्ट, इंटेलीजेंस टेस्ट, न्यूरोसाइकोलॉजिकल टेस्ट एवं अन्य कई टेस्ट शामिल हैं। गुणात्मक एवं मात्रात्मक शोध साइकोलॉजी लैब के महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। प्रयोगशाला के पास कंप्यूटर के साथ ही ऑडियो-वीडियो मोड पर डेटा कलेक्शन तथा इसके इंटरप्रीटेशन की सुविधा है। लैब सॉफ्टवेयर यथा एसपीएसएस आर एवं क्यूडीए से लैस है जो शोध के विश्लेषण में काम आते हैं।

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
प्रो. टी.बी. सिंह प्राध्यापक एंड डीन	पीएच.डी	क्लिनिकल साइकोलॉजी
डा. नरसिंह कुमार सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी	आर्गनाइजेशनल बिहेवियर
डा. दास अम्बिका भारती सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी	हेल्थ साइकोलॉजी
डा. मंगलेश कुमार मंगलम सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी	क्लिनिकल साइकोलॉजी
डा. चेतना जयसवाल सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी	आर्गनाइजेशनल बिहेवियर

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एम.ए. तथा पीएच.डी
नियमित संकाय	5
केंद्र / विभागाध्यक्ष	प्रो. तेज बहादुर सिंह

पुस्तकों/ जर्नल्स में प्रकाशन आदि

प्रो. तेज बहादुर सिंह

- डे बी, सिंह टी. बी. और चौहान ए (2016) : संसाधनों का मुकाबला करने की तुलना, द्विध्रुवी विकार और स्कीज़ोफ्रेनिया के साथ रोगियों में व्यक्तित्व शैली, विचार और भावनात्मक पैटर्न का मुकाबला करने की तुलना, इंडियन जर्नल ऑफ़ साइकोलॉजिकल साइंस, 7,1, 13-26
- पाठक ए, सिंह टी. बी. और चौहान ए. (2016): गंभीर मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों को ध्यान में रखते हुए बोझ और जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन. इंडियन जर्नल ऑफ़ साइकोलॉजिकल साइंस, 6, 2, 128-143.

डॉ. नरसिंह कुमार

- रमन, आर. और कुमार, एन (2017) तीसरे लिंग (किन्नर) का सामाजिक और भावुक समायोजन: एक गुणात्मक अध्ययन, इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ ह्यूमन रिसोर्सेज एंड सोशल साइंसेज, 4 (1), 172-182.

डॉ. मंगलेश कुमार मंगलम

- रानी, ए और मंगलम, एम.के. (2016), भारत में रांची में एक आश्रय गृह में मानव तस्करी और यौन दुर्व्यवहार के शिकार किशोरों के व्यसनों में अवसाद, चिंता, तनाव और आत्मघाती विचार. इंडियन जर्नल ऑफ़ हेल्थ एंड वेलबींग, 7, 687-690। आईएसएसएन नं. -2229-5356.
- शुक्ला, जे., और मंगलम, एम.के. (2016) पटना, भारत में एक सुधार गृह में स्वभाव और चरित्र का दोष। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल साइंस, 2, 105-111 आईएसएसएन नं.-09769218.

सम्मेलन, कार्यशाला, पाठ्यक्रम आदि

प्रो. तेज बहादुर सिंह

- केन्द्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान के फाउंडेशन दिवस का जश्न मनाने के लिए 17 मई 2016 को सीआईपी रांची में आयोजित 'मानसिक बीमारी के साथ जीवित रहने' पर चर्चा में एक आमंत्रित वक्ता के रूप में भाग लिया और 'मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों में बोझ और बर्नआउट: मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- वर्ल्ड सोसायटी ऑफ सोशल साइकेट्री, नई दिल्ली द्वारा 30 सितंबर से 4 अक्टूबर, 2016 के दौरान आयोजित सामाजिक मनश्चिकित्सा के विश्व कांग्रेस में 'ई-सिगरेट का प्रयोग : क्या यह एक स्वीकार्य विकल्प है?' पर एक संगोष्ठी

की अध्यक्षता करने के लिए एक आमंत्रित संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

- 6-8 मार्च, 2017 के दौरान 'संज्ञानात्मक व्यवहार हस्तक्षेप: भारत - 2017' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और 'सांस्कृतिक उत्तरदायी संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी: संभाव और चुनौतियां' पर उद्घाटन भाषण दिया।

डॉ. नरसिंह कुमार

- सीयूएसबी के सेंटर फॉर साइकोलॉजिकल साइंसेज द्वारा 24-26 मार्च, 2017 के दौरान आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'संगठनात्मक अनुकूलन के प्रति संज्ञानात्मक दृष्टिकोण' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- सेंटर फॉर मास कम्युनिकेशन एंड मीडिया, सीयूएसबी द्वारा 03-04 मार्च, 2017 के दौरान आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कैशलेस इकोनॉमी की तरफ: चुनौतियां और अवसर पर व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य' शीर्षक पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
- यूजीसी- मानव संसाधन विकास केंद्र, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा 04 - 30 जुलाई, 2016 के दौरान आयोजित 4-सप्ताह के उन्मुखीकरण कार्यक्रम (ओपी -123) में "ए" ग्रेड को प्राप्त किया और सम्मानित किया गया।

डॉ. मंगलेश कुमार मंगलम

- मनोचिकित्सक विज्ञान, सरकारी पीजी कॉलेज, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा 28- सितंबर, 30, 2016 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पटना, भारत में सुधार गृह में दोषी के स्वभाव और चरित्र का अध्ययन' शीर्षक पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
- 26-28 अक्तूबर, 2016 के दौरान पटना विमेंस कॉलेज में आयोजित संगोष्ठी में 'पटना में सुधार गृह में महिला दोषियों के स्वभाव और चरित्र का अध्ययन' शीर्षक पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
- इंडियन अकादमी ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी, राजस्थान यूनिवर्सिटी, जयपुर में 23-25 फरवरी, 2017 के दौरान आयोजित सम्मेलन में 'पटना , भारत में अपराधियों में अवसाद, थकान एवं तनाव का अध्ययन' शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।
- कोलकाता विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा 3-4 मार्च, 2017 के दौरान आयोजित सम्मेलन में "अल्कोहल पर निर्भर रोगी का शिक्षण और स्मृति कार्य" शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।
- सेंटर फॉर साइकोलोजिकल साइन्सेज, सीयूएसबी द्वारा 24-26 मार्च, 2017 के दौरान आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पर्सनैलिटी प्रोफाइल एंड मेंटल हेल्थ ऑफ डेलीक्वेंट्स" नामक एक पत्र प्रस्तुत किया।

4. स्कूल ऑफ लेंग्वेजेज एंड लिटरेचर

स्कूल ऑफ लेंग्वेजेज एंड लिटरेचर

- सेंटर फॉर फोरेन लैंग्वेज (इंग्लिश)
- सेंटर फॉर इंडियन लैंग्वेज (हिंदी एंड उर्दू)

मानव सभ्यता का विकास असंख्य भाषाओं के विकास के दौर से गुजरा है। ज्ञान खुद अपने विकास हेतु भाषाओं के साथ हाथ से हाथ मिलाकर आगे बढ़ता है। मानव व्यवहार को प्रदर्शित करने के लिए रचनात्मक प्रोत्साहन ने ही साहित्य को आकार प्रदान किया। भाषायी विरासत के वाचक के रूप में साहित्य सांस्कृतिक विविधताओं को शाब्दिक व्याख्याओं के माध्यम से शिक्षण के रूप में प्रोत्साहित करता है। स्कूल ऑफ लेंग्वेजेज की स्थापना इस विचार को स्थापित करती है कि भाषा एक बहता नीर है जो जीवन को विभिन्न भाषायी अंतर होते हुए भी विभिन्न परिप्रेक्ष्यों में दर्पण की तरह रखता है। अंतर्अनुशासनात्मक दृष्टिकोण को प्राथमिक मानते हुए यह शिक्षार्थी समुदाय में विश्वास लाकर संचार एवं प्रस्तुति कौशल को बढ़ावा देता है। स्कूल अपनी पाठ्यचर्या में 'अनुवाद अध्ययन' को एक कॉमन एकेडमिक कनसर्न में सापेक्षिक सांस्कृतिक आयाम के साथ समाज की बहुलता के संदर्भ में देखता है। स्कूल ऑफ लेंग्वेजेज एंड लिटरेचर वर्तमान में सेन्टर फॉर इंडियन लेंग्वेजेज एवं सेन्टर फॉर फॉरेन लेंग्वेजेज को एक शुरूआती भवन के रूप में प्रदर्शित कर रहा है।

स्कूल अपने मुख्य उद्देश्यों के तहत विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं के शोध और अध्ययन को उद्घाटित करता है जो वैश्विक साहित्य के सांस्कृतिक, सांदर्भिक और तुलनात्मक विश्लेषण को प्रोत्साहित करता है।

(ए) सेंटर फॉर फॉरेन लेंग्वेजेज (इंग्लिश)

सेंटर फॉरेन लेंग्वेजेज इंग्लिश ब्रिटिश, इन्डियन, अमेरिकन, यूरोपियन साहित्य की प्रवृत्तियों तथा आन्दोलनों एवं नए साहित्य और साहित्यिक सिद्धांतों का गहरा ज्ञान प्रदान कर रहा है. साहित्य के प्रति अंतर-भाषी दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर केन्द्र छात्रों के संचार कौशल की प्रवीणता में सुधार लाने पर पर जोर देकर उनके सम्पूर्ण विकास हेतु उनमें साहित्य के माध्यम से मानवीय मूल्यों को पैदा करने के साथ-साथ साहित्यिक और भाषाई क्षमता का विकास कर उनके समग्र विकास करने में सतत लगा है। आलोचनात्मक - विश्लेषणात्मक विधि द्वारा केंद्र मुख्यतः शिक्षण के लिए छात्रों की सलाह / परामर्श और विभिन्न सह पाठ्यक्रम और पाठ्येतर गतिविधियों पर ध्यान केन्द्रित करता है।

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एम.ए. तथा पीएच.डी.
नियमित संकाय	4
अनुबंधित संकाय	1
केंद्र / विभागाध्यक्ष	प्रो. प्रभात कुमार सिंह

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
प्रो. प्रभात कुमार सिंह डीन एवं अध्यक्ष	पीएचडी	इंडियन इंग्लिश लिटरेचर
डा. सुरेश कुरापति सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	ईएलटी, दलित लिटरेचर
डा. अर्पणा झा सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	ईएलटी, फिल्म एंड लिटरेचर
डा. सरोज कुमार सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	इंग्लिश लिंग्विस्टिक्स
श्री अभय लियोनार्ड एक्का, सहायक प्राध्यापक	एमएड	अमेरिकन लिटरेचर

पुस्तकों/ जर्नल्स में प्रकाशन आदि

प्रो. प्रभात कुमार सिंह

➢ **पुस्तक अध्याय:** " द पोएट्री ऑफ अनएजिंग इंटेलेक्ट", डब्ल्यू. बी. यीट्स के संसार और कला का पुनर्लोकन (एडि.) बी.के.दास, नई दिल्ली, अटलांटिक, 2016, पीपी.56-65।

➢ "प्रोफेसर बिजय कुमार दास, मेरे दोस्त", बिजयकुमार दास की जैव समालोचना, (एडि.) ए.के. मोहंती, कटक, अप्रैल 2017, पीपी. 91-94.

❖ **जर्नल्स में पेपर** - "एक्रॉस द शेडोज़ एंड द सेल्फ: अमृता प्रीतम की आत्मकथा", द रेवेन्यू स्टैम्प, द क्रेस्ट, वॉल्यूम 23, नंबर 2, पीपी 46-54, रांची, दिसंबर 2016.

➢ "फ़ोर्म एज एम्बाडीमेंट ऑफ एक्सपेरिएन्स : द स्ट्रक्चर ऑफ लॉरेन्स संस एंड लवर्स ", द क्रिटिकल एंडेवर, वॉल्यूम 23, पीपी 144-152, कटक, जनवरी 2017.

➢ "सम्मेलन के थीम का परिचय, सोविनायर", पीपी.11-15, सीयूएसबी, गया में 20-21 मार्च 2017 के दौरान 'अंग्रेजी में समकालीन दक्षिण एशियाई साहित्य' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

डा. सुरेश कुरापति

➢ "वाक कौशल के परीक्षण के प्रति दृष्टिकोण: विचार के लिए एक मामला", अंग्रेजी भाषा, साहित्य और अनुवाद अध्ययन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, वॉल्यूम 3, अंक 2, आईएसएसएन 23499451.

डा. सरोज कुमार

➢ 'हिंदी बोलने वाले क्षेत्र में प्राथमिक स्तर पर टीएसएल कक्षा में समय और तनाव को सीखने का परिणाम' गमी, उपेंद्र (एडि.), लिटेरेरिया लिंगुइस्टिका (खंड 2), आईएसएसएन नंबर 24545228.

सम्मेलन, कार्यशाला, पाठ्यक्रम आदि

प्रो. प्रभात कुमार सिंह

➢ कटक, ओडिशा के रिसर्चर्स एसोसिएशन द्वारा 11-12 जून, 2016 के बीच शेक्सपियर पर संगोष्ठी " शेक्सपिरियन सेल्व्स: पुनर्मूल्यांकन, शेक्सपियर के पाठ्य और दृष्टि" पर एक व्याख्यान दिया।

➢ सेंटर फॉर फ़ॉरिन लेंग्वेजेज़ (इंग्लिश), सीयूएसबी द्वारा 6-7 फरवरी, 2017 के दौरान गया में आयोजित "वाक कौशल पर दो दिवसीय कार्यशाला" में अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

➢ सेंटर फॉर फ़ॉरिन लेंग्वेजेज़ (इंग्लिश), सीयूएसबी, गया द्वारा 20-21 मार्च, 2017 के दौरान 'समकालीन दक्षिण एशियाई साहित्य' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक के रूप में कार्य किया।

डा. सुरेश कुरापति

➢ 24 जून 2016 को यूजीसी एचआरडीसी, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद में रिफ्रेशर कोर्स ऑन सॉफ्ट स्किल्स फॉर एसिस्टेंट प्रोफेसर में ' स्ट्रेन्थनिंग इमोशनल इंटेलिजेंस थ्रू मल्टीपल इंटेलिजेंस' पर एक व्याख्यान दिया।

➢ आदिकवि नानन्या विश्वविद्यालय, राजामुन्द्री द्वारा दो वर्ष के नए बीएड पाठ्यक्रम द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 28 – 29 जून, 2016 के दौरान 'सुदृढ़ शिक्षक-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के माध्यम से अंग्रेजी भाषा की शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाना'।

➢ स्कूल ऑफ एजुकेशन, सीयूएसबी द्वारा 24-25 मार्च, 2017 के दौरान, 'डिजिटल युग में शिक्षा : चिंता और चुनौतियाँ' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'तृतीयक स्तर के छात्रों के बीच आईसीटी के माध्यम से प्रभावी उच्चारण कौशल विकसित करना'।

➢ सेंटर फॉर फ़ॉरिन लेंग्वेजेज़ (इंग्लिश), सीयूएसबी, गया द्वारा 20-21 मार्च, 2017 के दौरान 'समकालीन दक्षिण एशियाई साहित्य' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ' द लॉस ऑफ कल्चर एंड आइडैनटिटि इन अंटचेबल स्प्रिंग एंड करुक्कु'।

➢ सितंबर 2016 में हैदराबाद विश्वविद्यालय में 4 सप्ताह के उन्मुखीकरण पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

डॉ. अर्पणा झा

➢ सेंटर फॉर फ़ॉरिन लेंग्वेजेज़ (इंग्लिश), सीयूएसबी, गया द्वारा 20-21 मार्च, 2017 के दौरान "समकालीन दक्षिण एशियाई साहित्य" पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मोहसिन हामिद्स द रिलक्टेंट फंडामेंटलिस्ट: अ लिंगुइस्टिक स्टडी'।

➢ मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, श्री रामस्वरुप मेमोरियल विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा 17-18 फरवरी, 2017 के दौरान "नई भारत की संस्कृति", पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय साहित्य सम्मेलन में ' भारतीय हिंदी सिनेमा में

युवाओं का प्रतिनिधित्व : सपनें, आकांक्षाएँ और भ्रम आधिक्य'।.

डॉ. सरोज कुमार

- 18 -19 फरवरी 2017 के दौरान एसआरएम विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा रोम के विश्वविद्यालय के सहयोग से नई भारत की संस्कृति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सौंदर्य रूढ़िबद्धता के संदर्भ के साथ चुनिंदा विज्ञापनों का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- सेंटर फॉर फ़ॉरेन लेंग्वेजेज़ (इंग्लिश), सीयूएसबी, गया द्वारा 20-21 मार्च, 2017 के दौरान "समकालीन दक्षिण एशियाई साहित्य" पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "महेश दत्तानी के नाटकों में संस्कृति और विज्ञान का संघर्ष" पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

श्री अभय लियोनार्ड एक्का

- 'भारतीय अंग्रेजी साहित्य में स्वतंत्रता की गाथा' पर 29 - 30 अप्रैल, 2016 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में " अमिताव घोष के नाटक ' सी ऑफ पौपीज़' मुक्ति और परिवर्तन" के थीम पर।
- 26 नवंबर 2016 को शेक्सपियर: द स्टेज एंड द स्टेट पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में " गुड गवर्नेंस इन शेक्सपियर्स प्ले , द मर्चेन्ट ऑफ वेनिस"।
- सेंटर फॉर फ़ॉरेन लेंग्वेजेज़ (इंग्लिश), सीयूएसबी, गया द्वारा 20-21 मार्च, 2017 के दौरान "समकालीन दक्षिण एशियाई साहित्य" पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में " अमिताव घोष के उपन्यास द शैडो लाइन्स में संस्कृतियों का संघर्ष" ।

(बी) भारतीय भाषा केन्द्र (हिन्दी, उर्दू)

भारतीय भाषा केन्द्र भाषा और साहित्य के अध्ययन-अध्यापन के साथ विद्यार्थियों में उच्चस्तरीय शोध-अभिरुचि विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है । यह साहित्य और समाज की महान परम्पराओं एवं विरासत को अक्षुण्ण रखते हुए रचनाशीलता तथा ज्ञान के नए अनुशासनों के निर्माण एवं उनमें परस्पर संवाद की ओर उन्मुख है । इसके साथ केन्द्र बदलते वैश्विक परिदृश्य में नई तकनीक एवं संचार की दिशा में अग्रसर होते हुए भारतीय भाषाओं को रोजगारपरक बनाने के लिए भी प्रयासरत है।

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	स्नातकोत्तर, पीएच.डी
नियमित संकाय	06 (हिंदी – 05, उर्दू – 01)
केंद्र / विभागाध्यक्ष	डा. रविन्द्र कुमार पाठक

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
डॉ. रवीन्द्र कुमार पाठक सह प्राध्यापक, (हिन्दी)	पी.एच.डी.	हिन्दी व्याकरण (भाषाविज्ञान)
डॉ. योगेश प्रताप शेखर सहायक प्राध्यापक, (हिन्दी)	पी.एच.डी.	मध्यकालीन काव्य, उपन्यास
डॉ. कर्मानन्द आर्य सहायक प्राध्यापक, (हिन्दी)	पी.एच.डी.	अस्मितामूलक साहित्य
डॉ. अनुज लुगुन सहायक प्राध्यापक, (हिन्दी)	पी.एच.डी.	समकालीन हिंदी साहित्य
डॉ. शान्ति भूषण सहायक प्राध्यापक, (हिन्दी)	पी.एच.डी.	हिन्दी व्यंग्य, गद्य साहित्य
डॉ. कफ़ील अहमद नसीम सहायक प्राध्यापक, (उर्दू)	पी.एच.डी.	उर्दू कविता की आलोचना

प्रकाशन (किताबें और लेख – राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)

डॉ .रवीन्द्र कुमार पाठक

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर

- 'सूक्ति-साहित्य : ऐतिहासिक और समाजशास्त्रीय सन्दर्भ', 'प्रतिमान', **ISSN -2320-8201,** विकासशील समाज-अध्ययन पीठ(सी.एस.डी.एस.), दिल्ली, जुलाई - दिसम्बर,2016, पृष्ठ-संख्या 195-215
- 'सार्वभौमिक व्याकरण की अवधारणा', 'गवेषणा', **ISSN - 0435-1460,** केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, जुलाई-सितम्बर, **2016,** पृष्ठ-संख्या **74-84**
- 'कामताप्रसाद गुरु का व्युत्पत्ति-विचार : सामर्थ्य और सीमा', 'मध्य भारती', **ISSN - 0974-0066,** डॉ.हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, जुलाई-दिसम्बर, **2016** (अंक **71**), पृष्ठ-संख्या **91-105**

अन्य समाचार पत्रों में प्रकाशित लेख

- 'सूक्ति-संसार में स्त्री', 'चेतांशी' (त्रैमासिक), (त्रैमासिक/सम्पादक - इन्दु भारती), पटना–**1**, अक्टूबर-दिसम्बर, **2016**, पृष्ठ-**78-79**
- 'स्त्री को लदा गर्भ बनाने पर तुले समाज-संस्कृति के ठेकेदार','प्रतिलिपि डॉट कॉम' (ऑनलाइन पत्रिका)[**http://hindi.pratilipi.com/ravindr-kumar-pathak**] पर प्रकाशन (दि.**4-10-16** को
- 'भाषा में पुरुष-सत्ता का वर्चस्व', 'जनसत्ता' (दैनिक), 'रविवारी' अंक, दिल्ली, **2** अक्टूबर, **2016**, पृष्ठ – **3**
- 'कहावतों में झाँकती स्त्री-उपेक्षा','जनसत्ता' (दैनिक), 'रविवारी' अंक, दिल्ली, **11** दिसम्बर, **2016**, पृष्ठ – **3**
- 'स्त्री, नारी और महिला', 'जनसत्ता' (दैनिक), 'रविवारी' अंक, दिल्ली, **5** फरवरी, **2017**, पृष्ठ – **3**
- शोध प्रकाशन (ज्ञान आधारित वॉल्यूम) भारतीय भाषा परिषद् ,कोलकाता द्वारा प्रकाश्य 'हिन्दी-साहित्य ज्ञानकोश' (10 खंड) में भाषाविज्ञान और काव्यशास्त्र से सम्बद्ध 25 प्रविष्टियाँ प्रकाशनाधीन/

डॉ .योगेश प्रताप शेखर

- पुस्तक अध्याय 'मध्यकाल : एक पुनर्मूल्यांकन' – सं. डॉ. धनंजय कुमार दुबे, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली, **2017** ई. **(ISBN : 978-93-86113-24-5)** में 'रीतिकाव्य के अध्ययन की दृष्टियाँ' शीर्षक अध्याय प्रकाशित |

डॉ .कर्मानन्द आर्य

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर

- हिंदी साहित्येतिहास लेखन में जातिवाद ,संस्कृति और डॉ . आंबेडकर का सामाजिक चिंतन ,जनकृति ,2454-2725
- वक्रता का वाग्वैदग्ध्य : नागार्जुन की स्त्री केन्द्रित कवितायें , स्त्रीकाल http://www.streekaal.com//01/2017literarycriticism-nagarjun-karmanandary.html093 -2394 X
- सामाजिक रूपांतरण की अग्रदूत :सावित्रीबाई फुले, 48-53 ,दलित अस्मिता ,ISSN / ISBN 2278-8077

पुस्तक अध्याय

- विमर्शों के दौर में मुक्तिबोध होना ,**ISBN 245-251** , मुक्तिबोध:सृजन के विविध आयाम ,**978-81-89076-97-9**
- अस्मिता ,अस्तित्व ,सेक्स और थर्डजेंडर की कहानियाँ , पुस्तक का नाम : किन्नर विमर्श ,सम्पादक डॉ .इकरार अहमद ,**ISBN 978-93-82485-95-7** ,वांग्मय बुक्स , अलीगढ़महिषासुर वाया हिंदी मीडिया, महिषासुर : एक जननायक, सम्पादक -प्रमोद रंजन, फारवर्डप्रेस बुक्स, नई दिल्ली, **ISBN:** 9788193258415, 819325841**X**
- Mahisashur via Hindi media, Mahishasur A People's Hero (English, Paperback, Edited by Pramod Ranjan) ISBN: 9788193258446, 8193258444
- रचनात्मक लेखन - अयोध्या और मगहर के बीच ,पेज ,124बोधि प्रकाशन जयपुर **978-93-86253-29-3**

डॉ .अनुज लुगुन

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर

- 'सामाजिक कंसर्न और साहित्य में आदिवासी' शीर्षक आलेख 'प्रभात खबर' के साहित्य वार्षिकी अंक (दीपावली विशेषांक) में प्रकाशित, नवम्बर 2016 |

डॉ .कफ़ील अहमद नसीम

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर

- "शेरे-ग़ालिब की नई ताबीरें और इमकानात" अदब-व-सकाफत -मानू हैदराबाद, सितम्बर ,2016 पृष्ठ221-209 , ISSN-0248-2455"
- उर्दू ग़ज़ल में इंसानी अक़दार" "आजकल-उर्दू" दिल्ली,फरवरी2017-, पृष्ठ35-30 , ISSN-846-0971X
- "कैफ़ अज़ीमाबादी की शायरी" "ऐवाने-उर्दू" उर्दू अकादमी, दिल्ली, जनवरी2017-, पृष्ठ22-19-, ISSN-2888-2321

सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

डॉ .रवीन्द्र कुमार पाठक

- भारतीय भाषा केंद्र (दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय) 'अस्मितामूलक साहित्य का सौंदर्यशास्त्र' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी (17-18 फरवरी 2017 ई.) के तकनीकी सत्र में 'स्त्रीभाषा : अवधारणा और संभावना' शीर्षक वक्तव्य दिया |

डॉ .योगेश प्रताप शेखर

- हिंदी विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा 2-1 अक्टूबर 2016ई .को आयोजित ' भीष्म साहनी का रचना संसार ' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भीष्म साहनी की कहानियों में अभिव्यक्त सामजिक यथार्थ' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत |
- जीवनोदय शिक्षा समिति, ग़ाज़ीपुर द्वारा 18-17 दिसंबर 2016ई .को आयोजित Nation and Nationalism : Contextualising Plural Voices विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आधुनिक हिंदी साहित्य और राष्ट्रवाद' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत |
- एम.एल.आर्य कॉलेज, कसबा(पूर्णियाँ) द्वारा 30 मार्च 2017 ई. को आयोजित 'वर्तमान भाषा-साहित्य : भूमंडलीकरण की चुनौतियाँ' विषयक राष्ट्रीय विचारगोष्ठी एवं परिसंवाद में मुख्य अतिथि के तौर पर भागीदारी और उक्त विषय पर आलेख प्रस्तुत |

डॉ .शान्ति भूषण

- एजुकेशन डेवलपमेंट काउंसिल, पटना द्वारा ए .एन .सिन्हा सामाजिक अध्ययन संस्थान, पटना में 3 अप्रैल 2016 को "एजुकेशन एंड ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट : चैलेंजेज अहेड" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "लिबरल आर्ट्स वर्सेज टेक्नोलॉजी – एन एजुकेशनल डाइलेमा" विषयक पत्र-प्रस्तुति I
- डी .ए .वी .पी .जी .कॉलेज, वाराणसी द्वारा "नैरेटिवस ऑफ़ फ्रीडम इन इंडियन इंग्लिश लिटरेचर" विषय पर 29-30 अप्रैल 2016 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "द मैजिकल ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ़ म्यूटनेस इनटू वॉइस इन वाल्मीकि'स जूठन" विषयक पत्र-प्रस्तुति I
- भारतीय भाषा केंद्र (हिन्दी-उर्दू), दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया द्वारा 17-18 फरवरी 2017 को "अस्मितामूलक साहित्य का सौंदर्यशास्त्र" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "समकालीन हिन्दी साहित्य का बहुजन परिप्रेक्ष्य" विषय पर विशेष व्याख्यान-प्रस्तुति।

डॉ .अनुज लुगुन

- संस्कृति मंत्रालय, झारखण्ड सरकार द्वारा 29–31 जुलाई 2016 को आयोजित त्रि-दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार 'कथा पावस' में 'कथा में हाशिए का समाज : विशेष संदर्भ – आदिवासी' विषय पर बीज-वक्तव्य की प्रस्तुति।
- 'जल और जमीन से जुडी संवेदना और समकालीन हिंदी साहित्य' विषय पर संत टेरेसा कॉलेज, एर्नाकुलम (केरल) द्वारा 18-19 अगस्त 2016 को आयोजित दो दिवसीय

राष्ट्रीय सेमिनार में भागीदारी एवं "सामाजिक कंसर्न एवं साहित्य में आदिवासी' शीर्षक शोध पत्र की प्रस्तुति।

- 'मुक्तिबोध : सृजन और वैचारिकी का आत्मसंघर्ष' विषय पर काशी हिंदी विश्वविद्यालय, वाराणसी के हिंदी विभाग द्वारा 25-27 फरवरी 2017 को आयोजित त्रि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वंचितों का काव्यात्मक प्रतिरोध और मुक्तिबोध' विषय पर व्याख्यान की प्रस्तुति।

डॉ .कफ़ील अहमद नसीम

- "उर्दू की पैदाइश और पहचान" विश्व उर्दू दिवस के अवसर पर इकरा इंटरनेश्नल स्कूल, मोतिहारी में आयोजित संगोष्ठी में दिनांक-9 अक्टूबर 2016 को आलेख प्रस्तुत।
- "तिलोक चंद महरूम की शायरी में क़ौमी-यक्जेहती" विनोबा भावे विश्वविद्यालय हज़ारिबाघ के उर्दू विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी "उर्दू कविता में राष्ट्रीय एकीकरण" में दिनांक-15 दिसंबर 2016 को आलेख प्रस्तुत।
- राजनीति शास्त्र केंद्र ,सी.यू.एस.बी .द्वारा-19-18 मार्च 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "प्रजातंत्र का अंतर संबंध : अल्प-संख्यक एवं बहु-संख्यक के संदर्भ में" पर आलेख प्रस्तुत।
- पटना विश्वविद्यालय पटना द्वारा दिनांक-25-जनवरी 2017 को आयोजित संगोष्ठी "कैफ़ अज़ीमाबादी:शख्स और शायर" राष्ट्रीय संगोष्ठी में "कैफ़ अज़ीमाबादी की शायरी" पर आलेख प्रस्तुत।
- बिहार उर्दू अकादमी पटना द्वारा आयोजित दिनांक-21 22,मार्च 2017 को आलमी उर्दू कांफ्रेंस में "उर्दू के फरोग में उसकी पैदाइश और वझे तस्मिया का किरदार" पर आलेख प्रस्तुत।
- बज्मे-सदफ़ इंटरनेशनल, पटना द्वारा आयोजित दिनांक 25-24, मार्च 2017 को "सुलतान अख्तर :शख्स और शायर" संगोष्ठी में "अईनाए ऐयाम का ताबिंदा शायर सुलतान अख्तर" आलेख प्रस्तुत।

संकायगण की अन्य उपलब्धियाँ

डॉ .रवीन्द्र कुमार पाठक

- 'चेतांशी' त्रैमासिक पत्रिका (पटना) में भाषा और स्त्री के सम्बन्धों पर 'आधी भाषा' नामक कॉलम-लेखन।

डॉ .कर्मानन्द आर्य

- 'भारतीय जन लेखक संघ 'द्वारा हिन्दी-सेवा के लिए सम्मानित।
- बिहार मंत्रिमंडल सचिवालय ,राजभाषा-विभाग से पांडुलिपि-अनुदान से पुरस्कृत।

डॉ .कफ़ील अहमद नसीम

- 'भगवंत यूनिवर्सिटी'(अजमेर) में 27-28, दिसम्बर 2016 को आयोजित 'एम.फिल. (उर्दू)' की मौखिकी में बाह्य विशेषज्ञ की हैसियत से शामिल।

5. स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस

स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस ने शैक्षणिक सत्र वर्ष 2013-14 से कार्य आरंभ किया है। प्रत्येक प्रोग्राम बीसीआई और यूजीसी के मानदंडों के अनुपालन में डिज़ाइन किया गया है। इसके पाठ्यक्रम की संरचना आधुनिक कानूनी शिक्षा की वैश्विक मांग को पूरा करने के उद्देश्य से की गयी है। असमर्थ वर्गों के हितों की सुरक्षा और विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने के लिए वैधानिक शिक्षा 2008 के अनुपालन में स्कूल ने कानूनी सहायता क्लिनिक की स्थापना की है। यह सभी विद्यार्थियों को मूट कोर्ट (छद्म न्यायालय) और संयुक्त राष्ट्र मॉडल का भी प्रशिक्षण प्रदान करती है। व्यावसायिक मांग को पूरा करने और साथ ही वैयक्तिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए स्कूल गुणवत्तापूर्ण कानूनी शिक्षा प्रदान करने की दिशा में प्रयास कर रहा है। स्कूल का उद्देश्य है, विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक और व्यावहारिक कौशल के साथ आलोचनात्मक विचार का विकास करना और साथ ही विधिज्ञ परिषद और न्यायालय का सदस्य बनने के लिए सक्षम करना।

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	बी.ए.एलएल.बी (ऑनर्स), एलएल.एम
नियमित संकाय	06
केंद्र / विभागाध्यक्ष	प्रो. संजय प्रकाश श्रीवास्तव

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
प्रो. संजय प्र.श्रीवास्त वडीन एवं अध्यक्ष	पीएच.डी	पेटेंट्स लॉ, कॉपीराइट लॉ
डॉ. पवन कुमार मिश्रा सह प्राध्यापक	पीएच.डी	क्रिमिलन लॉ
डॉ. प्रदीप कुमार दास सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी	बिज़नेस लॉ और आईपीआर
सुश्री पूनम कुमारी सहायक प्राध्यापक	एलएल.एम.	ह्युमन राईटस्
श्री देव नारायण सिंह सहायक प्राध्यापक	एलएल.एम.	इंश्योरेंस लॉ, फैमिली लॉ
डॉ. दिगविजय सिंह सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी	इंटरनेशनल लॉ

पुस्तकों/ जर्नल्स में प्रकाशन आदि

डॉ. प्रदीप कुमार दास

- एसिड हमले के शिकारों का एसिड टेस्ट: भारत में कानूनी दृष्टिकोण से एक परिचर्चा; "तुलनात्मक कानून का राष्ट्रीय जर्नल" अ पीयर रीव्यूड रेफ़र्ड नेशनल जर्नल, वॉल्यूम 3, अंक 1, जुलाई, 2016, पृष्ठ संख्या- 85 से 105, आईएसएसएन - 2393-9338 में प्रकाशित हुआ।
- पुस्तक अध्याय - "भारत में कानूनी शिक्षा: नए क्षितिज" डॉ. स्वाती सिन्हा, सहायक प्राध्यापक, कानून विभाग, काजी नज़रूल विश्वविद्यालय, आसनसोल द्वारा संपादित पुस्तक में " टीचिंग एंड लर्निंग द लॉ थ्रू केस स्टडी मेथड ऑफ लॉ टीचिंग : अ क्रिटिकल एनेलाइसिस; , डब्ल्यू. बी., आईएसबीएन- 978-93-80332-85-7, प्रथम संस्करण 2016; प्रकाशक: मानव प्रकाशन, कोलकाता, पृष्ठ 61-69.
- कॉर्पोरेट गवर्नेंस में एजेंसी के मुद्दे: "कंपनी अधिनियम 2013: एक नए युग की शुरुआत" पुस्तक में कानूनी परिप्रेक्ष्य से एक परिचर्चा : ISBN: 978-93-80332-95-6, प्रथम संस्करण 2016; प्रकाशक: मानव प्रकाशन, कोलकाता, पृष्ठ संख्या: 238-248.
- एक संपादित पुस्तक का प्रकाशन - "कंपनी अधिनियम 2013: एक नए युग की शुरुआत", आईएसबीएन: 978-93-80332-95-6, प्रथम संस्करण 2016; प्रकाशक: मानव प्रकाशन, कोलकाता.

डॉ. दिग्विजय सिंह

- देहरादून लॉ रिव्यू, उत्तरांचल विश्वविद्यालय, अंक 8 खंड 1, नवंबर, 2016 में प्रकाशित "भारत में किसानों के लिए बौद्धिक संपदा संरक्षण के प्रति वर्तमान रुझान" शीर्षक वाला पेपर।
- पुस्तक अध्याय - प्रदीप कु. दास (सं.) 'कंपनी अधिनियम, 2013: एक नए युग की शुरुआत' (कोलकाता: मानव प्रकाशन, प्रथम संस्करण, 2016) में प्रकाशित "भारतीय कानून और व्यवहार के बारे में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व: एक विश्लेषण"।

सम्मेलन, कार्यशाला, पाठ्यक्रम आदि

डॉ. प्रदीप कुमार दास

- बोकारो स्टील सिटी कॉलेज, (बोकारो) तथा चास कॉलेज, चास के सहयोग से 08-09 अप्रैल, 2016 के दौरान 'संसाधन उपयोग और झारखंड के क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य के औद्योगिक विकास' पर आयोजित दो दिवसीय यूजीसी प्रायोजित सेमिनार में 'झारखंड और कंपनी अधिनियम 2013 के समावेशी विकास के लिए कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) : एक परिचर्चा' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
- भारतीय कानून आयोग और सीएलईए (एशिया-भारत) के साथ लॉयड लॉ कॉलेज, ग्रेटर नोएडा द्वारा 5-6 नवम्बर, 2016 के दौरान आयोजित 'भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' पर दो दिवसीय सम्मेलन में 'इंटरनेट युग में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
- 23-29 जून 2016 के दौरान यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र, बर्दवान विश्वविद्यालय (डब्लू. बी.) में 'सांप्रदायिक सद्भाव के लिए राष्ट्रीय फाउंडेशन' पर यूजीसी द्वारा प्रायोजित 07 दिनों के शॉर्ट-टर्म कोर्स / कार्यशाला को सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

डॉ. दिग्विजय सिंह

- 13 सितंबर 2016 को आयोजित फेकल्टी ऑफ लॉ, बीएचयू, वाराणसी द्वारा आयोजित 'बाल अधिकार : मुद्दे और चुनौतियां' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बाल श्रम कानून के लिए हालिया संशोधनों का प्रभाव: एक विश्लेषण' प्रस्तुत किया गया।
- 25-26, फरवरी, 2017 के दौरान फेकल्टी ऑफ लॉ, बीएचयू, वाराणसी द्वारा आयोजित 'कौटुंबिक कानून: समकालीन मुद्दे और चुनौतियां' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारत में पारिवारिक विवादों के निपटान में एडीआर तंत्र के साधन' के शीर्षक वाला एक पत्र प्रस्तुत किया।
- सीयूएसबी के सेंटर फॉर पोलिटिकल स्टडीज़ द्वारा 18 -19 मार्च, 2017 के दौरान आयोजित 'भारतीय लोकतंत्र और सह-अस्तित्व के विचार की समझ ' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में ' भारतीय लोकतंत्र की मजबूती में नोटा का योगदान : एक विश्लेषण' शीर्षक पर एक पत्र प्रस्तुत किया ।
- इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट स्टडीज़, एमएचआरडी चेयर, सीयूएसएटी, कोच्चि द्वारा 17 – 24 जून, 2016 के दौरान कानून शिक्षक के लिए आईपी कानून (पेटेंट कानून और विकास) के विकास संबंधी परिप्रेक्ष्य पर आयोजित एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।
- संसदीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित युवा संसद पर एक अभिविन्यास पाठ्यक्रम में भाग लिया।

स्कूल ऑफ मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस

डिपार्टमेंट ऑफ मेथेमेटिक्स | डिपार्टमेंट ऑफ स्टैटिस्टिक्स | डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस

मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स और कंप्यूटर साइंस ने सभी विज्ञानों को परिपूर्ण करके आधुनिक सभ्यता के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्कूल का उद्देश्य है मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स और कंप्यूटर साइंस और साथ ही ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के बीच पारस्परिक विचार से अंत:विषयी शोध में सहायता करना और गुणवत्ता शिक्षा प्रदान करना। इसमें तीन विभाग हैं जिनके नाम हैं, मेथेमेटिक्स विभाग, स्टैटिस्टिक्स विभाग और कंप्यूटर साइंस विभाग। अंत:विषयी दृष्टिकोण की एक नई प्रवृत्ति आरंभ करते हुए स्कूल के अंतर्गत ये तीनों विभाग संबंधित विद्यार्थियों को न केवल शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं बल्कि साथ ही नियमित और विशेष पाठ्यक्रमों के अन्य विषयों में भी शैक्षणिक और तकनीकी मुद्दों को हल करने का उपयुक्त कौशल प्रदान करके सहायता प्रदान करते हैं।

(ए) कंप्यूटर साइंस विभाग

कंप्यूटर साइंस विभाग का लक्ष्य है शोध, शिक्षण और प्रौद्योगिकी विकास में स्थानीय प्रासंगिकता और वैश्विक उत्कृष्टता के लिए अवसर प्रदान करना। विभाग में सुविधासंपन्न वातानुकूलित प्रयोगशाला है जिसमें विद्यार्थियों को सर्वर सहित हाई एंड कंप्यूटर और अपेक्षित सॉफ्टवेयर की कंप्यूटिंग सुविधा उपलब्ध कराई गई है। विभाग में प्रिंटिंग और स्कैनिंग की सुविधा के लिए एक समर्पित प्रिंटर/स्कैनर है। एंड्रॉयड आधारित अनुप्रयोगों के विकास के लिए विभाग में टैबलेट और एंड्रॉयड मोबाइल फोन हैं। बाज़ार और उद्योगों की आवश्यकतानुसार विभाग विभिन्न आकर्षक प्रशिक्षण और कार्यशाला कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एमएससी तथा एम.टेक
नियमित संकाय	5
केंद्र / विभागाध्यक्ष	श्री नेमी चंद्र राठौड़

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
श्री नेमी चंद्र राठौड़ सहायक प्राध्यापक	एम.टेक., पीएच.डी. अध्ययनरत	कंप्यूटर नेटवर्क एंड सेक्यूरिटी
डॉ. प्रभात रंजन सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.	सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग
स्मिता रॉय सहायक प्राध्यापक	एम.टेक., पीएच.डी. अध्ययनरत	इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी
जयनाथ यादव सहायक प्राध्यापक	एम.टेक.	स्पीच प्रोसेसिंग
पीयूष सिंह सहायक प्राध्यापक	एम.सी.ए., पीएच.डी. अध्ययनरत	वेभलेट, इमेज प्रोसेसिंग

पुस्तकों/ जर्नल्स में प्रकाशन आदि

श्री नेमी चन्द्र राठौर

- नेमी चंद्र राठौर, सोमनाथ त्रिपाठी, अ ट्रस्ट - बेस्ड कोलेबोरेटिव एक्सेस कंट्रोल मॉडल विथ पॉलिसी एग्रीगेशन फॉर ऑनलाइन सोशल नेटवर्क, सोशल नेटवर्क एनेलाइसिस एंड माइंस, आईएसएसएन – 1869- 5469. (ई-एससीआई जर्नल).
- रिसर्च पब्लिकेशन - प्रियंका कुमारी, नेमी चन्द्र राठौर, फेसबुक पर सोशल मीडिया ऐप के माध्यम से नकली प्रोफाइल की पहचान, 1-2 जुलाई 2016 को पणजी, गोवा में सतत विकास के लिए आईसीटी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2016 में।

डॉ प्रभात रंजन

- प्रभात रंजन, शिक्षा अग्रवाल एंड आर. राजेश "एफआरबीपीएसओ: अ फ़ूजी रूल बेस्ड बाइनरी पीएसओ फॉर डायमेनसनीलिटी रीडक्सन", प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल

एकेडमी ऑफ साइन्सेज, इंडिया सेक्शन ए: फिजिकल साइंसेज, स्प्रिंगर जर्नल, आईएसएसएन: 2250-1762 (ऑनलाइन) , आईएसएसएन: 0369-8203 (प्रिंट), डीओआई: 10.1007 / एस 40000-017-0347-8, मार्च 2017.

- प्रभात रंजन एंड सुशांत कुमार "कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस तकनीकों का उपयोग सॉफ्टवेयर फॉल्ट डिटेक्शन और भविष्यवाणी के लिए एक व्यापक विश्लेषण", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस रिसर्च, आईएसएसएन: 0973-1873, वॉल्यूम 13, नंबर 1 (2017), पीपी 65-78, मार्च 2017.
- प्रभात रंजन, शिखा अग्रवाल एंड आर. राजेश " डायमेनसनीलिटी रीडक्सन मेथड्स क्लासिकल एंड रीसेंट ट्रेंड्स : अ सर्वे ", नियंत्रण सिद्धांत और अनुप्रयोगों का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, आईएसएसएन: 0974-5572 9(10), पीपी। 4801-4808, सितंबर 2016.
- **सम्मेलन की कार्यवाही -** प्रभात रंजन, धनंजय कुमार एंड पी. पार्थ सारथी, " रेनफाल-रनऑफ मॉडलिंग यूजिंग कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस टेकनीक्स", आईईईई प्रोसिडिंग्स ऑफ इंटरनेशनल कौन्फ्रेंस ऑन एड्वांसेस इन कम्प्यूटिंग, कम्युनिकेशंस एंड इंफॉर्मेटिक्स (आईसीएसीसीआई), जयपुर, भारत, आईएसबीएन 978-1 -5090-2029-4, सितंबर 21-24, 2016.
- प्रभात रंजन, गौतम कुमार, पी. पार्थ सारथी, एंड सुशांत कुमार " सैटेलाइट इमेज क्लस्टरिंग एंड ऑप्टिमाइजेशन यूजिंग के-मीन्स एंड पीएसओ", आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स. इंटेलिजेंट कंट्रोल एंड एनर्जी सिस्टम्स (आईसीपीईईईईईएस-2016), आईएसबीएन 978- 1-4673-8587-9, 4-6 जुलाई, 2016.
- प्रभात रंजन और अब्दुल्ला इमरान " इम्प्रूव्ड एप्रिओररी एल्गोरिदम यूजिंग पावर सेट ऑन हडूप", स्प्रिंगर प्रोसिडिंग्स ऑफ़ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस एंड इंफॉर्मेटिक्स (आईसीसीआई -2016), जेएनटीयू हैदराबाद, आईएसबीएन 978-981-10-2471-9, मई 28-30, 2016.
- प्रभात रंजन, एंड आशीष रंजन " टू फेज एन्ट्रॉपी बेस्ड अप्रोच बिग डेटा एनोनीमाइजेसन", आईईईई प्रोसिडिंग्स ऑफ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्प्यूटिंग, कम्युनिकेशन एंड ऑटोमेशन (आईसीसीसीए -2016), ग्रेटर नोएडा, भारत, आईएसबीएन 978-1-5090 -1666-2, अप्रैल 29 -30, 2016.
- प्रभात रंजन, गौतम कुमार, पी. पार्थ सारथी एंड आर. राजेश. " परफ़ोर्मेंस ऑफ के-मीन्स बेस्ड सैटेलाइट इमेज क्लस्टरिंग इन आरजीबी एंड एचएसवी कलर स्पेस" इन्टरनेशनल कौन्फ्रेंस ऑन इन्फ़ौर्मेशन टेक्नॉलॉजी (आईसीआरटीआईटी 2016), चेन्नई, भारत, आईएसबीएन 978-1-4673-9802-2 अप्रैल, 8-9, 2016.

सुश्री स्मिता रॉय

- **सम्मेलन में सार -** "सीआरडीटी: कोरिलेसन रेसीओ बेस्ड डीसीजन ट्री मौडल फॉर हेल्थकेयर डाटा माइनिंग",जैव सूचना विज्ञान और जैव-अभियांत्रिकी (आईईईई बीआईबीई 2016) पर आईईईई 16वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ताइचुंग, ताइवान, पीपी. 36-43, अक्टूबर- नवम्बर 2016. स्मिता राय, सम्राट मंडल, असिफ इकबाल, मौनेंद्र शंकर देशरकर द्वारा।.

श्री पीयूष कुमार सिंह

- ऋषि राज, पी.के. सिंह, आर.एस. सिंह, " मल्टी- इमेज एनक्रिप्शन यूजिंग जेनेटिक कंप्यूटेशन" इन सीएसआई ट्रांजेक्संस ऑन आईसीटी आईएससी (सीएसआईटी) बाय स्प्रिंगर (आईएसएसएन: 2277- 986).
- **सम्मेलन में सार -** सार, शीर्षक " मल्टी- इमेज एनक्रिप्शन यूजिंग जेनेटिक कंप्यूटेशन", साइंस, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी (REDSET 2016) में हालिया विकास पर तीसरे इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में प्रस्तुत किया गया, एक्सेल इंडिया पब्लिशर, नई दिल्ली द्वारा बुक ऑफ एब्सट्रैक्ट्स में प्रकाशित, नंबर 09 (आईएसबीएन: 978-93-86256-09-6).

सम्मेलन, कार्यशाला, पाठ्यक्रम आदि

श्री नेमी चन्द्र राठौर

- 12-16 जनवरी, 2016 के बीच आईआईटी पटना द्वारा आयोजित जिआन कोर्सेस ऑन इंटरनेट ऑफ थींग्स में भाग लिया।

डॉ प्रभात रंजन

- 27 फरवरी से मार्च 19, 2017 के बीच यूजीसी एचआरडीसी सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट, गुजरात द्वारा आयोजित आईसीटी (आईडी) में एक रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया।.

श्री पीयूष कुमार सिंह

- जी डी गोयनका विश्वविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा आयोजित विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी (आरईडीएसईटी 2016) में हालिया विकास पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और पेपर प्रस्तुत किया ।

(बी) डिपार्टमेंट ऑफ मैथेमेटिक्स

डिपार्टमेंट की शुरुआत इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए की गई थी कि ये मैथेमेटिक्स तथा साइंस के मूल तथा अनुप्रयोगात्मक साइंस की सह शाखाओं के क्षेत्र में शिक्षण और शोध कार्यो को आरंभ कर प्रशिक्षित मानवशक्ति प्रदान करेगा। डिपार्टमेंट वर्तमान में फाउन्डेशनल, कोर एवं विशिष्ट पाठ्यक्रमों के सम्मिश्रण को संचालित करने में समर्थन/ सहायता कर रहा है। पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्र को रचनात्मक सोच के लिए अपने कौशल, गणित के सभी बुनियादी क्षेत्रों में और गणित विषय में व्यावसायिक दक्षता प्राप्त करने के लिए और समस्या को हल करने की बुनियादी अवधारणाओं को समझने में प्रशिक्षित करना है। पाठ्यक्रम को इस तरह डिजाइन किया गया है कि छात्र संकाय और विश्वविद्यालय के सामान्य वातावरण के सक्षम मार्गदर्शन के तहत विषय को एक व्यवस्थित ढंग से जानने के लिए सक्षम हो जाएं। पाठ्यक्रम के सफल समापन के बाद छात्र के लिए कई अवसर उपलब्ध हैं। विभाग के पास एक कंप्यूटर प्रयोगशाला है जो गणित के लिए आवश्यक सभी गणना की सुविधा के साथ सुसज्जित है।

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एमएससी तथा पीएचडी
नियमित संकाय	6
केंद्र / विभागाध्यक्ष	डा. हरे कृष्ण निगम

पुस्तकों/ जर्नल्स में प्रकाशन आदि

डॉ. शुभ नारायण सिंह

- शुभ एन सिंह और कंदुरु वी. कृष्ण. द होलोनोमी डिकम्पोजीशन ऑफ सम सर्कुलर सेमी – फ्लावर औटोमेटा, एक्टा साइबरनेटिका, 22 (4), 791--805, 2016.
- सम्मेलन में भागीदारी - 17-18 फरवरी, 2017 के दौरान गणित विभाग, विज्ञान संस्थान, बीएचयू, वाराणसी द्वारा आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस में " टूवर्ड्स होलोनोमी डिकम्पोजीशन ऑफ सम सर्कुलर सेमी – फ्लावर औटोमेटा" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।.

(सी) स्टैटिस्टिक्स विभाग

मूल और अंत:विषयी स्टैटिस्टिक्स के क्षेत्र में कैरियर बनाने वाले विद्यार्थियों को स्टैटिस्टिक्स विभाग एक जीवंत और रचनात्मक शिक्षण का वातावरण प्रदान करता है। विभाग की शैक्षणिक गतिविधियां मौलिक अवधारणाओं को अच्छी तरह से समझने और जीवन की वास्तविक समस्याओं को सुलझाने की विश्लेषणात्मक क्षमता के विकास पर जोर देता है। यह विद्यार्थियों को विकास के लिए आवश्यक, पाठ्येतर और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में संलग्न होने के लिए समूह की भावना से पोषित करता है और संगठनात्मक कौशल विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। विभाग में कक्षा शिक्षण ट्यूटोरियल द्वारा समर्थित है और विद्यार्थियों की प्रगति के आकलन के लिए सतत मूल्यांकन प्रणाली अपनाई गई है। एक सुविधा संपन्न कंप्यूटर प्रयोगशाला उपलब्ध है जिसमें हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्शन और सॉफ्टवेयर की सुविधा है जिसमें मिनीटैब, एसपीएसएसआर, मैटलैब और आईबीएम डेटा मॉडलर की सुविधा उपलब्ध है। .

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
प्रो. अरुण कुमार सिन्हा डीन एवं अध्यक्ष	पीएच.डी.	सर्वे सैंपलिंग : थ्योरी एंड मेथडस्
डॉ. रिचा वत्स सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.	बायेसियन स्टैटिस्टिकल मॉडेलिंग
डॉ. मुकेश कुमार सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.	सैंपलिंग थ्योरी

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
डा. हरे कृष्ण निगम सह प्राध्यापक, मैथ्स	पीएचडी	एप्रोक्सिमेशन थ्योरी, फुरीयर एनेलाइसिस
डा. राजेश प्रताप सिंह सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	फिनाइट फील्ड्स एंड क्रिप्टोग्राफी
डा. विवेक कुमार जैन सहायक प्राध्यापक	डी.फिल	ग्रुप थ्योरी
डा. शुभ नारायण सिंह सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	अल्जेब्रिक औटोमेटा थ्योरी
डा. रौशन कुमार सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	एप्लाइड मेथेमेटिक्स
डा. पंकज मिश्रा सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	फ्लियूड डायनेमिक्स

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एमएससी तथा पीएचडी
नियमित संकाय	3
केंद्र / विभागाध्यक्ष	प्रो. अरुण कुमार सिन्हा

पुस्तकों/ जर्नल्स में प्रकाशन आदि

प्रो. अरुण कुमार सिन्हा

- पुस्तक - गणित, सांख्यिकी और कंप्यूटर विज्ञान में हालिया प्रगति आर. राजेश, प्रभात रंजन और राजेश पी. सिंह के साथ संपादित और विश्व वैज्ञानिक प्रकाशन कंपनी प्रा. लिमिटेड, सिंगापुर द्वारा प्रकाशित।
- रिसर्च पेपर्स - निम्नलिखित शीर्षकों पर पर " गणित, सांख्यिकी और कम्प्यूटर साइंस में हालिया प्रगति" में प्रकाशित;
- 'रैंकेड सेट सैंपलिंग के आधार पर सांख्यिकीय गुणवत्ता नियंत्रण तकनीकों पर' (एमडी सरवर आलम और रहबर अली के साथ)
- 'स्कैन आँकड़े तरीकों का उपयोग करते हुए गरीबी विश्लेषण' (मुकेश कुमार के साथ)
- 'भारत में पोलियो उन्मूलन के लिए एएफपी निगरानी रणनीति का स्थानिक विश्लेषण' (पंकज श्रीवास्तव के साथ)
- 'न्यूनतम सूचना का उपयोग कर शहरी आबादी का आकलन करने' पर (विजय कुमार और रवि बी पी वर्मा के साथ)
- 'रेखीय प्रतिगमन आकलन के साथ रैंकेड सेट सैंपलिंग के प्रदर्शन की तुलना' (रहबर अली के साथ)।

डॉ. रिचा वत्स

- 'अवधारणाओं, विवाद और पी-वैल्यू की सत्यता' पर (अरुण कुमार सिन्हा के साथ) पटना विज्ञान महाविद्यालय का जर्नल (जेपीएससी, आईएसएसएन 2347- 9 604), 4, 121-126(2016)।

सम्मेलन, कार्यशाला, पाठ्यक्रम आदि

प्रो. अरुण कुमार सिन्हा

- पटना में मई 2016 में बिहार सरकार के लोक प्रशासन और ग्रामीण विकास संस्थान (बीआईपीआरडी) में सांख्यिकीय तरीकों पर आमंत्रित व्याख्यानों की एक श्रृंखला को प्रस्तुत किया।
- 19 -21, नवंबर 2016 के दौरान पटना विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग, पटना विश्वविद्यालय में एसपीएसएस के साथ सीखने की सांख्यिकीय तकनीकों पर राष्ट्रीय कार्यशाला में ओर्गेनाइजिंग एंड विज़ुअलाइजिंग डेटा पर व्याख्यान दिया।
- दिसंबर 07-11, 2016 के दौरान सीएसआईआर-राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली में आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 2016 में सह-लेखक डॉ. मुकेश कुमार के साथ 'कुछ संज्ञानात्मक रोगों की पहुँच की पहचान का पता लगाने पर' एक संयुक्त पत्र पेश किया।
- दिसंबर 07-11, 2016 के दौरान सीएसआईआर-राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली में आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 2016 में सह-लेखक डा. पंकज श्रीवास्तव के साथ 'भारत में काला-अजार उन्मूलन रणनीति में शासनात्मक चुनौतियां' शीर्षक से एक संयुक्त पत्र प्रस्तुत किया।
- दिसंबर 07-11, 2016 के दौरान सीएसआईआर-राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली में आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 2016 में डॉ. विजय कुमार के साथ (सह-लेखक), ' एस्टीमेटिंग अंडरगेटिंग एग्रीकल्चरल यील्ड्स मोर एक्यूरेटली व्हेन ग्रोन अंडरग्राउंड' के साथ एक संयुक्त पत्र प्रस्तुत किया।
- मार्च 03-04, 2017 के दौरान सीयूएसबी में आयोजित 'एक सशक्त नकदहीन अर्थव्यवस्था के निर्माण में मीडिया की भूमिका' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में (डॉ. ऋचा वत्स और डॉ. मुकेश कुमार के साथ तैयार) ' नकद रहित अर्थव्यवस्था में मीडिया एक माध्यम' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।.

डॉ. रिचा वत्स

- 19 -22 नवंबर, 2016 के दौरान पटना विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित 'एसपीएसएस के साथ सांख्यिकीय तकनीक शिक्षण ' पर राष्ट्रीय कार्यशाला में लेटेक्स प्रोग्रामिंग पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 13, 24 और 31 मई 2016 को पटना में बिहार सरकार के लोक प्रशासन और ग्रामीण विकास संस्थान (बीआईपीआरडी) में 'मूल सांख्यिकी', 'केन्द्रीय प्रवृत्ति के उपायों', पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।.

डॉ. मुकेश कुमार

- जून 01- 06, 2016 के दौरान विनोद गुप्ता स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, आईआईटी, खड़गपुर द्वारा आयोजित 'मल्टीवेरिएट डाटा विश्लेषण पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम' में भाग लिया।
- पोस्टर प्रस्तुति शीर्षक " 'कुछ संज्ञानात्मक रोगों की पहुँच की पहचान का पता लगाने पर ' इंडियन इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल (आईआईएसएफ) -यंग वैज्ञानिकों के सम्मेलन (वाईएससी), नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी, नई दिल्ली द्वारा 8-11 दिसंबर, 2016 को आयोजित (एब्सट्रेट आईडी: SWAS_63)।

7. स्कूल ऑफ मीडिया, आर्टस् एंड एस्थेटिक्स

मानव जीवन कला और सौंदर्यशास्त्र तत्वों से पोषित है और मानव संचार का केंद्र मीडिया है। इस संदर्भ में मीडिया, आर्टस् और एस्थेटिक्स मानव जीवन के अभिन्न अंग हैं। जहां तक मानव जीवन के पूरे विकास का संबंध है, जीवन के इन पहलुओं का शैक्षणिक अध्ययन महत्वपूर्ण है। स्कूल ऑफ मीडिया, आर्टस् एंड एस्थेटिक्स में शिक्षण, प्रशिक्षण और शोध का लक्ष्य है शैक्षणिक आश्यकताओं को पूरा करना, व्यावहारिक पहलू और भविष्य संबंधी विचारों और जीवन के आदर्शों का निर्माण करना। स्कूल की स्थापना के पीछे मूल विचार है विभिन्न, मीडिया, संस्कृति और कला रूपों को एक साथ संगठित करके एक उच्च स्तर का प्रोग्राम विकसित करना। स्कूल की प्रकृति अंत:विषयी है जो विद्यार्थियों के ज्ञान और समझ के क्षेत्र को विस्तारित करता है। इसके अलावा स्कूल विद्यार्थियों को गहन औद्योगिक प्रशिक्षण मोड्यूल के साथ मीडिया, आर्टस् और एस्थेटिक्स के विभिन्न रूपों का व्यावहारिक ज्ञान भी प्रदान करता है।

सेंटर फॉर मास कम्युनिकेशन एंड मीडिया स्टडीज़

हमेशा विस्तार की ओर बढ़ते हुए मास मीडिया के क्षेत्र ने मल्टी-टास्किंग और मल्टी-टैलेंटेड मीडिया व्यावसायियों की आवश्यकताओं को हमेशा सक्षमता प्रदान किया है। जहां सीयूएसबी का उद्देश्य हमेशा उच्च शैक्षणिक मानकों, पाठ्येतर गतिविधियों और नए शोधों, सेमिनारों, इत्यादि से संबंधित है, वहीं इसका सेंटर फॉर मास कम्युनिकेशन एंड मीडिया (सीएमएस) विद्यार्थियों को व्यावहारिक कौशल विकसित करने, औद्योगिक विशेषज्ञों से बातचीत और अन्य संस्थाओं और पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों से विचारों का आदान-प्रदान करने में सक्षम बनाता है। ये सभी और इसके अतिरिक्त सीएमएस की अन्य गतिविधियां भी बेहतरीन विचारों, शीर्ष स्तरीय शैक्षणिक मानकों और सर्वोत्तम वर्ग की सुविधाओं का एक सम्मिश्रण स्थापित करती है। विद्यार्थियों में मीडिया की समझ की वृद्धि के लिए सीएमएस विभिन्न नए शैक्षणिक गतिविधियों के साथ प्रयोग करने के लिए अभ्यस्त है।

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एम.ए. तथा पीएच.डी
नियमित संकाय	5
केंद्र / विभागाध्यक्ष	प्रो. तेज बहादुर सिंह

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
डॉ. आतिश पराशर सह प्राध्यापक	पीएच.डी.	एडवरटाइजिंग, पब्लिक रिलेशन, न्यू मीडिया
डॉ. किंशुक पाठक सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.	प्रिंट जर्नलिज़म, मीडिया लॉ एंड एथिक्स
श्री सुजीत कुमार सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.	कम्युनिकेशन टेकनोलॉजी
डॉ. अनिंद्य देव सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.	मीडिया रिसर्च न्यू मीडिया
डॉ. रवि सूर्यवंशी सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.	टी.वी. एंड वीडियो प्रोडक्शन

पुस्तकों/ जर्नल्स में प्रकाशन आदि

डॉ. अतीश पराशर

- पुस्तक अध्याय – रोड मैप टू केशलेस इकोनोमी : व्हाट वी एक्स्पेक्ट फ्रॉम रीजनल मीडिया. अ केस स्टडी।

डॉ. सुजीत कुमार

- पुस्तक अध्याय – "कैशलेस अर्थव्यवस्था के लिए पटना के युवाओं की तकनीकी योग्यता" शीर्षक पुस्तक मीडिया एज मीडियम टुवड्र्स केशलेस इकोनोमी।

सम्मेलन, कार्यशाला, पाठ्यक्रम आदि

डॉ. अतीश पराशर

- 19 दिसंबर, 2016 को जनसंचार विभाग, पटना कॉलेज, पटना विश्वविद्यालय में ' नौसिखियों के लिए मीडिया में अवसर और चुनौतियां' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।
- असम सेंट्रल यूनिवर्सिटी, सिलचर में 10 फरवरी, 2017 को यूजीसी प्रायोजित 'स्किल डेवलपमेंट एंड यूथ: नॉर्थ ईस्ट इंडिया में संभावनाएं और चुनौतियां' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "उच्च शिक्षा के साथ कौशल का एकीकरण समय की मांग" (प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया) तथा 'स्किल डेवलपमेंट एंड यूथ: नॉर्थ ईस्ट इंडिया में संभावनाएं और चुनौतियां' विषय पर एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता भी की।

डॉ. किन्शुक पाठक

- मानव संसाधन विकास केंद्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 18 – 28 जून, 2016 के दौरान 5वें स्पेशल समर स्कूल में भाग लिया।
- 8 से 11 सितंबर, 2016 को भारत निवास केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित पांचवें ईस्ट-वेस्ट-सेंटर इंटरनेशनल मीडिया सम्मेलन "दक्षिण एशिया पूर्व की ओर देखो" में भाग लिया।
- 11-13 नवंबर, 2016 के दौरान सारनाथ, वाराणसी में भारत की महा बोधी सोसाइटी द्वारा आयोजित 'पाली और बौद्ध धर्म' नामक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'महान कम्युनिकेटर बुद्ध और उनके संदेश' पर एक की नोट स्पीकर के रूप में व्याख्यान दिया।

डॉ. सुजीत कुमार

- सीएमएस, सीयूएसबी द्वारा 3-4 मार्च, 2017 के दौरान आयोजित 'मीडिया एज मीडियम टुवड्र्स केशलेस इकोनोमी' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ऑनलाइन वित्तीय लेनदेन के लिए पटना के युवाओं की तकनीकी योग्यता' नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

- सेंटर फॉर सोशियोलोजिकल साइंस, सीयूएसबी द्वारा 24-26 मार्च, 2017 के दौरान आयोजित 'मनोवैज्ञानिक विज्ञान: वर्तमान परिप्रेक्ष्य और प्रैक्टिस, प्रशिक्षण और अनुसंधान के उभरते क्षेत्र ' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में ' आभासी पहचान के पीछे 'ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं की संतुष्टि पर एक अध्ययन' की आवश्यकता' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।.

डॉ. अनिन्द्य देब

- 16-22 मार्च, 2017 के दौरान हैदराबाद विश्वविद्यालय में यूनेस्को द्वारा प्रायोजित "टीचिंग एंड रिसर्चिंग कम्युनिटी मीडिया" नामक 7-दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।.

डॉ. रवि सूर्यवंशी

- मास कम्युनिकेशन विभाग, एमजीएएच विश्वविद्यालय, वर्धा और पत्रकारिता विभाग, एमजी काशी विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा ' संचार माध्यमों की भाषा और वैश्विक हिन्दी' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ' समसामयिक बॉलीवुड फिल्में और हिंदी भाषा' शीर्षक पर एक नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।
- सीएमएस, सीयूएसबी द्वारा 3-4 मार्च, 2017 के दौरान आयोजित 'मीडिया एज मीडियम टुवर्ड्स केशलेस इकोनोमी' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में ' प्रिंट मीडिया में डिजिटल बैंकिंग साक्षरता का कवरेज' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- सेंटर फॉर सोशियोलोजिकल साइंस, सीयूएसबी द्वारा 24-26 मार्च, 2017 के दौरान आयोजित 'मनोवैज्ञानिक विज्ञान: वर्तमान परिप्रेक्ष्य और प्रैक्टिस, प्रशिक्षण और अनुसंधान के उभरते क्षेत्र ' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में ' भोजपुरी सिनेमा की कथावस्तु का नक्शा और दर्शक पर इसके प्रभाव' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।.

8. स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड पॉलिसी

स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड पॉलिसी

- सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज़
- सेंटर फॉर इकोनॉमिक स्टडीज़ एंड पॉलिसीज़
- सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज
- सेंटर फॉर सोशियोलॉजिकल स्टडीज

स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड पॉलिसी विभिन्न विषयों के सामंजस्य का प्रतीक है जिसकी प्रासंगिकता मानव व्यवहार को एकीकृत रूपरेखा के अंतर्गत समझने और विश्लेषित करने में है। इस स्कूल में चार विभाग हैं जिनके नाम हैं – सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज़, सेंटर फॉर इकोनॉमिक स्टडीज़ एंड पॉलिसी, सेंटर फॉर सोशियोलॉजिकल स्टडीज़ और सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज़। विद्यार्थी को एक सही इंसान और साथ ही एक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक आदमी बनाने के लिए और विभिन्न विषयों को परस्पर संबद्ध करते हुए सामाजिक मुद्दों को समग्र रूप से समझने के लिए ये निरंतर अपने शिक्षण कार्य और अनुभवजन्य शोध को सम्मिलित करने का प्रयास करता है।

(ए) सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज़

सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज़ (सीडीएस) का एक बहु-विषयी सेंटर के रूप में उद्देश्य है विद्यार्थियों में आलोचनात्मक, विश्लेषणात्मक और प्रायोगिक कौशल का विकास करना जिसे वे भविष्य में शिक्षाविदों या विकसित व्यावसायियों के रूप में उपयोग करते हैं। यह विद्यार्थियों को ज्ञान (सैद्धांतिक पहलुओं और दृष्टिकोणों) के एक प्रासंगिक क्षेत्र को आलोचनात्मक रूप से परीक्षण करने का अवसर प्रदान करता है। शैक्षणिक प्रोग्राम्स विकास प्रक्रिया के सामाजिक, सांस्कृतिक, इकोलॉजिकल, राजनीतिक और आर्थिक घटकों के व्यावहारिक समझ और पारस्परिक क्रियाओं में वृद्धि करता है जो रचनात्मक विकास के अनुचित परिणामों से निपटने के लिए आवश्यक है। .

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
डॉ. समापिका मोहापात्रा सह प्राध्यापक	पीएच.डी.	सोशियोलॉजी ऑफ स्पोर्टस्, जेंडर स्टडीज़
डॉ. अंजु हेलेन बारा सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.	पॉलिटिकल साइंस, पॉलिटिकल इकोलॉजी
डॉ. फिरदौस फातिमा रिज़वी, सहा. प्राध्या.	पीएच.डी.	एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स
अहम्मेदुल कबीर एपी सहायक प्राध्यापक	एम.फिल., पीएच.डी. अध्ययनरत	सोशियोलॉजी ऑफ डेवलपमेंट
श्री आदित्य मोहंती सहायक प्राध्यापक	एम.ए.	अध्ययन अवकाश पर

पुस्तकों/ जर्नल्स में प्रकाशन आदि

डॉ. अंजु हेलेन बारा

- **पुस्तक अध्याय -** अंजू हेलेन बारा, 2017, प्रो. एम. सी. बेहरा द्वारा संपादित पुस्तक, भारत में जनजाति और मानवविज्ञान, मनोहर प्रेस, नई दिल्ली में "डेकोलोनाइजिंग ट्राइबल्स ", (आनेवाली) ।
- **सम्मेलन में सार -** "झारखंड में पीईएसए के शासन की एक महत्वपूर्ण जांच" नामक सम्मेलन की कार्यवाही, एनआईआरडी हैदराबाद ।

सम्मेलन, कार्यशाला, पाठ्यक्रम आदि

डॉ. समापिका मोहापात्रा

- 4-5 मार्च, 2017 को ' ग्रामीण लचीलापन को बढ़ावा देने के लिए विद्यार्थियों की सहभागिता ' पर एनसीआरआई-सीयूएसबी कार्यशाला को आयोजित किया और प्रतिभागिता की।

डॉ. अंजु हेलेन बारा

- 18 – 19 जनवरी, 2017 के दौरान दिल्ली में अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 'भारत में डेवलपमेंट स्टडीज का अध्ययन करना ' आयोजित वार्तालाप में 'भारत में डेवलपमेंट स्टडीज के शिक्षण और शिक्षा की चुनौतियां' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 18 - 19 नवंबर, 2016 को एनआईआरडी, हैदराबाद में " भारत में आदिवासियों का शासन, संसाधन और जीवनी : ' पीईएसए और एफआरए का कार्यान्वयन'" पर आयोजित वार्तालाप में 'झारखंड में पीईएसए के शासन की एक महत्वपूर्ण जांच' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- नानजिंग इंस्टीट्यूट ऑफ जियोग्राफी एंड लिम्नोलॉजी, चीनी एकेडमी ऑफ साइंसेस, नानजिंग, चीन द्वारा 22-23 सितंबर, 2016 के दौरान एशिया में ऊर्जा परिवर्तन - एक शोध और नीति एजेंडा की ओर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सौर लैंप के साथ गांवों को प्रकाश देना': भारत में विकास और ऊर्जा संसाधन का एक वैकल्पिक स्रोत " शीर्षक पर एक पेपर को स्वीकार किया गया।
- 30 जून से 2 जुलाई, 2016 के दौरान आईसीएआरयूएस, हैदराबाद के इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस में आयोजित 5वें वैश्विक सम्मेलन में, 'नियम और नियंत्रण के दिनानुनदीन अभ्यासों के माध्यम से राज्य की कल्पना' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 9 जून, 2016 को नीदरलैंड के लीडेन विश्वविद्यालय में आयोजित वेस्ट इन एशिया सम्मेलन में "पुनर्नवीनीकरण अपशिष्ट: भारत में अपशिष्ट प्रबंधन का एक सांस्कृतिक आयाम" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. फिरदौस फातिमा रिजवी

- सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज, स्कूल ऑफ़ सोशल साइंसेज एंड पालिसी, सीयूएसबी द्वारा 30 -31 मार्च 2017 के दौरान 'समान नागरिक संहिता की आवश्यकताओं' पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में "समान नागरिक संहिता: पहचान के लिए ग्रे क्षेत्र" नामक पेपर प्रस्तुत किया।
- सेंटर फॉर इकोनोमिक स्टडीज, सीयूएसबी, गया में 'शिक्षा और स्वास्थ्य पर भारत के बजट आवंटन' पर एक वार्ता प्रस्तुत की ।

श्री अहमदुल कबीर एपी

- एन् सिन्हा इंस्टीट्यूट डेवलपमेंट स्टडिज, पटना द्वारा फरवरी 24-25, 2017 के दौरान " संसक्त विकास: एक वैकल्पिक प्रतिमान" पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया ।

संकाय उपलब्धियां / गतिविधियाँ

डॉ. समापिका मोहापात्रा

- आईएसएस (भारतीय समाजशास्त्रीय सोसाइटी), एक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त शैक्षिक निकाय में अनुसंधान समिति के संयोजक / तदर्थ समूह -2 (सोशियोलोजी ऑफ़ स्पोट्र्स) के रूप में नामांकित ।
- मार्च 2017 में सीयूएसबी के साथ एनसीआरआई (एमएचआरडी, भारत सरकार, हैदराबाद) के शैक्षणिक गतिविधियों के लिए 'नोडल अधिकारी' के रूप में नामांकित किया गया। एमओयू के अनुसार, एनसीआरआई को फेलोशिप (4 साल) के लिए 3 लाख रुपये (सालाना) जारी करना है (पहले से जारी) जिसके द्वारा सीयूएसबी के एक शोधकर्ता विद्वान को ग्रामीण अध्ययन के क्षेत्र में अपनी पीएचडी अध्ययन करना होगा ।

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एमए
नियमित संकाय	5
केंद्र / विभागाध्यक्ष	डॉ. समापिका मोहापात्रा

(बी) सेंटर फॉर इकोनॉमिक स्टडीज़ एंड पॉलिसीज़

सेंटर शैक्षणिक संलग्नता को एक अलग दृष्टि से देखता है। अर्थशास्त्र के बुनियादी सिद्धांतों के शिक्षण पर ध्यान केंद्रित रखते हुए भी यह सेंटर सिद्धांत एवं व्यवहार दोनों क्षेत्रों में नए ज्ञान-मीमांसा की तलाश में है। यह अपने पाठ्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के सात्विक विचारों से अर्थशास्त्र के क्षेत्र में पड़ने वाले प्रभावों द्वारा सुधार लाने पर अपना ध्यान केंद्रित करता है। अर्थशास्त्र के क्षेत्र में विविधतापूर्ण ज्ञान और समाज एवं राजनीति पर इसके प्रभाव शोध के अवलोकन में चयन के लिए मौलिक स्त्रोत उपलब्ध कराते हैं। यह संकाय एवं विद्यार्थियों की रचनात्मक लालसाओं का पोषण करता है और भविष्य के अध्ययन हेतु वर्तमान सिद्धांतों एवं क्रियाओं हेतु एक विकासशील आलोकों का एक फोरम प्रदान करता है। ऐसा करते हुए, यह स्थानीय उप-क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सभी स्तरों पर उदीयमान सैद्धांतिक अभ्यर्थना को संदर्भित करता है। यह शिक्षण और शोध के अन्य संस्थानों के सहयोग से स्वयं को एक अनूठे अध्ययन केंद्र के रूप में विकसित होने का लक्ष्य रखता है।

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एमए तथा पीएचडी
नियमित संकाय	5
अनुबंधित संकाय	1
केंद्र / विभागाध्यक्ष	प्रो. शंकर कुमार भौमिक

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
प्रो. शंकर कुमार भौमिक प्राध्यापक	पीएच.डी.	इकोनोमेट्रिक्स, एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, इंडियन इकॉनोमिक डेवलपमेंट
डॉ. अबोध कुमार सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.	माइक्रोइकोनॉमिक्स, मैक्रोइकॉनॉमिक्स, डेव. इकोनॉमिक्स
श्री अतीश कुमार दास सहायक प्राध्यापक	एम.फिल.	फाइनैंशियल/एप्लाइड इकोनोमेट्रिक्स, मेज़रमेंट इश्यूज इन पावर्टी
डॉ. तोफन पात्रा सहायक प्राध्यापक (संविदागत)	पीएच.डी.	माइक्रोइकोनॉमिक्स, इकोनोमेट्रिक्स, इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स
डॉ. रिकिल चिरमॉन्ग सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.	डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स
डॉ. संजय कुमार सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.	डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स

पुस्तकों/ जर्नल्स में प्रकाशन आदि

डा. अतीश कुमार दास

- जो, विलियम, अतीश कुमार दास एंड प्रदीप अग्रवाल. "जनसांख्यिकीय परिवर्तन, चीन और भारत में बचत और आर्थिक विकास" प्रदीप अग्रवाल (ईडी) में, भारत में निरंतर उच्च विकास, अध्याय 13, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, (आनेवाला)।

डॉ. तोफन पात्रा

- पात्रा, टी. एंड जे. मनोहर राव (2016), "टेक्नोलॉजी ऐडप्शन एंड ग्रोथ ऑफ फार्म्स फॉर पोस्ट लिबरलाइजेशन: ए स्टडी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री", जर्नल ऑफ़ एप्लाइड इकोनॉमिक्स एंड बिज़नेस रिसर्च, वॉल्यूम.6, नं. 3, पीपी .176- 193.
- पात्रा, टी. एंड जे. मनोहर राव (2017), "भारत में ऑटोमोबाइल डिमांड पर मैक्रोइकोनोमिक कारक का प्रभाव", अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र जर्नल, वॉल्यूम 8, नंबर 1, पीपी 9 7-113 (आगामी).

डा. रिकील चिरमांग

- पुस्तक अध्याय – रिकील चिरमांग (2016), नार्थ ईस्ट में आंतरिक प्रवासन में, दीपक के मिश्रा (एड.), समकालीन भारत में आंतरिक प्रवासन (अध्याय 5), पीपी 96-153, ऋषि प्रकाशन, नई दिल्ली, आईएसबीएन नं: 9789351508588. (एस इरुदया राजन के साथ).
- रिकील चिरमांग (2016), एफ.पदोवानी और माइकल एम.सीर्निया (एड.), में 'भारत में आंतरिक प्रवासन: राजनीतिक और प्रशासनिक संगठन से निपटना' , भारत और चीन में विकास प्रेरित विस्थापन: एक तुलनात्मक रूप से उधार के विकास (भाग II-अध्याय 4), पीपी.65-88, लेक्सिंगटन बुक्स, न्यूयॉर्क, आईएसबीएन संख्या: 978-1-4985-2903-7 (एस. इरुदया राजन और विजय कोररा के साथ).
- रिकील चिरमांग (2017), एस. इरुदया राजन (एड.), इंडिया माइग्रेशन रीडर, (अध्याय 8), पीपी.141-147, रूटलेज, न्यू यॉर्क, आईएसबीएन नंबर: 978-1-1 में संघर्ष और प्रवास की राजनीति। 138-21962-5. (एस. इरुदया राजन और विजय कोररा के साथ).
- रिकील चिरमांग (2017), असम में क्रॉस-बॉर्डर प्रवासन और संघर्ष, एस. इरुदया राजन (एड.) में, भारत प्रवासन रिपोर्ट 2016: गल्फ माइग्रेशन (अध्याय 18), पीपी.262-280, रूटलेज, न्यूयॉर्क, आईएसबीएन नं : 978-1-138-28280-3.
- रिकील चिरमांग (2017), फोरम्स फॉर कॉन्फ्लिक्ट रेज़ोल्यूशन इन जयंतिया ट्राईबल कम्युनिटी ऑन लैंड रिसोर्सेज, मैलविल परेरा, बिटोपी दत्ता एंड बिनिता ककाती (एड.), लीगल प्लूरलिज्म एंड इंडियन डेमोक्रेसी: ट्राइबेल कॉनफ्लिक्ट रिज़ोल्यूशन सिस्टम इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया, न्यू यॉर्क , रूटलेज आईएसबीएन: 978-11-38230-78- 9

➢ रिकील चिरमांग (2017), उत्तर पूर्व भारत में उन्नति और विकास, नवल के. पासवान (एड.) अध्याय 4, उत्तर पूर्व भारत: संघर्ष और विकास गतिशीलता, आकांक्षा प्रकाशन, नई दिल्ली, पीपी 43-65, आईएसबीएन नं : 978-81-8370-492-2.

डॉ संजय कुमार

➢ संजय कुमार (2016), " गेहूं और चावल की फसल की उत्पादकता में कुल कारक और इसके घटक: चयनित भारतीय राज्य का अध्ययन ", भारतीय आर्थिक जर्नल, विशेष अंक, दिसंबर 2016 (संजीव कुमार के साथ) में प्रकाशित. आईएसएसएन नंबर: 0019-4662.

➢ संजय कुमार (2016), "बिहार में शिक्षा और गरीबी" बिहार आर्थिक जर्नल में प्रकाशित खंड 5, नं. 2, नवंबर 2016, आईएसएसएन नंबर: 2230-8970.

सम्मेलन, कार्यशाला, पाठ्यक्रम आदि

डा. अतीश कुमार दास

➢ 19-22 नवम्बर, 2016 के दौरान पटना विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में 'एसपीएसएस' के साथ 'लर्निंग स्टेटिस्टिकल टेक्निक्स' पर दो व्याख्यान दिए।

डा. रिकील चिरमांग

➢ आर्थिक और सामाजिक अध्ययन केंद्र (सीईएस), हैदराबाद द्वारा 2016 में "प्रवासन अध्ययन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम" में पूर्वोत्तर भारत में प्रवासन मुद्दों पर संसाधन व्यक्ति के रूप में दो व्याख्यान दिए।

➢ आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित तथा इन्स्टीट्यूट ऑफ़ डेवलपमेंट स्टडीज, जयपुर, राजस्थान द्वारा “भारत में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति की आजीविका चुनौतियां : उभरते मुद्दों” पर मार्च 28-29, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में अनुसूचित जनजाति समुदाय और उत्तर-पूर्व भारत में नीतिगत मुद्दों के शैक्षिक विकास का एक पत्र प्रस्तुत किया।

➢ 18-19 मार्च 2017 में दक्षिण बिहार के केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गया में आयोजित “भारतीय लोकतंत्र की समझ और सह-अस्तित्व के विचार” पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "कस्टमरी लॉ कोर्ट एंड जस्टिस डिलिवरी: मेघालय के जयंतिया जनजातीय समुदाय में दरबार प्रणाली का एक केस स्टडी" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ संजय कुमार

➢ श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्र प्रदेश में आयोजित भारतीय आर्थिक संघ के 99वें वार्षिक सम्मेलन में 27-29 दिसंबर, 2016 के दौरान, " गेहूं और चावल की फसल की उत्पादकता में कुल कारक और इसके घटक: चयनित भारतीय राज्य का अध्ययन " पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

➢ टी.पी.एस.कॉलेज, पटना, बिहार में 22-23 नवंबर, 2016 के दौरान आयोजित बिहार इकोनोमिक एसोसिएशन के 18वें वार्षिक सम्मेलन में "बिहार में शिक्षा और गरीबी" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया ।

संकाय उपलब्धियां / गतिविधियाँ

डा. रिकील चिरमांग

➢ एक मेघालय आधारित गैर-सरकारी संगठन द्वारा 9 जून 2016 को सम्मानित किया गया, जो मुख्य रूप से महिला कल्याण के लिए काम कर रहा है। मेघालय के एनजीओ, महिला कल्याण संगठन सिर्यैज जोवा (डब्ल्यूडब्ल्यूओएसआरजे) ने उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि और उत्कृष्टता के लिए उन्हें 2015 में प्रतिष्ठित संस्थान जेएनयू, नई दिल्ली से अर्थशास्त्र में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी से सम्मानित करने पर प्रशस्ति के साथ सम्मानित किया।

➢ 06-15 फरवरी, 2017 के दौरान अनुसंधान कार्य और संकाय सदस्यों और शोध विद्वानों के साथ इंटरैक्टिव सत्र की प्रस्तुति के लिए यूजीसी के प्रायोजित विभाग विशेष सहायता कार्यक्रम (एसएपी) के अंतर्गत 10 दिनों के लिए अर्थशास्त्र विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा विजिटिंग फेलोशिप प्रदान किया गया ।

➢ इग्नू, नई दिल्ली के एमए / पीजीडी कार्यक्रम (श्रम और विकास) के लिए स्व-अधिगम अध्ययन सामग्री की तीन इकाइयां तैयार की गईं। (i) श्रम प्रवासन और विकास इम्प्लिकेशंस (29 पेज), (ii) श्रम अधिशेष सिद्धांत और द्वैतवाद (30 पृष्ठ) (iii) भारत से अंतर्राष्ट्रीय श्रम प्रवासन (34 पृष्ठ).

➢ एक मासिक न्यूज बुलेटिन में जयंतिया जनजातीय समुदाय में दरबार प्रथा, लेख का प्रकाशन, हेरिटेज एक्सप्लोरर, वॉल्यूम 15, नंबर 8, 2016 (पीजी .106-110), आर.एन.आई.आरजीडी नं. एसएसएनजीएन / 2002/6981.

(सी) सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज़

सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज़ पारंपरिक, आधुनिक तथा उत्तर-आधुनिक दृष्टिकोणों को विषय के सभी पहलुओं के साथ समाहित करता है। यह समाज के नए समस्या क्षेत्रों की पहचान जोरदार तरीके से करता है और शिक्षण और शोध के माध्यम से एक हल प्रदान करने का प्रयास भी करता है। सेंटर पॉलिटिकल साइंस एवं इंटरनेशनल रिलेशंस के अध्ययन से जुड़े विकासात्मक समस्याओं को अभ्यास द्वारा हल करना प्रस्तावित करता है। अंत: विषयी दृष्टिकोण के तहत सेंटर सिद्धांत और कार्य दोनों को जोड़ने का अवसर प्रदान करता है। सेंटर पॉलिटिकल साइंस एवं इंटरनेशनल

रिलेशंस के शैक्षणिक कार्यक्रम को शामिल करता है ताकि विद्यार्थियों को दार्शनिक एवं व्यावहारिक परिप्रेक्ष्यों में हिंदुस्तानी और पाश्चात्य परंपराओं की जानकारी के साथ-साथ उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों से भी अवगत कराया जा सके। यह क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सभी स्तरों पर राजनीतिक विश्लेषण के विकास के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करता है।

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एमए तथा पीएचडी
नियमित संकाय	6
केंद्र / विभागाध्यक्ष	प्रो. एस.एन. सिंह

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
प्रो. एस.एन. सिंह डीन एवं अध्यक्ष	पीएच.डी.	इंडियन गवर्नमेंट एंड पॉलिटिक्स
डॉ. आलोक कुमार गुप्ता सह प्राध्यापक	पीएच.डी.	इंटरनेशनल रिलेशंस
डॉ. प्रवीण कुमार सह प्राध्यापक	पीएच.डी.	पॉलिटिकल थ्योरी, इंडियन पॉलिटिक्स
डॉ. सुमित कुमार पाठक सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.	पॉलिटिकल थ्योरी, पॉलिटिकल पॉलिसी
डॉ. अभय कुमार सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.	इंटरनेशनल रिलेशंस
डॉ. प्रणव कुमार सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.	इंटरनेशनल पॉलिटिक्स

पुस्तकों/ जर्नल्स में प्रकाशन आदि

प्रो. एस. एन. सिंह

- **पुस्तक अध्याय** - राजस्थान में ग्रामीण अध्ययन, ग्रामीण भारत की सामाजिक-आर्थिक प्रोफाइल, श्रृंखला-तृतीय, सी हर्षवर्धन, एलबीएसएनएए अकादमी, मसूरी, संकल्पना, नई दिल्ली।

डॉ. आलोक कुमार गुप्ता

- **पुस्तकें प्रकाशित** - (i) "भारत की विदेश नीति: उभरते आयाम" (पटना: रामी प्रकाशन, 2017) [आईएसबीएन-978-81-93328-00-2] (ii) "राजनीतिक दायित्व" (इलाहाबाद: सेन्ट्रल लॉ प्रकाशन, 2016)। [ISBN-978-93-84961-94-7].
- **पत्रिकाओं में प्रकाशन** - "भारत-प्रशांत क्षेत्र के भू-राजनीति बदलाव : आशियान के साथ भारत के संबंध की गतिशीलता", विश्व फोकस में, संख्या 474, मार्च 2017, [आईएसएनएन 2230-8458] यूएस कांग्रेस लाइब्रेरी संख्या: 80910345।
- "आतंकवाद को समझना: क्या यह इस्लामिक अतिवाद के प्रभाव का कारण है", विश्व फोकस में, संख्या 446, फरवरी 2017, [आईएसएनएन 2230-8458] यूएस कांग्रेस लाइब्रेरी संख्या: 80910345।
- "दक्षिण चीन सागर पर रूस का रूख : क्या यह चीन के लिए तुष्टीकरण, गुंजाइश या समर्थन है?", विश्व फोकस में, संख्या 445, जनवरी 2017, [आईएसएनएन 2230-8458] यूएस कांग्रेस लाइब्रेरी संख्या: 80910345.
- " इंडियाज पाकिस्तान पालिसी फ्रॉम स्लगफेस्ट टू सर्जिकल स्ट्राइक : इज इट मुतेतिंग?", वर्ल्ड फ़ोकस, नं. 44, दिसंबर 2016, [आईएसएसएन 2230-8458] यूएस लाइब्रेरी ऑफ कॉंग्रेस नंबर: 80910345.
- "इंडो-वियतनाम संबंध: आर्थिक आचरण या सामरिक चाल", विश्व फोकस में, संख्या 443, नवंबर 2016, [आईएसएनएन 2230-8458] यूएस कांग्रेस लाइब्रेरी संख्या: 80910345.
- "अफगानिस्तान क्षेत्र में आईएसआईएल का आगमन", आतंकवाद और अंतर्राष्ट्रीय संघर्षो पर एशियाई जर्नल आक्रोश में, अक्टूबर 2016, वॉल्यूम 19, नंबर 73, [आईएसएनएन 2347-1522], पीपी.46-67.
- "जनसंख्या विकास और जलवायु परिवर्तन: एक अंतर्राष्ट्रीय कानून की आवश्यकता", विश्व फोकस में, संख्या 424, अक्टूबर 2016, [आईएसएनएन 2230-8458] यूएस कांग्रेस लाइब्रेरी संख्या: 80910345.
- न्यू मरीटाइम सिल्क रोड वर्सेस प्रोजेक्ट मौसम : इज इट जियो-इकोनॉमिक्स और जियो पॉलिटिक्स? ", विश्व फोकस में, 440, सितंबर 2016, [आईएसएसएन 2230-8458] यूएस कांग्रेस लाइब्रेरी नंबर: 80910345.
- "भारत-नेपाल संबंधों के रूपरेखा में बदलाव : सामरिक प्रभाव", अग्नि (स्ट्रैटेजिक एंड सिक्योरिटी स्टडीज का फोरम), मई-अगस्त 2016, वॉल.19, नंबर.8, पीपी. 39 -59 [आईएसएसएन 0971-7862] आईएसबीएन 978-81-7593125-1 अग्नि वॉल्यू.19, नंबर II].

- "भारत की पड़ोस नीति: गड़बड़ी, कुप्रबंधन और प्रभाव", विश्व फोकस में, संख्या 440, अगस्त 2016, [आईएसएसएन 2230-8458] यूएस कांग्रेस लाइब्रेरी संख्या: 80910345.
- "समसामयिक दुनिया में अत्याधिक बढ़ती अफरातफरी : एक नैतिक क्रांति की आवश्यकता " वर्ल्ड फोकस, नं. 439, जुलाई 2016, [आईएसएनएन 2230-8458] यूएस कांग्रेस लाइब्रेरी नंबर: 80910345.
- "दक्षिण एशिया में इस्लामी राज्य: भारत पर असर और चुनौतियां", आक्रोश आतंकवाद और अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष पर एशियाई जर्नल, अप्रैल 2016, वॉल्यूम 1 9, नंबर 71, [आईएसएसएन 2347-1522], पीपी.23-41.
- "दुनिया भर में परमाणु आपदाएं: भारत के लिए सबक और अनिवार्यताएं", विश्व फोकस में, सं.437, मई 2016, [आईएसएनएन 2230-8458] यूएस कांग्रेस लाइब्रेरी नंबर: 80910345.
- "मध्य एशिया में ड्रग ट्रैफिकिंग: भारत की भूमिका और रुचि", पौलिटीको, दिसंबर 2016, खंड, सं., 2016, पीपी [आईएसएनएन 2322-0686].
- " सौर ऊर्जा का अर्थशास्त्र: भारत के व्यापारिक आचरण और संरक्षणवाद" "वर्ल्ड फोकस, सं. 436, सं. 436, अप्रैल 2016, [आईएसएसएन 2230-8458] यूएस कांग्रेस लाइब्रेरी नंबर: 80910345.

❖ **पुस्तक अध्याय-** डॉ। सुधीर कुमार सिंह (दिल्ली, 2017) द्वारा संपादित "अंबेडकर आज की प्रासंगिकता" शीर्षक वाली एक पुस्तक में प्रकाशित "भारतीय संविधान के वास्तुकार: बीआर अम्बेडकर की भूमिका" [आईएसबीएन-978-81-8274-9 47-4].

- "भारत की विदेश नीति की गलतियाँ : उभरती विश्व व्यवस्था में अपनी भूमिका को पुनर्परिभाषित करने की संभावनाएं" शीर्षक पर "भारत की विदेश नीति: संघर्ष और सहयोग" नामक एक पुस्तक में प्रकाशित, रविजीत सिंह अटवाल द्वारा संपादित (चंडीगढ़: व्हाइट फाल्कन प्रकाशन, 2016) [आईएसबीएन 9 78- 1-943851-99-7].
- "भारत की विदेश नीति: संघर्ष और सहयोग" नामक एक पुस्तक में "अफ़ग़ानिस्तान में भारत की गतिशीलता में बदलाव और नए अवसर " रवीजित सिंह अटवाल द्वारा संपादित (चंडीगढ़: व्हाइट फाल्कन प्रकाशन, 2016) [आईएसबीएन 978-1-943851-99-7].
- 'लुक ईस्ट' से 'एक्ट ईस्ट' का परिवर्तन: म्यांमार के साथ भारत का रचनात्मक संपर्क' पर एक पुस्तक "मोदी की विदेश नीति: चुनौतियां और अवसर" में प्रकाशित, एन एन झा और सुधीर सिंह द्वारा संपादित (नई दिल्ली: पेंटागन प्रेस, 2016) [आईएसबीएन 978-81-8274].
- 'नेपाल के प्रति भारत की विदेश नीति: एनडीए-II निष्पादन और अवसर' पर एक पुस्तक "मोदी की विदेश नीति: चुनौतियां और अवसर" में प्रकाशित, एन एन झा और सुधीर सिंह द्वारा संपादित (नई दिल्ली: पेंटागन प्रेस, 2016) [आईएसबीएन 978-81-8274].
- 'न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी): अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक कूटनीति की चुनौतियां में आगे बढ़ते हुए' जी. जयचंद्र रेड्डी (आईसीडब्ल्यूए और यूजीसी सेंटर फॉर साउथईस्ट एशियन एंड पैसिफ़िक स्टडीज, 2016) द्वारा संपादित 'बहुपक्षीय सहयोग बदलती रूपरेखा' नामक एक पुस्तक में प्रकाशित I

❖ **सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशन -** "दक्षिण चीन सागर पर रूस का रूख : क्या यह चीन के लिए तुष्टीकरण, गुंजाइश या समर्थन है?", यूजीसी सेंटर फॉर साउथ-ईस्ट एशियाई प्रशांत अध्ययन, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की सम्मेलन कार्यवाही में I

डॉ. प्रवीण कुमार

- **पुस्तकें प्रकाशित -** भारत में संघवाद और लोकतंत्र: बिहार के भागलपुर शहर में सामुदायिक पहचान और व्यक्तिगत रुचियों का अन्वेषण, एकमात्र रचनाकार। नई दिल्ली: लेखक प्रेस 2017. आईएसबीएन: 9789352075355.
- **पत्रिकाओं में प्रकाशन -** भारत, समुद्री सिल्क रोड और एशियाई भू-राजनीति, वर्ल्ड फोकस में (यूजीसी स्वीकृत) आईएसएनएन नं. 2230-8458 सितंबर 2016.
- **पुस्तक अध्याय -** गांधीवादी असहयोग रणनीति पुनर्लोकन , पीपी 159 -183, भारत में सुशासन और विकास की चुनौतियां, एडी. सी विनोदान, न्यू सेंचुरी पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, 2017. आईएसबीएन: 978-81-7708-446-7.

डॉ. सुमित कुमार पाठक

- **सम्मेलन हेतु सार -** जेगीलोनियन यूनिवर्सिटी, कराकाव पोलैंड में 11-12 दिसम्बर, 2017 के दौरान 'स्वतंत्रता के 70 वर्षों के बाद भारत और पाकिस्तान की स्वतन्त्रता : संस्कृति और राजनीति पर पुनर्निर्वाचन' शीर्षक पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में " 70 वर्षों के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सिविल सोसाईटी के माध्यम से शांति की अधिप्राप्ति " पर सार प्रस्तुत।

डॉ. प्रणव कुमार

- **पुस्तक अध्याय-** मोदी की विदेश नीति: चुनौतियां और अवसर, झा, एनएन और सिंह, सुधीर, आईसीडब्ल्यूए की पुस्तक में 'अफ्रीका में हाइड्रोकार्बन्स की सुरक्षा के लिए चीन-भारत हलचल: जीरो - सम और विन- विन', (पीपी. 171-183) एंड पेंटागन (2016) आईएसबीएन: 978-81-8274-873-6.
- 'भारत की विदेश नीति : मोदी सरकार के तहत अंतर के साथ निरंतरता', पुस्तक में 'अफ्रीका में हाइड्रोकार्बन की सुरक्षा में मोदी की विदेश नीति के आचरण', संतेश कुमार सिंह, सं. (नई दिल्ली: मानक, जनवरी 2017).

- बहुपक्षवाद- बहुपक्षीय द्विरूपता और विश्व व्यापार संगठन की शक्ति असमता: दोहा दौर और भारत-अफ्रीकी सहयोग, पीपी.30-44 बहुपक्षीय सहयोग के प्रतिमान में बदलाव, जी. जे. रेड्डी, सं. (तिरुपति: यूजीसी सेंटर फॉर साउथ ईस्ट एशियन एंड पेसिफिक स्टडीज, जनवरी 2017) 819269044 –एक्स.

सम्मेलन, कार्यशाला, पाठ्यक्रम आदि

प्रो.एस एन. सिंह

- पटना विश्वविद्यालय, पटना द्वारा आयोजित दलित आकांक्षा पर 'अम्बेडकर के परिप्रेक्ष्य' नामक सम्मेलन में भाग लिया।
- ग्लोबल फाउंडेशन, पटना द्वारा आयोजित महात्मा गांधी आज की प्रासंगिकता ' शीर्षक पर आयोजित र सम्मेलन में भाग लिया।
- राजनीति विज्ञान विभाग, सीसीयू, मेरठ द्वारा आयोजित 'रिसर्च स्कॉलर्स के लिए सोशल साइंस इन रिसर्च मेथड्स' सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।
- 19 नवंबर, 2016 को आईआईपीए, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'समकालीन विश्व और एकमत मानव दर्शन' के सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति और प्रमुख वक्ता के रूप में भाग लिया।.

डॉ. प्रवीण कुमार

- मैसूर में 19 -23 दिसंबर, 2016 के दौरान आईएएसएस और मैसूर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक्सएल इंडियन सोशल साइंस कांग्रेस में " कौटिल्य के अर्थशास्त्र में शांति को समझना" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- आईसीएसएसआर और एमजीएम विश्वविद्यालय, कोट्टायम द्वारा 11-12 नवंबर, 2016 के दौरान आयोजित 'भारत, चीन और नई सिल्क रोड पहल : चुनौतियां और अवसर' शीर्षक पर सम्मेलन में "भारत, चीन और समुद्री सिल्क रोड: राजनीति, अर्थव्यवस्था और प्रभुत्व के विचारों की जांच" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 27-28 मई, 2016 के दौरान बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित 'भारतीय साहित्य में राजनीतिक सोच' सम्मेलन में "कौटिल्य के अर्थशास्त्र में समकालीन शांति और संघर्ष के अध्ययन के विचार" शीर्षक वाले एक पेपर को प्रस्तुत किया।
- 13 अप्रैल 2016 को सीयूएसबी, गया परिसर में आयोजित 'भारत की राजनीतिक अर्थव्यवस्था पर अंबेडकर के विचारों' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. सुमित कुमार पाठक

- राजनीति विज्ञान विभाग, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल, उत्तराखंड और उपभोक्ता अध्ययन केंद्र, आईआईपीए, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से 11-12 नवंबर, 2016 के दौरान वैश्वीकरण, बाजार और उपभोक्ता अधिकार ; मुद्दे और चुनौतियां" पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "उपयोगितावाद, उपभोक्तावाद और" अच्छे जीवन का विचार : एक महत्वपूर्ण विश्लेषण " शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- डी.पी.बी.एस. पीजी कॉलेज, अनूपशहर, यूपी द्वारा 4-5 मार्च, 2017 के दौरान ' भूमंडलीकरण के दौर में मानवाधिकारों की सुरक्षा : चुनौतियां और अवसर' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में " अ जर्नी फ्रौम ह्यूमन राइट टू एजुकेशन टू ह्यमन राइट्स एजुकेशन" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 13 अप्रैल 2016 को सीयूएसबी, गया परिसर में आयोजित 'भारत की राजनीतिक अर्थव्यवस्था पर अंबेडकर के विचारों' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. प्रणव कुमार

- एनएचआरसी प्रायोजित तथा स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस, सीयूएसबी द्वारा आयोजित मानव अधिकार पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 24 मार्च 2017 को एक (आमंत्रित) व्याख्यान दिया ।
- राजनीति विज्ञान विभाग, शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के द्वारा 24-25 अक्टूबर 2016 के दौरान ' मोदी के शासन के तहत भारत की विदेश नीति की गतिशीलता में परिवर्तन' में 'अफ्रीका में हाइड्रोकार्बन की सुरक्षा में मोदी की विदेश नीति की अनिवार्यताएँ' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया ।
- 13 अप्रैल 2016 को सीयूएसबी, गया परिसर में आयोजित 'भारत की राजनीतिक अर्थव्यवस्था पर अंबेडकर के विचारों' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया।

संकाय उपलब्धियां / गतिविधियाँ

डॉ. सुमित कुमार पाठक

- यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली में 25 जुलाई से 19 अगस्त, 2016 के दौरान राजनीति विज्ञान में यूजीसी प्रायोजित द्वीतीय रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया।
- 2-6 मई 2016 के दौरान संसदीय अध्ययन और प्रशिक्षण ब्यूरो (डीपीएसपी), लोकसभा सचिवालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित संसदीय कार्यवाही और प्रक्रियाओं पर अभिमूल्यन पाठ्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. अभय कुमार

- यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली में 25 जुलाई से 19 अगस्त, 2016 के दौरान राजनीति विज्ञान में यूजीसी प्रायोजित द्वीतीय रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया।

डॉ. प्रणव कुमार

- भारत सरकार के एमएचआरडी द्वारा टीचर इनोवेटर अवार्ड, 2016 के लिए लघुसूचीबद्ध किया गया।

(डी) सेन्टर फॉर सोशियोलॉजिकल स्टडीज

केंद्र समकालीन सामाजिक घटना को समझने के लिए छात्रों के लिए अनुकूल शैक्षणिक माहौल प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है जो शास्त्रीय सामाजिक सोच, पारंपरिक वैदिक दर्शन और आधुनिक या उत्तर आधुनिक सोच/ समाज के बीच तक फैले हुए हैं। केंद्र की दृष्टि क्षेत्र में लागू ज्ञान सृजन के माध्यम से स्थानीय स्तर पर अभिनय द्वारा विश्व स्तर पर मान्यता प्रदान किए जाने पर है। इससे समाज की समस्याओं और जरूरतों के प्रति समझ बढ़ाने में मदद मिलेगी। इसलिए, केंद्र अपने कार्यों और क्षेत्र के प्रति इस तरह दूरदर्शी है कि जो ऐसे प्रभावी पेशेवरों का निर्माण करेगा जो दुनिया भर में किसी भी विकास प्रयासों में प्रभावी नेतृत्व तथा कर्तृत्व के रूप में अपनी सेवा प्रदान कर सकते हों।.

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एमए तथा पीएचडी
नियमित संकाय	6
अनुबंधित संकाय	1
केंद्र / विभागाध्यक्ष	डा. सनत कुमार शर्मा

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
डा. सनत कुमार शर्मा सह प्राध्यापक	पीएचडी	सोशियोलॉजिकल थ्योरीज
डा. अनिल कुमार सिंह झा, सह प्राध्यापक	पीएचडी	सोशियोलॉजिकल थॉट्
डा. जितेन्द्र राम सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	दलित स्टडीज, सोशल थ्योरीज
डा. हरेश ना. पाण्डेय सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	ग्लोबलाइजेशन मॉडर्नाइजेशन
डा. पारिजात प्रधान सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	सोशल स्ट्रेटीफि
डा. प्रिय रंजन सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	सोशियोलॉजी ऑफ रिलिजन
डा. अम्बरीश गौतम सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	ग्लोबलाइजेशन

पुस्तकों/ जर्नल्स में प्रकाशन आदि

डा. जितेन्द्र राम

- अनुसंधान आलेख - (i) "बिहार में जाति सोपान और दलितों को समझना", दलित और जनजातीय अध्ययनों का भारतीय जर्नल, खंड 4 अंक 1 जनवरी-जून, 2016 वाराणसी, आईएसएसएन 2348-1757.
- (ii) "दलितों के बीच भेदभाव और सामाजिक बहिष्कार" सोशल एक्शन, अक्टूबर दिसंबर, खंड 66 नं. 4.2016, नई दिल्ली, आईएसएसएन 0037-7627.

डा. अम्बरीश गौतम

- "झारखंड का छोटानागपुर पठार: नामकरण और पुनः नामकरण" विषय पर एक पांडुलिपि, पांडुलिपि नं. GJAA-RA-17-553 के तहत, पुरातत्व और मानव विज्ञान के वैश्विक जर्नल से प्रकाशन के लिए स्वीकार कर लिया गया है।
- "छोटानागपुर- एक अकथित इतिहास: एक सामाजिक-ऐतिहासिक विश्लेषण" विषय पर एक पांडुलिपि 15 नवंबर 2016 को मानव विज्ञान के जर्नल, हेंडरसन NV 89074-7722, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रस्तुत और समीक्षा के अधीन है।
- "समकालीन भारत में समाह एवं कानून : पूर्वप्रभावी एवं भावी" विषय पर एक पुस्तक कॉमनवेल्थ प्रकाशन, नई दिल्ली से प्रकाशनाधीन है।

सम्मेलन, कार्यशालाएं, पाठ्यक्रम, आदि

डा. अनिल कुमार सिंह झा

- समाजशास्त्र विभाग, जेएनवी यूनिवर्सिटी, जोधपुर द्वारा 25- 26 नवंबर, 2016 के दौरान लिंग समानता और महिला सशक्तीकरण: आयाम, दिशाएँ और चुनौतियां' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ' महिलाओं के आर्थिक विकास में मिथिला चित्रकारी की भूमिका' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- समाजशास्त्र विभाग, एल.एन.एम. विश्वविद्यालय, दरभंगा द्वारा आयोजित विकास के समाजशास्त्र' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में बिहार में लिंग असमानता: परिवर्तन की चुनौती' शीर्षक पर 5-6 मई, 2016 के दौरान एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 13 अप्रैल 2016 को सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज़, सीयूएसबी, गया द्वारा 'भारत की राजनीतिक अर्थव्यवस्था पर अंबेडकर के विचारों' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ' महिलाओं के अधिकार पर अम्बेडकर के विजन' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डा. जितेन्द्र राम

- 1 - 28 जुलाई, 2016 के दौरान बर्दवान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित यूजीसी-एचआरडीसी ओरिएंटेशन प्रोग्राम को पूरा किया।.

डा. अम्बरीश गौतम

- 13 अप्रैल 2016 को सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज़, सीयूएसबी, गया द्वारा 'भारत की राजनीतिक अर्थव्यवस्था पर अंबेडकर के विचारों' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ' अंबेडकर और मार्क्सवाद' नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज़, सीयूएसबी, गया द्वारा 30 - 31 मार्च, 2017 के दौरान "समान नागरिक संहिता की अनिवार्यताएँ" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 'भारत में समान नागरिक संहिता के सामाजिक प्रभाव' नामक शोध पत्र प्रस्तुत किया।.

डिपार्टमेंट ऑफ केमिस्ट्री

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	सपोर्ट्स बीएससी.बीएड.
नियमित संकाय	2

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
डा. गिरीश चंद्रा सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	आर्गेनिक केमिस्ट्री, फोटोकेमिस्ट्री
डा. अमिय प्रियम सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	इनआर्गेनिक केमिस्ट्री, नैनो केमिस्ट्री

पुस्तकों / जर्नल्स आदि में प्रकाशन

डा. गिरीश चंद्रा

- "स्टीरियो- एंड रिजिओ- सेलेक्टिव सिंथेसिस ऑफ 3-सी-सब्स्टिट्यूटेड- (एन) – मिथेनोंकारबाडेनोसाइन्स एज पोटेन्सियल एंटीकैंसर्स एजेंट्स" सिद्धि डी. नाइक, गिरीश चंद्र, प्रमोद के साहू, हांग- रे किम, शुहाओ क्यू, जी- सैंग यून और लक शिन जोंग, ओर्गेनिक केमेस्ट्री. फ्रंट., 2016, 3, 1472-1480 इंपेक्ट फेक्टर : 4.693.

सम्मेलन, कार्यशालाएं, पाठ्यक्रम, आदि

डा. गिरीश चंद्रा

- 19 -20 सितंबर, 2016 के दौरान हैदराबाद के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद में आयोजित 'केमिकल रुझानों में प्रकृति में प्रेरित प्रथाओं' पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'सिंथेसिस एंड बायोलोजिकल एक्टिविटीज़ ऑफ फ्लोरो-एनलॉग ऑफ़ नेप्लोनोसीन ए' नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 11 से 12 नवंबर, 2016 के दौरान रसायन विज्ञान विभाग, महर्षि मार्कंडेश्वर विश्वविद्यालय, मुल्लाना, अंबाला में आयोजित 'केमिकल विज्ञान में हालिया उन्नति' पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'विनाइल फ्लोराइड अणुओं के संश्लेषण के लिए नई पद्धतियां' नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।
- एमएचआरडी, भारत सरकार के बैनर के तहत तथा उच्च शिक्षा हेतु वैश्विक पहल के तहत प्रारंभित नेटवर्क (जीआईएएन) पाठ्यक्रम में 10- 19 दिसंबर, 2016 के दौरान कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग, एनआईटी-वारंगल में आयोजित 'एंटी कैंसर एंड एंटी वायरल ड्रग डिस्कवरी' के लिए कंप्यूटर-आधारित विधियों पर 10-दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में 9 जनवरी – 6 फरवरी, 2017 में एक अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया।

संकाय उपलब्धियां / गतिविधियाँ

डा. गिरीश चंद्रा

- संपादकीय बोर्ड के सदस्य: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ ओपन एक्सेस जर्नल ऑफ मेडिसिनल केमिस्ट्री (ओएजेएमसी), मेडविन पब्लिशर।

डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	सपोर्ट्स बीएससी.बीएड.
नियमित संकाय	2

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता	विशेषज्ञता
डा. सुशांता दास यूजीसी- सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	आयन-सरफेस इंटरेक्शंस, नैनोटेक्नोलॉजी
डा. अखिलानंद कुमार सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	सुपरकंडक्टिविटी

हिस्ट्री

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता	भूमिका
डा. सुधांशु कुमार झा सहायक प्राध्यापक	पीएचडी	सपोर्ट्स बी.ए.बीएड.

क्र.स.	कार्यक्रम का नाम	केंद्र / विभाग	दिनांक
1	द्वितीय नेशनल सेमिनार ऑन "करंट ट्रेंड्स इन लाइफ साइंस (सीटीएलएस-2017)	लाइफ साइंस कार्यक्रम, सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज	20 - 21 फरवरी, 2017
2	ट्रेनिंग कम वर्कशॉप ऑन बेसिक टूल्स एंड टेक्निक्स इन बायोटेक्नोलॉजी (टीडब्ल्यूबीटीटीबी-2016)	बायोइनफॉरमैटिक्स कार्यक्रम, सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज	24 - 30 नवंबर, 2016
3	दो-दिवसीय नेशनल वर्कशॉप ऑन "प्रोटीन स्ट्रक्चर प्रेडिकेशन एंड ड्रग डिजाईन"	बायोइनफॉरमैटिक्स कार्यक्रम, सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज	18 - 1 9 नवंबर, 2016
4	वर्कशॉप ऑन "रूरल सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट एंड एजुकेशन". स्पोंसर्ड बाय एनसीआरआई, हैदराबाद	स्कूल ऑफ़ एजुकेशन	22 नवंबर, 2016
5	वर्कशॉप ऑन "टीचिंग लर्निंग स्ट्रेटेजीज एंड असेसमेंट टेक्निक्स"	स्कूल ऑफ़ एजुकेशन	8 मार्च, 2017
6	वर्कशॉप ऑन "ट्रांस्फोर्मिंग इंस्ट्रक्शनल ओब्जेक्टिव्स इनटू लर्निंग आउटकम्स"	स्कूल ऑफ़ एजुकेशन	18 मार्च, 2017
7	वर्कशॉप ऑन "एजुकेशन इन डिजिटल एरा: कांसर्न्स एंड चैलेंजेस"	स्कूल ऑफ़ एजुकेशन	24 - 25 मार्च, 2017
8	वर्कशॉप ऑन "ब्रिंगिंग लेबोरेटरी टू क्लासरूम"	स्कूल ऑफ़ एजुकेशन	30 मार्च, 2017
9	दो-दिवसीय वर्कशॉप ऑन स्पीकिंग स्किल्स	सेंटर फॉर फॉरेन लैंग्वेजेज (इंग्लिश)	6 - 7 फरवरी, 2017
10	दो-दिवसीय नेशनल सेमिनार ऑन 'कंटेम्परेरी साउथ एशियन लिटरेचर इन इंग्लिश'	सेंटर फॉर फॉरेन लैंग्वेजेज (इंग्लिश)	20 - 21 फरवरी, 2017
11	'प्रयोजनमूलक हिंदी और उसका अनुप्रयोग' एक दिवसीय कार्यशाला	भारतीय भाषा केन्द्र (हिंदी-उर्दू)	16 जनवरी, 2017
12	'अस्मितामूलक साहित्य का सौंदर्यशास्त्र' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी	भारतीय भाषा केन्द्र (हिंदी-उर्दू)	17-18 फरवरी, 2017
13	वर्कशॉप एंड ट्रेनिंग ऑन एडवर्टाइजमेंट कैंपेन	सेंटर फॉर मास कम्युनिकेशन एंड मीडिया	09 - 11 नवंबर, 2017
14	वर्कशॉप एंड ट्रेनिंग ऑन प्रिंट प्रोडक्शन तकनीक	सेंटर फॉर मास कम्युनिकेशन एंड मीडिया	21-25 नवंबर, 2017
15	नेशनल सेमिनार "मीडिया एज अ मीडियम टुवर्ड्स कैशलेस सोसाइटी"	सेंटर फॉर मास कम्युनिकेशन एंड मीडिया	03 - 04 मार्च, 2017
16	नेशनल वर्कशॉप ऑन 'स्टूडेंट्स' इंगेजमेंट फॉर प्रोमोटिंग रूरल रेसिलिएंस' (स्पोंसर्ड बाय एनसीआरआई)	सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज	03 - 04 मार्च, 2017
17	नेशनल वर्कशॉप ऑन इकॉनोमेट्रिक्स	सेंटर फॉर इकॉनोमिक स्टडीज एंड पॉलिसीस	23 - 25 जनवरी, 2017
18	नेशनल वर्कशॉप ऑन टाइम सीरीज़ इकॉनोमेट्रिक्स	सेंटर फॉर इकॉनोमिक स्टडीज एंड पॉलिसीस	23 - 25 फरवरी, 2017
19	नेशनल कांफ्रेंस ऑन अंडरस्टैंडिंग इंडियन डेमोक्रेसी एंड आईडिया ऑफ को-एक्सिस्टेंस	सेंटर फॉर पोलिटिकल स्टडीज	26 - 27 मार्च, 2017
20	नेशनल सेमिनार ऑन नॉन-ट्रेडिशनल इश्यूज इन इंडिया फॉरेन पॉलिसी ड्यूरिंग द मोदी रिजीम	सेंटर फॉर पोलिटिकल स्टडीज	28 - 2 9 मार्च, 2017
21	नेशनल वर्कशॉप ऑन 'इम्पेरेटिव ऑफ यूनिफार्म सिविल कोड'	सेंटर फॉर पोलिटिकल स्टडीज	30 - 31 मार्च, 2017
22	नेशनल सेमिनार ऑन "साइकोलॉजिकल साइंसेज: करंट पर्सपेक्टिव एंड इमर्जिंग अवेंयुज ऑफ प्रैक्टिस"	सेंटर फॉर साइकोलॉजी साइंसेज	24 - 26 मार्च, 2017

विद्यार्थियों की उपलब्धियां

फैलोशिप / नेट / जेआरएफ / गेट

क्र.स.	विद्यार्थियों का नाम	पाठ्यक्रम/ कार्यक्रम	फ़ेलोशिप
1	सुश्री फोजिया परवीन	एम.एससी. लाइफ साइंस	जून 2016 में सीएसआईआर नेट जेआरएफ
2	सुश्री खुशबू सिन्हा	एम.एससी. लाइफ साइंस	जून 2016 में सीएसआईआर नेट जेआरएफ
3	सुश्री मोनालिसा	एम.एससी. लाइफ साइंस	जून 2016 में सीएसआईआर नेट जेआरएफ
4	श्री शैलेशानंद झा	एम.एससी. लाइफ साइंस	जून 2016 में सीएसआईआर नेट-एलएस (2016)
5	सुश्री श्वेता राज	एम.एससी. लाइफ साइंस	जून 2016 में सीएसआईआर नेट-एलएस (2016)
6	सुश्री अदिति अरोड़ा	एम.एससी. लाइफ साइंस	दिसम्बर 2016 में सीएसआईआर नेट जेआरएफ
7	सुश्री शैलजा शेफाली	एम.एससी. लाइफ साइंस	दिसम्बर 2016 में सीएसआईआर नेट जेआरएफ
8	श्री लोकेश रंजन	एम.एससी. लाइफ साइंस	दिसम्बर 2016 में सीएसआईआर नेट-एलएस
9	सुश्री अदिति अरोड़ा	एम.एससी. लाइफ साइंस	गेट 2017
10	सुश्री शैलजा शेफाली	एम.एससी. लाइफ साइंस	गेट 2017
11	श्री लोकेश रंजन	एम.एससी. लाइफ साइंस	गेट 2017
12	श्री शैलेशानंद झा	एम.एससी. लाइफ साइंस	गेट 2017
13	सुश्री नेहा चौहान	एम.एससी. लाइफ साइंस	गेट 2017
14	श्री सोनतन सोरेन	एम.एससी. लाइफ साइंस	गेट 2017
15	श्री सौम्या ज्योति घोषाल	एम.एससी. लाइफ साइंस	डीएसटी-इंस्पायर्ड फेलोशिप 2017
16	सुश्री अर्चना	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी	दिसम्बर 2016 में सीएसआईआर नेट-एलएस
17	सुश्री नेहा	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी	दिसम्बर 2016 में सीएसआईआर नेट-एलएस
18	सुश्री आशा साहू	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी	दिसम्बर 2016 में सीएसआईआर नेट-एलएस
19	सुश्री सलमा बानो	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी	गेट 2017
20	सुश्री प्रेमलाता कुमारी	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी	गेट 2017
21	सुश्री अर्चना	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी	गेट 2017
22	सुश्री कुमारी उमा महतो	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी	गेट 2017
23	सुश्री अर्चना कुमारी	एम.एससी. बायोइन्फरमेटिक्स	बायोटेक कंसोर्टियम इंडिया लिमिटेड (बीसीआईएल) बायोइन्फॉर्मेटिक्स इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग प्रोग्राम (बीआईआईटीपी) 2016-17 के तहत डीबीटी फेलोशिप।
24	सुश्री खुशबू आनंद	एम.एससी. बायोइन्फरमेटिक्स	
25	श्री मृणाल कृष्ण	एम.एससी. बायोइन्फरमेटिक्स	
26	सुश्री नन्ही अजाज़ी	एम.एससी. बायोइन्फरमेटिक्स	
27	श्री प्रफुल्ल कुमार आर्य	एम.एससी. बायोइन्फरमेटिक्स	
28	सुश्री सैयम फिरदौस	एम.एससी. बायोइन्फरमेटिक्स	
29	सुश्री श्वेता कुमारी	एम.एससी. बायोइन्फरमेटिक्स	
30	सुश्री स्वाती कुमारी	एम.एससी. बायोइन्फरमेटिक्स	
31	सुश्री उपासना कुमारी	एम.एससी. बायोइन्फरमेटिक्स	
32	श्री अभिषेक कुमार	एम.ए. डेवलपमेंट स्टडीज	यूजीसी - नेट जेआरएफ
33	श्री रमेश कुमार राजक	एम.ए. डेवलपमेंट स्टडीज	यूजीसी - नेट जेआरएफ
34	सुश्री अद्रिजा	एम.ए. डेवलपमेंट स्टडीज	यूजीसी - नेट
35	श्री शरद शरिदेंदु	एम.ए. डेवलपमेंट स्टडीज	यूजीसी - नेट
36	श्री संदीप कुमार	एम.ए.इकोनॉमिक्स	यूजीसी - नेट
36	श्री हेमंत दुबे	एकीकृत एम.फिल.- पीएच.डी पोलिटिकल स्टडीज	यूजीसी - नेट जेआरएफ

छात्र की उपलब्धियां

नियुक्ति / पीएचडी में प्रवेश / उच्च अध्ययन

क्र.स.	विद्यार्थियों का नाम	पाठ्यक्रम/ कार्यक्रम	उपलब्धियाँ
1	श्री शैलेशानंद झा	एम.एससी. लाइफ साइंस	एनसीबीएस बैंगलोर में पीएचडी
2	सुश्री अदिति अरोड़ा	एम.एससी. लाइफ साइंस	सीडीएफडी और आईसीजीईबी में पीएचडी
3	सुश्री खुशबू सिन्हा	एम.एससी. लाइफ साइंस	सीडीआरआई में पीएचडी
4	सुश्री शैलजा शेफाली	एम.एससी. लाइफ साइंस	जेएनयू और सीडीआरआई में पीएचडी
5	श्री लोकेश रंजन	एम.एससी. लाइफ साइंस	आईआईएसईआर पुणे में पीएचडी, आईआईटी जी. नगर
6	सुश्री रीनी राहुल	एम.एससी. लाइफ साइंस	सीयू ऑफ झारखंड में पीएचडी
7	सुश्री प्रतिका सिंह	एम.एससी. लाइफ साइंस	सीयूएसबी में पीएचडी
8	सुश्री तुलिका सिन्हा	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी	आईजीआईबी, नई दिल्ली में पीएचडी
9	श्री राहुल गुप्ता	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी	पांडिचेरी विश्वविद्यालय में पीएचडी
10	सुश्री जेबा रिज़वी	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी	सेंटर फॉर सेल्यूलर और मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, हैदराबाद में पीएचडी
11	श्री सिद्धार्थ कुमार	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी	सीयूएसबी में पीएचडी
12	सुश्री शिखा रानी	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी	सीयूएसबी में पीएचडी
13	सुश्री प्रेमलाता कुमारी	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी	इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंसेज, भुवनेश्वर में पीएचडी
14	सुश्री नीलम कुमारी	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी	औजीन फार्मास्युटिकल लिमिटेड बैंगलोर
15	सुश्री दिव्या कुमारी	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी	रेनेंसा बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड
16	श्री अजीत कुमार	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी	इंस्टिट्यूट ऑफ प्रोडक्टिविटी, रांची में तकनीकी अधिकारी
17	श्री राज आर्यन	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी	बायोजेन इंडिया लिमिटेड बैंगलोर
18	श्री कृष्णनेंदु बेरा	एम.एससी. बायोइन्फरमेटिक्स	कॉलेज ऑफ लाइफ साइंसेज, नेशनल ताइवान विश्वविद्यालय, ताइपे में पीएचडी
19	सुश्री उपासना कुमारी	एम.एससी. बायोइन्फरमेटिक्स	मॉलिक्यूलर कनेक्शंस प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलोर में वैज्ञानिक विश्लेषक
20	श्री मृणाल कृष्ण	एम.एससी. बायोइन्फरमेटिक्स	जीनोटाइपिक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलोर में वैज्ञानिक डाटा विश्लेषक
21	श्री अमरेंद्र कुमार	एम.एससी. बायोइन्फरमेटिक्स	असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट, असम में जेआरएफ
22	श्री अभिषेक कुमार	एम.ए. डेवलपमेंट स्टडीज	हैदराबाद विश्वविद्यालय में पीएचडी
23	सुश्री अद्रिजा	एम.ए. डेवलपमेंट स्टडीज	सीयूएसबी में पीएचडी
24	सुश्री अंजली पांडे	एम.ए. डेवलपमेंट स्टडीज	गांधी फैलोशिप, गुजरात
25	श्री आर्य	एम.ए. डेवलपमेंट स्टडीज	केअर इंडिया एनजीओ
26	श्री अविशेक सिन्हा	एम.ए. डेवलपमेंट स्टडीज	केअर इंडिया एनजीओ
27	श्री नूर	एम.ए. डेवलपमेंट स्टडीज	केअर इंडिया एनजीओ
28	श्री आशुतोष	एम.ए. डेवलपमेंट स्टडीज	प्रयास, पटना
29	श्री संदीप कुमार	एम.ए. इकोनॉमिक्स	सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात में पीएचडी
30	सुश्री रूबी कुमारी	एम.ए. इकोनॉमिक्स	
31	सुश्री स्वास्तिका सत्यम	एम.ए. इकोनॉमिक्स	सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात में पीएचडी

छात्र सांख्यिकी (31.03.2017 तक)

अंडर ग्रेजुएट (यूजी) पाठ्यक्रम / कार्यक्रम

पांच वर्षीय एकीकृत बीए. एलएलबी (ऑनर्स)

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर-II वर्ष 2016	पुरुष	17	16	8	0	0	0	41
	महिला	12	6	1	0	0	0	19
	कुल	**29**	**22**	**9**	**0**	**0**	**0**	**60**
सेमेस्टर -IV वर्ष 2015	पुरुष	22	8	5	1	0	0	36
	महिला	5	3	1	1	0	0	10
	कुल	**27**	**11**	**6**	**2**	**0**	**0**	**46**
सेमेस्टर -VI वर्ष 2014	पुरुष	9	7	1	0	0	0	17
	महिला	10	3	0	0	0	0	13
	कुल	**19**	**10**	**1**	**0**	**0**	**0**	**30**
सेमेस्टर -VIII वर्ष 2013	पुरुष	11	6	0	0	0	0	17
	महिला	5	1	0	0	0	0	6
	कुल	**16**	**7**	**0**	**0**	**0**	**0**	**23**
कुल योग		91	50	16	2	0	0	159

पांच वर्षीय एकीकृत बीएससी.एलएलबी (ऑनर्स)

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर -IV वर्ष 2015	पुरुष	9	7	2	0	0	0	18
	महिला	0	1	3	0	0	0	4
	कुल	**9**	**8**	**5**	**0**	**0**	**0**	**22**
सेमेस्टर -VI वर्ष 2014	पुरुष	3	2	2	0	1	0	8
	महिला	8	0	0	0	0	0	8
	कुल	**11**	**2**	**2**	**0**	**1**	**0**	**16**
सेमेस्टर -VIII वर्ष 2013	पुरुष	4	3	0	1	0	0	8
	महिला	4	1	0	0	0	0	5
	कुल	**8**	**4**	**0**	**1**	**0**	**0**	**13**
कुल योग		28	14	7	1	1	0	51

चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीए.बीएड

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर-II वर्ष 2016	पुरुष	11	23	5	0	0	0	39
	महिला	9	1	3	0	0	0	13
	कुल	**20**	**24**	**8**	**0**	**0**	**0**	**52**
सेमेस्टर -IV वर्ष 2015	पुरुष	12	13	5	0	0	0	30
	महिला	10	3	2	0	0	0	15
	कुल	**22**	**16**	**7**	**0**	**0**	**0**	**45**
सेमेस्टर -VI वर्ष 2014	पुरुष	8	6	2	0	0	0	16
	महिला	7	4	1	1	0	0	13
	कुल	**15**	**10**	**3**	**1**	**0**	**0**	**29**
सेमेस्टर -VIII वर्ष 2013	पुरुष	8	4	0	1	0	0	13
	महिला	4	4	1	1	0	0	10
	कुल	**12**	**8**	**1**	**2**	**0**	**0**	**23**
कुल योग		69	58	19	3	0	0	149

* पीएच (सामजिक वर्ग के साथ) # अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)

चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएससी. बीएड

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर-II वर्ष 2016	पुरुष	12	12	5	1	0	0	30
	महिला	5	11	3	0	0	0	19
	कुल	**17**	**23**	**8**	**1**	**0**	**0**	**49**
सेमेस्टर -IV वर्ष 2015	पुरुष	3	3	2	0	0	0	8
	महिला	6	6	1	0	0	0	13
	कुल	**9**	**9**	**3**	**0**	**0**	**0**	**21**
सेमेस्टर -VI वर्ष 2014	पुरुष	5	1	1	0	0	0	7
	महिला	7	3	2	0	0	0	12
	कुल	**12**	**4**	**3**	**0**	**0**	**0**	**19**
सेमेस्टर -VIII वर्ष 2013	पुरुष	6	6	2	0	0	0	14
	महिला	3	5	1	0	0	0	9
	कुल	**9**	**11**	**3**	**0**	**0**	**0**	**23**
कुल योग		**47**	**47**	**17**	**1**	**0**	**0**	**112**

अंडर ग्रेजुएट (यूजी) कुल

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर-II वर्ष 2016	पुरुष	40	51	18	1	0	0	110
	महिला	26	18	7	0	0	0	51
	कुल	**66**	**69**	**25**	**1**	**0**	**0**	**161**
सेमेस्टर -IV वर्ष 2015	पुरुष	46	31	14	1	0	0	92
	महिला	21	13	7	1	0	0	42
	कुल	**67**	**44**	**21**	**2**	**0**	**0**	**134**
सेमेस्टर -VI वर्ष 2014	पुरुष	25	16	6	0	1	0	48
	महिला	32	10	3	1	0	0	46
	कुल	**57**	**26**	**9**	**1**	**1**	**0**	**94**
सेमेस्टर -VIII वर्ष 2013	पुरुष	29	19	2	2	0	0	52
	महिला	16	11	2	1	0	0	30
	कुल	**45**	**30**	**4**	**3**	**0**	**0**	**82**
कुल योग		**235**	**169**	**59**	**7**	**1**	**0**	**471**

पोस्टग्रेजुएट (पीजी) कोर्सेज/प्रोग्राम्स

एमएससी बायोइंफॉर्मेटिक्स

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर-II	पुरुष	1	1	0	0	0	0	2
	महिला	8	1	1	0	0	0	10
	कुल	**9**	**2**	**1**	**0**	**0**	**0**	**12**
सेमेस्टर -IV	पुरुष	1	0	0	0	0	0	1
	महिला	5	2	1	0	0	0	8
	कुल	**6**	**2**	**1**	**0**	**0**	**0**	**9**
कुल योग		**15**	**4**	**2**	**0**	**0**	**0**	**21**

* पीएच (सामजिक वर्ग के साथ) # अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)

एमएससी बायोटेक्नोलोजी

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर-II	पुरुष	0	0	2	0	0	0	2
	महिला	11	8	2	0	0	0	21
	कुल	**11**	**8**	**4**	**0**	**0**	**0**	**23**
सेमेस्टर -IV	पुरुष	1	1	1	0	0	0	3
	महिला	8	6	3	0	0	0	17
	कुल	**9**	**7**	**4**	**0**	**0**	**0**	**20**
कुल योग		**20**	**15**	**8**	**0**	**0**	**0**	**43**

एमएससी लाइफ साइंस

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर-II	पुरुष	3	3	1	0	0	0	7
	महिला	8	8	0	0	0	0	16
	कुल	**11**	**11**	**1**	**0**	**0**	**0**	**23**
सेमेस्टर -IV	पुरुष	8	2	0	0	0	0	10
	महिला	6	4	1	0	0	0	11
	कुल	**14**	**6**	**1**	**0**	**0**	**0**	**21**
कुल योग		**25**	**17**	**2**	**0**	**0**	**0**	**44**

एमएससी कम्प्यूटर साइंस

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर-II	पुरुष	2	9	0	0	0	0	11
	महिला	3	7	1	0	0	0	11
	कुल	**5**	**16**	**1**	**0**	**0**	**0**	**22**
सेमेस्टर -IV	पुरुष	6	6	0	0	0	0	12
	महिला	4	5	1	0	0	0	10
	कुल	**10**	**11**	**1**	**0**	**0**	**0**	**22**
कुल योग		**15**	**27**	**2**	**0**	**0**	**0**	**44**

एमटेक कम्प्यूटर साइंस

सेमेस्टर-II	पुरुष	1	2	3	0	0	0	6
	महिला	0	2	0	0	0	0	2
	कुल	**1**	**4**	**3**	**0**	**0**	**0**	**8**
सेमेस्टर -IV	पुरुष	1	4	1	0	0	0	6
	महिला	0	1	0	0	0	0	1
	कुल	**1**	**5**	**1**	**0**	**0**	**0**	**7**
कुल योग		**2**	**9**	**4**	**0**	**0**	**0**	**15**

एमएससी इनवायरनमेंटल साइंस

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर-II	पुरुष	4	6	0	0	0	0	10
	महिला	5	7	0	0	0	0	12
	कुल	9	13	0	0	0	0	22
सेमेस्टर -IV	पुरुष	2	1	0	0	0	0	3
	महिला	9	6	1	0	0	0	16
	कुल	11	7	1	0	0	0	19
कुल योग		20	20	1	0	0	0	41

* पीएच (सामाजिक वर्ग के साथ) # अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)

एमएससी मैथेमेटिक्स

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर-II	पुरुष	7	7	0	0	0	0	14
	महिला	2	5	1	0	0	0	8
	कुल	**9**	**12**	**1**	**0**	**0**	**0**	**22**
सेमेस्टर -IV	पुरुष	6	8	0	0	0	0	14
	महिला	3	6	1	0	0	0	10
	कुल	**9**	**14**	**1**	**0**	**0**	**0**	**24**
कुल योग		**18**	**26**	**2**	**0**	**0**	**0**	**46**

एमएससी स्टेटिस्टिक्स

सेमेस्टर-II	पुरुष	10	2	2	0	0	0	14
	महिला	1	2	0	0	0	0	3
	कुल	**11**	**4**	**2**	**0**	**0**	**0**	**17**
सेमेस्टर -IV	पुरुष	5	2	1	0	0	0	8
	महिला	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	**6**	**2**	**1**	**0**	**0**	**0**	**9**
कुल योग		**17**	**6**	**3**	**0**	**0**	**0**	**26**

एमए कम्युनिकेशन एंड मीडिया

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर-II	पुरुष	9	8	1	0	0	0	18
	महिला	4	1	0	0	0	0	5
	कुल	**13**	**9**	**1**	**0**	**0**	**0**	**23**
सेमेस्टर -IV	पुरुष	9	2	3	0	0	0	14
	महिला	9	5	0	0	0	0	14
	कुल	**18**	**7**	**3**	**0**	**0**	**0**	**28**
कुल योग		**31**	**16**	**4**	**0**	**0**	**0**	**51**

एमए डेवलपमेंट स्टडीज

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर-II	पुरुष	1	6	0	0	0	0	7
	महिला	4	1	1	0	0	0	6
	कुल	**5**	**7**	**1**	**0**	**0**	**0**	**13**
सेमेस्टर -IV	पुरुष	0	3	0	0	0	0	3
	महिला	0	0	1	0	0	0	1
	कुल	**0**	**3**	**1**	**0**	**0**	**0**	**4**
कुल योग		**5**	**10**	**2**	**0**	**0**	**0**	**17**

एमए साइकोलॉजी

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर-II	पुरुष	2	1	0	0	0	0	3
	महिला	4	6	0	0	0	0	10
	कुल	**6**	**7**	**0**	**0**	**0**	**0**	**13**
सेमेस्टर -IV	पुरुष	0	1	1	0	0	0	2
	महिला	3	0	0		0	0	3
	कुल	**3**	**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**5**
कुल योग		**9**	**8**	**1**	**0**	**0**	**0**	**18**

* पीएच (सामजिक वर्ग के साथ) # अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)

एमए इकोनोमिक्स

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर-II	पुरुष	9	7	0	0	0	0	16
	महिला	5	0	0	0	0	0	5
	कुल	14	7	0	0	0	0	21
सेमेस्टर -IV	पुरुष	1	1	1	0	0	0	3
	महिला	2	3	0	0	0	0	5
	कुल	3	4	1	0	0	0	8
कुल योग		17	11	1	0	0	0	29

एमए पॉलिटिकल साइंस एंड इंटरनेशनल रिलेशंस

सेमेस्टर-II	पुरुष	4	3	0	0	0	0	7
	महिला	0	2	0	0	0	0	2
	कुल	4	5	0	0	0	0	9
सेमेस्टर -IV	पुरुष	2	3	0	0	0	0	5
	महिला	2	0	0	0	0	0	2
	कुल	4	3	0	0	0	0	7
कुल योग		8	8	0	0	0	0	16

एमए सोशियोलोजी

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर-II	पुरुष	2	0	0	0	0	0	2
	महिला	0	1	0	0	0	0	1
	कुल	2	1	0	0	0	0	3
सेमेस्टर -IV	पुरुष	0	0	1	0	0	0	1
	महिला	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	1	0	1	0	0	0	2
कुल योग		3	1	1	0	0	0	5

एमए इंग्लिश

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर-II	पुरुष	2	4	1	0	0	0	7
	महिला	9	4	1	0	0	0	14
	कुल	11	8	2	0	0	0	21
सेमेस्टर -IV	पुरुष	1	0	0	0	0	0	1
	महिला	4	0	0	0	0	0	4
	कुल	5	0	0	0	0	0	5
कुल योग		16	8	2	0	0	0	26

एमए हिन्दी

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर-II	पुरुष	2	0	0	0	0	0	2
	महिला	2	0	0	0	0	0	2
	कुल	4	0	0	0	0	0	4
सेमेस्टर -IV	पुरुष	1	0	0	0	0	0	1
	महिला	1	1	0		0	0	2
	कुल	2	1	0	0	0	0	3
कुल योग		6	1	0	0	0	0	7

* पीएच (सामजिक वर्ग के साथ) # अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)

एलएलएम

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर-II	पुरुष	6	8	3	0	0	0	17
	महिला	1	1	1	0	0	0	3
	कुल	7	9	4	0	0	0	20
कुल योग		7	9	4	0	0	0	20

पोस्टग्रेजुएट (पीजी) कुल

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर-II	पुरुष	65	67	13	0	0	0	145
	महिला	67	56	8	0	0	0	131
	कुल	132	123	21	0	0	0	276
सेमेस्टर-IV	पुरुष	44	34	9	0	0	0	87
	महिला	58	39	9	0	0	0	106
	कुल	102	73	18	0	0	0	193
कुल योग		234	196	39	0	0	0	469

एकीकृत एम.फिल - पीएच.डी.

एकीकृत एम.फिल - पीएचडी बायोटेक्नोलोजी

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर-III	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0
	महिला	0	1	0	0	0	0	1
	कुल	0	1	0	0	0	0	1
सेमेस्टर-VI	पुरुष	1	1	1	0	0	0	3
	महिला	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	2	1	1	0	0	0	4
कुल योग		2	2	1	0	0	0	5

एकीकृत एम.फिल - पीएचडी लाइफ साइंस

सेमेस्टर-III	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0
	महिला	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	1	0	0	0	0	0	1
कुल योग		1	0	0	0	0	0	1

एकीकृत एम.फिल - पीएचडी बायोइन्फार्मेटिक्स

सेमेस्टर-III	पुरुष	0	0	2	0	0	0	2
	महिला	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	0	0	2	0	0	0	2
कुल योग		0	0	2	0	0	0	2

एकीकृत एम.फिल - पीएचडी एनवायरनमेंटल साइंस

सेमेस्टर-III	पुरुष	1	0	0	0	0	0	1
	महिला	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	1	0	0	0	0	0	1
सेमेस्टर-VI	पुरुष	0	2	1	0	0	0	3
	महिला	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	0	2	1	0	0	0	3
कुल योग		1	2	1	0	0	0	4

* पीएच(सामजिक वर्ग के साथ) # अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)

एकीकृत एम.फिल - पीएचडी मैथेमेटिक्स

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर - V	पुरुष	1	1	0	0	0	0	2
	महिला	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**
कुल योग		**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**

एकीकृत एम.फिल – पीएचडी स्टेटिस्टिक्स

सेमेस्टर -III	पुरुष	1	0	0	0	0	0	1
	महिला	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**
सेमेस्टर -V	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0
	महिला	0	1	0	0	0	0	1
	कुल	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**
कुल योग		**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**

एकीकृत एम.फिल – पीएचडी कंप्यूटर साइंस

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर - VI	पुरुष	1	0	0	0	0	0	1
	महिला	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**
कुल योग		**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**

एकीकृत एम.फिल – पीएचडी डेवलपमेंट स्टडीज

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर - VI	पुरुष	1	0	1	0	0	0	2
	महिला	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	**1**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**2**
कुल योग		**1**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**2**

एकीकृत एम.फिल – पीएचडी इकोनॉमिक्स

सेमेस्टर - VI	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0
	महिला	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**
कुल योग		**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**

एकीकृत एम.फिल - पीएचडी पोलिटिकल साइंस एंड इंटरनेशनल रिलेशंस

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर - III	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0
	महिला	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**
कुल योग		**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**

एकीकृत एम.फिल – पीएचडी हिंदी

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर - VI	पुरुष	0	1	0	0	0	0	1
	महिला	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**
कुल योग		**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**

* पीएच(सामजिक वर्ग के साथ) # अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)

एकीकृत एम.फिल – पीएचडी कुल

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर -III	पुरुष	2	0	2	0	0	0	4
	महिला	2	1	0	0	0	0	3
	कुल	4	1	2	0	0	0	7
सेमेस्टर -V	पुरुष	1	1	0	0	0	0	2
	महिला	0	1	0	0	0	0	1
	कुल	1	2	0	0	0	0	3
सेमेस्टर -VI	पुरुष	3	4	3	0	0	0	10
	महिला	4	0	0	0	0	0	4
	कुल	7	4	3	0	0	0	14
कुल योग		12	7	5	0	0	0	24

पीएचडी कार्यक्रम

पीएचडी एजुकेशन

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर - I फरवरी, 2017	पुरुष	0	1	0	0	0	0	1
	महिला	1	1	0	0	0	0	2
	कुल	1	2	0	0	0	0	3
कुल योग		1	2	0	0	0	0	3

पीएचडी लॉ

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर - I फरवरी, 2017	पुरुष	3	1	2	0	0	0	6
	महिला	0	0	1	0	0	0	1
	कुल	3	1	3	0	0	0	7
कुल योग		3	1	3	0	0	0	7

पीएचडी इंग्लिश

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर - I फरवरी, 2017	पुरुष	1	0	0	0	0	0	1
	महिला	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	2	0	0	0	0	0	2
कुल योग		2	0	0	0	0	0	2

पीएचडी हिंदी

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर - I फरवरी, 2017	पुरुष	1	0	0	0	0	0	1
	महिला	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	2	0	1	0	0	0	3
कुल योग		2	0	1	0	0	0	3

पीएचडी पोलिटिकल साइंस एंड इंटरनेशनल रिलेशंस

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर - I फरवरी, 2017	पुरुष	4	2	0	0	0	0	6
	महिला	2	1	0	0	0	0	3
	कुल	6	3	0	0	0	0	9
कुल योग		6	3	0	0	0	0	9

* पीएच (सामजिक वर्ग के साथ) # अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)

पीएचडी डेवलपमेंट स्टडीज

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर - I फरवरी, 2017	पुरुष	1	0	0	0	0	0	1
	महिला	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**
कुल योग		**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**

पीएचडी इकोनॉमिक्स

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर - I फरवरी, 2017	पुरुष	1	0	0	0	0	0	1
	महिला	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**
कुल योग		**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**

पीएचडी सोशियोलॉजी

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर - I फरवरी, 2017	पुरुष	3	0	0	0	0	0	3
	महिला	2	0	0	0	0	0	2
	कुल	**5**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**5**
कुल योग		**5**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**5**

पीएचडी बायोटेक्नोलॉजी

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर - I फरवरी, 2017	पुरुष	2	0	1	0	0	0	3
	महिला	3	2	0	0	0	0	5
	कुल	**5**	**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**7**
कुल योग		**5**	**2**	**1**	**0**	**0**	**0**	**8**

पीएचडी लाइफ साइंस

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर - I फरवरी, 2017	पुरुष	2	0	0	0	0	0	2
	महिला	2	1	0	0	0	0	3
	कुल	**4**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**5**
कुल योग		**4**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**5**

पीएचडी एनवायरनमेंटल साइंस

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर - I फरवरी, 2017	पुरुष	1	4	1	0	0	0	6
	महिला	2	0	0	0	0	0	2
	कुल	**3**	**4**	**0**	**0**	**0**	**0**	**7**
कुल योग		**3**	**4**	**1**	**0**	**0**	**0**	**8**

पीएचडी मैथेमेटिक्स

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर - I फरवरी, 2017	पुरुष	2	2	0	0	0	0	4
	महिला	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	**3**	**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**5**
कुल योग		**3**	**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**5**

* पीएच(सामजिक वर्ग के साथ) # अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)

पीएचडी स्टेटिस्टिक्स

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर - I फरवरी, 2017	पुरुष	1	0	0	0	0	0	1
	महिला	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**
कुल योग		**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**

पीएचडी साइकोलॉजी

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर - I फरवरी, 2017	पुरुष	2	0	0	0	0	0	2
	महिला	0	1	0	0	0	0	1
	कुल	**2**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**3**
कुल योग		**2**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**3**

पीएचडी कम्युनिकेशन एंड मीडिया स्टडीज

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर - I फरवरी, 2017	पुरुष	2	1	1	0	0	0	4
	महिला	2	1	0	0	0	0	3
	कुल	**4**	**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**6**
कुल योग		**4**	**2**	**1**	**0**	**0**	**0**	**7**

एकीकृत एम.फिल – पीएचडी + पीएचडी कुल

सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
पीएचडी	पुरुष	26	13	5	0	0	0	44
	महिला	17	7	2	0	0	0	26
	कुल	**43**	**20**	**7**	**0**	**0**	**0**	**70**
इंटीग्रेटेड एम.फिल - पीएचडी	पुरुष	32	18	10	0	0	0	60
	महिला	23	9	2	0	0	0	34
	कुल	**55**	**27**	**12**	**0**	**0**	**0**	**94**
कुल योग		**98**	**47**	**19**	**0**	**0**	**0**	**164**

* पीएच (सामजिक वर्ग के साथ) # अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)

यूजी, पीजी, इंटीग्रेटेड एम.फिल - पीएचडी और पीएचडी कार्यक्रमों का कुल

लिंग	सामान्य	ओबीसी	एससी	एससी	पीएच*	अन्य#	कुल
पुरुष	281	236	72	4	1	0	594
महिला	243	156	38	3	0	0	440
कुल	**524**	**392**	**110**	**7**	**1**	**0**	**1034**

* पीएच (सामजिक वर्ग के साथ) # अन्य, यदि हों (निर्दिष्ट करें)

सीयूएसबी से विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति/ विद्यार्थीवृत्ति

विश्वविद्यालय मेधावी एवं आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों हेतु विभिन्न समूहों में बड़ी संख्या में छात्रवृत्ति/ विद्यार्थीवृत्ति योजनायें प्रदान करता है जो निम्नलिखित है. वित्तीय सहयोग विद्यार्थियों को आर्थिक हालात एवं अन्य सबंधित पैरामीटर्स को जांचने के उपरान्त प्रदान किया जाता है।

सेमेस्टर/ सीयूएसबीईटी टोपर्स को मेधा छात्रवृत्ति

विश्वविद्यालय उन विद्यार्थियों को प्रोत्साहित और अनुसमर्थित करता है जिनकी उपस्थिति सेमेस्टर अवधि में शत-प्रतिशत होती है। ऐसे सभी विद्यार्थियों को एकमुश्त 1000/- रू. पुस्तक अनुदान के रूप में भुगतान किया जाता है।

सेमेस्टर टौपर स्कोलरशिप – प्रथम सेमेस्टर

क्र. सं.	छात्र का नाम	पंजीयन सं.	कार्यक्रम
1	नूर हसन	सीयूएसबी 1501112002	एमए डेवलपमेंट स्टडीज़
2	सादिया अफजल	सीयूएसबी 1501212006	एमए इकोनॉमिक्स
3	अंजू कुमारी	सीयूएसबी 1501412001	एमए पॉलिटिकल साइंस एंड आईआर
4	अदिति प्रिया	सीयूएसबी 1508112001	एमए इंगलिश
5	प्रियंका कुमारी	सीयूएसबी 1508212002	एमए हिन्दी
6	रॉबिन विन्सेंट	सीयूएसबी 1513125037	बीए एलएलबी
7	सौरभ प्रियदर्शी	सीयूएसबी 143115018	बीएससी एलएलबी
8	सुष्मिता मिश्रा	सीयूएसबी 1511124044	बीए बीएड
9	रोमा कुमारी	सीयूएसबी 1511114018	बीएससी बीएड
10	अंकिता कुमारी	सीयूएसबी 1502312005	एमएससी कंप्यूटर साइंस
11	रवीश कान्त	सीयूएसबी 1502212007	एमएससी स्टेटिस्टिक्स
12	अदिति अरोरा	सीयूएसबी 1503132001	एमएससी लाइफ साइंस
13	प्रिया रानी	सीयूएसबी 1503112013	एमएससी बायोटेक्नोलोजी
14	निजेता	सीयूएसबी 1503122005	एमएससी बायोइन्फ़ौर्मेटिक्स
15	वर्षा गोस्वामी	सीयूएसबी 1503212019	एमएससी एनवाइर्नमेंटल साइंस
16	जया शुक्ला	सीयूएसबी 1507112002	एमए साइकोलोजी
17	साक्षी	सीयूएसबी 1509112020	एमए कम्यूनिकेशन एंड मीडिया
18	निभा कुमारी	सीयूएसबी 150312002	एमए सोशियोलोजी
19	श्रुति	सीयूबी 1413115027	बीएससी एलएलबी
20	नवनीत कुमार	सीयूबी 1413125022	बीए एलएलबी
21	आस्था प्रिया	सीयूबी 1411124001	बीए बीएड
22	सुधा सिन्हा	सीयूबी 1411114018	बीएससी बीएड
23	रौनक कुमार सिंह	सीयूबी 1311124022	बीए बीएड. द्वितीय सेमेस्टर
24	अंजर हसन	सीयूबी 1311114016	बीएससी बीएड द्वितीय सेमेस्टर
25	शुभम आनंद	सीयूबी 131325024	बीए एलएलबी द्वितीय सेमेस्टर

सेमेस्टर टौपर स्कोलरशिप - द्वितीय सेमेस्टर

क्र. सं.	छात्र का नाम	पंजीयन सं.	कार्यक्रम
1	रूबी चौधरी	सीयूबी 1401212009	एमए इकोनॉमिक्स
2	वंदना मिश्रा	सीयूबी 1401412004	एमए पॉलिटिकल साइंस एंड आईआर
3	शब्दिता कल्याणी	सीयूबी 1408112013	एमए इंगलिश

सेमेस्टर टौपर स्कोलरशिप - द्वितीय सेमेस्टर

क्र. सं.	छात्र का नाम	पंजीयन सं.	कार्यक्रम
4	नवनीत कुमार	सीयूबी 1413125022	बीए एलएलबी
5	श्रुति	सीयूबी 1413115027	बीएससी एलएलबी
6	आस्था प्रिया	सीयूबी 1411124001	बीए बीएड
7	सुधा सिन्हा	सीयूबी 1411114018	बीएससी बीएड
8	रॉबिन विन्सेंट	सीयूएसबी 1513125037	बीए एलएलबी
9	सौरभ प्रियदर्शी	सीयूएसबी 143115018	बीएससी एलएलबी
10	प्रीति दुबे	सीयूएसबी 1511114013	बीएससी बीएड
11	अंकिता राज	सीयूबी 1411124008	बीए बीएड
12	शिवशंकर कुमार	सीयूबी 1411124026	बीए बीएड
13	सुधा सिन्हा	सीयूबी 1411114018	बीएससी बीएड
14	रश्मि प्रसाद	सीयूएसबी 1502112019	एमएससी मेथेमेटिक्स
15	प्रेमलता कुमारी	सीयूएसबी 1503112012	एमएससी बायोटेक्नोलोजी
16	रश्मि रंजन	सीयूएसबी 1503212015	एमएससी एनवाइर्नमेंटल साइंस
17	जया शुक्ला	सीयूएसबी 1507112002	एमए साइकोलोजी
18	बिन्नी कुमारी	सीयूबी 1413115009	बीएससी एलएलबी
19	प्रीति किशोर	सीयूबी 1413115014	बीएससी एलएलबी
20	सादिया अफजल	सीयूएसबी 1501212006	एमए इकोनॉमिक्स
21	अंजु कुमारी	सीयूएसबी 1501412001	एमए पॉलिटिकल साइंस एंड आईआर
22	अदिति प्रिया	सीयूएसबी 1508112001	एमए इंगलिश
23	प्रियंका कुमारी	सीयूएसबी 1508212002	एमए हिन्दी
24	प्रियंका कुमारी	सीयूबी 311124021	बीए बीएड
25	अंजर हसन	सीयूबी 1311114016	बीएससी बीएड
26	शुभम आनंद	सीयूबी 131325024	बीए एलएलबी

सेमेस्टर टौपर स्कोलरशिप - तीसरा सेमेस्टर

क्र. सं.	छात्र का नाम	पंजीयन सं.	कार्यक्रम
1	शिशुकेश कुमार	सीयूबी 1407112007	एमए साइकोलोजी
2	अविनीता गौतम	सीयूबी 1402112003	एमएससी मेथेमेटिक्स
3	विकास कुमार ठाकुर	सीयूबी 1402212008	एमएससी स्टेटिस्टिक्स
4	फ़ौजिया परवीन	सीयूबी 1403132001	एमएससी लाइफ साइंस
5	अमिता कुमारी	सीयूबी 1403212004	एमएससी एनवाइर्नमेंटल साइंस
6	श्वेता कुमारी	सीयूबी 1403122021	एमएससी बायोइन्फ़ौर्मेटिक्स
7	ज़ेबा रिजवी	सीयूबी 1403112025	एमएससी बायोटेक्नोलोजी
8	अंकिता	सीयूबी 1409112003	एमए कम्यूनिकेशन एंड मीडिया
9	रूबी चौधरी	सीयूबी 1401212009	एमए इकोनॉमिक्स
10	वंदना मिश्रा	सीयूबी 1401412004	एमए पॉलिटिकल साइंस एंड आईआर
11	अंजलिका श्रीवास्तव	सीयूबी 1401412001	एमए पॉलिटिकल साइंस एंड आईआर
12	पिंकी कुमारी	सीयूबी 1408112008	एमए इंगलिश

सेमेस्टर टौपर स्कोलरशिप – चौथा सेमेस्टर

क्र. सं.	छात्र का नाम	पंजीयन सं.	कार्यक्रम
1	अनुपम रवि	सीयूबी 1311124007	बीए बीएड
2	रोहित कुमार	सीयूबी 1311114026	बीएससी बीएड
3	अतुल रत्ना	सीयूबी 1313125009	बीए एलएलबी
4	सान्या दरखशां	सीयूबी 1313115017	बीएससी एलएलबी

सेमेस्टर टौपर स्कोलरशिप – पाँचवाँ सेमेस्टर

क्र. सं.	छात्र का नाम	पंजीयन सं.	कार्यक्रम
1	रौनक कुमार सिंह	सीयूबी 1311124022	बीए बीएड
2	रोहित कुमार	सीयूबी 1311114026	बीएससी बीएड
3	कृति सहाय	सीयूबी 1313125013	बीए एलएलबी
4	सान्या दरखशां	सीयूबी 1313115017	बीएससी एलएलबी

सेमेस्टर टौपर स्कोलरशिप – छठा सेमेस्टर

क्र. सं.	छात्र का नाम	पंजीयन सं.	कार्यक्रम
1	रौनक कुमार सिंह	सीयूबी 1311124007	बीए बीएड
2	रोहित कुमार	सीयूबी 1311114021	बीएससी बीएड
3	कृति सहाय	सीयूबी 1313115017	बीएससी एलएलबी

सीयूएसबीईटी 2016 टौपर स्कौलरशिप

क्र. सं.	छात्र का नाम	पंजीयन सं.	कार्यक्रम
1	निशांत कुमार मधुकर	सीयूएसबी 1601112009	एमए डेवलपमेंट स्टडीज़
2	प्रिया आनंद	सीयूएसबी 1601212014	एमए इकोनॉमिक्स
3	रवीन्द्र प्रताप	सीयूएसबी 1601412008	एमए पॉलिटिकल साइंस एंड आईआर
4	रीता कुमारी	सीयूएसबी 1601312003	एमए साइकोलोजी
5	स्नेहल सहाय	सीयूएसबी 1608112021	एमए इंगलिश
6	उत्तम कुमार	सीयूएसबी 161312504	बीए एलएलबी
7	विवेक कुमार	सीयूएसबी 161312550	बीए एलएलबी
8	राकेश कुमार वर्मा	सीयूएसबी 1611124035	बीए बीएड
9	मधुलिका मधु	सीयूएसबी 1611114030	बीएससी बीएड
10	अभिनव कुमार	सीयूएसबी 1602112002	एमएससी मेथेमेटिक्स
11	नीतीश कुमार	सीयूएसबी 1602212011	एमएससी स्टेटिस्टिक्स
12	प्रियान्शु प्रिया	सीयूएसबी 1602312016	एमएससी कंप्यूटर साइंस
13	जूही कुमारी	सीयूएसबी 1603132012	एमएससी लाइफ साइंस
14	स्नेहलता सिंह	सीयूएसबी 1603112022	एमएससी बायोटेक्नोलोजी
15	सौम्य सुभाषिणी	सीयूएसबी 1603112024	एमएससी बायोटेक्नोलोजी
16	काव्या सिन्हा	सीयूएसबी 1603122004	एमएससी बायोइन्फ़ौमेटिक्स
17	बशीर बर्केयाब	सीयूएसबी 1603212006	एमएससी एनवाइर्नमेंटल साइंस
18	मिट्टू राय	सीयूएसबी 1603212009	एमएससी एनवाइर्नमेंटल साइंस
19	राबिया फातिमा	सीयूएसबी 1607112005	एमए साइकोलोजी
20	गणेश कुमार रंजन	सीयूएसबी 1609112007	एमए कम्यूनिकेशन एंड मीडिया

उपस्थिति आधारित छात्रवृत्ति

विश्वविद्यालय उन विद्यार्थियों को प्रोत्साहित और अनुसमर्थित करता है जिनकी उपस्थिति सेमेस्टर अवधि में शत-प्रतिशत होती है। ऐसे सभी विद्यार्थियों को एकमुश्त 1000/- रू. पुस्तक अनुदान के रूप में भुगतान किया जाता है।

एमएससी मेथेमेटिक्स – सत्र 2014-16

क्र. सं.	छात्र का नाम	पंजीयन सं.	कार्यक्रम
1	सुधाकर मिश्रा	सीयूबी 1402112017	चौथा सेमेस्टर
2	अविनीता गौतम	सीयूबी 1402112003	दूसरा सेमेस्टर
3	सुजीत कुमार	सीयूबी 1402112018	दूसरा सेमेस्टर

सत्र 2014-16, तीसरा सेमेस्टर (उपस्थिति जुलाई 2015 से दिसंबर 2015)

क्र. सं.	छात्र का नाम	पंजीयन सं.	कार्यक्रम
1	सुजीत कुमार	सीयूबी 1402112018	एमएससी मेथेमेटिक्स
2	विक्रांत कुमार	सीयूबी 1402112022	एमएससी मेथेमेटिक्स
3	रूबी चौधरी	सीयूबी 1401212009	एमए इकोनॉमिक्स

सत्र 2015-17, पहला सेमेस्टर (उपस्थिति जुलाई 2015 से दिसंबर 2015)

क्र. सं.	छात्र का नाम	पंजीयन सं.	कार्यक्रम
1	दरक्षण	सीयूएसबी 1503112003	एमएससी बायोटेक्नोलोजी
2	नेहा	सीयूएसबी 1503112011	एमएससी बायोटेक्नोलोजी
3	शिखा सिंह	सीयूएसबी 1502112022	एमएससी मेथेमेटिक्स
4	रश्मि प्रसाद	सीयूएसबी 1502112019	एमएससी मेथेमेटिक्स
5	वैभव शेखर	सीयूएसबी 1502112025	एमएससी मेथेमेटिक्स

सत्र 2013-17, चौथा सेमेस्टर (उपस्थिति जनवरी 2015 से जून 2015)

क्र. सं.	छात्र का नाम	पंजीयन सं.	कार्यक्रम
1	वंदना कुमारी	सीयूबी 1311124031	बीए बीएड
2	गौतम कुमार	सीयूबी 1311124010	बीए बीएड

सत्र 2014-18/19, दूसरा सेमेस्टर (उपस्थिति जनवरी 2015 से जून 2015)

क्र. सं.	छात्र का नाम	पंजीयन सं.	कार्यक्रम
1	अपर्णा कुमारी	सीयूबी 1411124009	बीए बीएड
2	दिप्ती प्रकाश	सीयूबी 1411124013	बीए बीएड
3	सुधा सिन्हा	सीयूबी 1411114018	बीएससी बीएड
4	श्रुति	सीयूबी 1413115027	बीएससी एलएलबी
5	प्रीति किशोर	सीयूबी 1413115014	बीएससी एलएलबी
6	अंजनी कुमार	सीयूबी 1413115004	बीएससी एलएलबी

सत्र 2014-18/19, तीसरा सेमेस्टर (उपस्थिति जुलाई 2015 से दिसंबर 2015)

क्र. सं.	छात्र का नाम	पंजीयन सं.	कार्यक्रम
1	अभिनव राज	सीयूबी 1413125002	बीए एलएलबी
2	श्रुति	सीयूबी 1413115027	बीएससी एलएलबी

सत्र 2015-19, पहला सेमेस्टर (उपस्थिति जुलाई 2015 से दिसंबर 2015)

क्र. सं.	छात्र का नाम	पंजीयन सं.	कार्यक्रम
1	रोमा कुमारी	सीयूएसबी 1511114018	बीएससी बीएड

अध्ययन सह उपार्जन योजना (ईडब्ल्यूएल)

विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रोत्साहित और अनुसमर्थित करने तथा उनमें उत्तम सहयोग और नेतृत्व कौशल विकसित करने का लक्ष्य लिये यह विश्वविद्यालय की एक अद्भुत योजना है। इस योजना के अन्तर्गत किसी विद्यार्थी को प्रति सप्ताह अधिकतम दस घंटे का कार्य दिया जा सकता है। इसमें पुस्तकालय, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, सामान्य प्रयोगशाला, अध्यापक-कक्ष, विभाग/केन्द्र, कार्यालय, प्लेसमेंट प्रशाखा की खास आवश्यकताओं में सहयोग करना सम्मिलित है। विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को अनुभव प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाता है |

क्र. सं.	छात्र का नाम	पंजीयन सं.	कार्यक्रम / सेमेस्टर
1	आलोक राज	सीयूएसबी 1603212003	एमएससी एनवाइर्नमेंटल साइंस, दूसरा सेमेस्टर
2	दीपक कुमार विश्वकर्मा	सीयूएसबी 1502312010	एमएससी कंप्यूटर साइंस, पहला सेमेस्टर

मेधा-सह-साधन छात्रवृत्ति (एमसीएम)

विश्वविद्यालय उन मेधावी विद्यार्थियों को मेधा-सह-साधन छात्रवृत्ति के द्वारा प्रोत्साहित करता है जिन्हें शिक्षार्जन हेतु वित्तीय सहायता की आवश्यकता होती है। प्रत्येक कार्यक्रम के 20 प्रतिशत विद्यार्थियों को शिक्षण शुल्क माफी के रूप में यह छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। मेधा-सह-साधन छात्रवृत्ति की रियायत ट्यूशन शुल्क के तहत होती है।

सत्र 2016-18, पहला सेमेस्टर (जुलाई से दिसंबर 2016)

क्र. सं.	छात्र का नाम	पंजीयन सं.	कार्यक्रम	वर्ग	% #	भुगतानित राशि रू. में
1	अभिनव	सीयूएसबी 1609112001	एमए सीएमएस	ओबीसी	100%	3500/-
2	शिवानी कुमारी केशरी	सीयूएसबी 1609112020	एमए सीएमएस	ओबीसी	100%	3500/-
3	सोनी कुमारी	सीयूएसबी 1603132022	एमएससी लाइफ साइंस	ओबीसी	100%	2500/-
4	प्रज्ञा	सीयूएसबी 1603132017	एमएससी लाइफ साइंस	सामान्य	100%	2500/-
5	ऐश्वर्या आनन्द	सीयूएसबी 1603132001	एमएससी लाइफ साइंस	ओबीसी	50%	1250/-
6	कोमल कनक	सीयूएसबी 1603132013	एमएससी लाइफ साइंस	ओबीसी	100%	2500/-
7	विश्वनाथ चंद्रा	सीयूएसबी 1602312023	एमएससी कंप्यूटर साइंस	ओबीसी	50%	1250/-
8	गौरव कुमार	सीयूएसबी 1602312002	एमएससी कंप्यूटर साइंस	ओबीसी	100%	2500/-
9	शालिनी सिंह	सीयूएसबी 1602312020	एमएससी कंप्यूटर साइंस	सामान्य	100%	2500/-
10	निशा रानी	सीयूएसबी 1602312011	एमएससी कंप्यूटर साइंस	ओबीसी	100%	2500/-
11	सुप्रिया कुमारी	सीयूएसबी 1602312022	एमएससी कंप्यूटर साइंस	ओबीसी	100%	2500/-
12	प्रियंका कुमारी	सीयूएसबी 1603112016	एमएससी बायोटेक्नोलोजी	ओबीसी	50%	1750/-
13	कहकशा नेयाज़ अंजुम	सीयूएसबी 1603112011	एमएससी बायोटेक्नोलोजी	सामान्य	100%	3500/-
14	सुमायला तहसीन	सीयूएसबी 1602112023	एमएससी मेथेमेटिक्स	ओबीसी	100%	2500/-
15	अभय कुमार सिंह	सीयूएसबी 1602112001	एमएससी मेथेमेटिक्स	सामान्य	100%	2500/-
16	सौरभ कुमार सिंह	सीयूएसबी 1603212020	एमएससी एनवाइर्नमेंटल साइंस	ओबीसी	100%	3500/-
17	प्रकाश दुबे	सीयूएसबी 1603212013	एमएससी एनवाइर्नमेंटल साइंस	सामान्य	100%	3500/-
18	अश्विनी कुमार समीर	सीयूएसबी 1602212004	एमएससी स्टेटिस्टिक्स	सामान्य	100%	2500/-
19	अरविंद कुमार आलोक	सीयूएसबी 1602212003	एमएससी स्टेटिस्टिक्स	सामान्य	100%	2500/-
20	अदिति अरोरा	सीयूएसबी 1503132001	एमएससी लाइफ साइंस	सामान्य	100%	2500/-
21	प्रियरंजन कुमार	सीयूएसबी 1503112014	एमएससी बायोटेक्नोलोजी	सामान्य	100%	3500/-
22	दरक्षण	सीयूएसबी 1503112003	एमएससी बायोटेक्नोलोजी	सामान्य	50%	1750/-
23	सालमा बानो	सीयूएसबी 1503112016	एमएससी बायोटेक्नोलोजी	ओबीसी	50%	1750/-
24	नेहा	सीयूएसबी 1503112011	एमएससी बायोटेक्नोलोजी	ओबीसी	50%	1750/-
25	आजमा शाहीन	सीयूएसबी 1503112002	एमएससी बायोटेक्नोलोजी	ओबीसी	100%	3500/-
26	शाहीन सुलताना	सीयूएसबी 1503112018	एमएससी बायोटेक्नोलोजी	सामान्य	50%	1750/-
27	नाजिया अंजुम	सीयूएसबी 1503112009	एमएससी बायोटेक्नोलोजी	सामान्य	50%	1750/-
28	अभिषेक कुमार	सीयूएसबी 1502312001	एमएससी कंप्यूटर साइंस	ओबीसी	100%	2500/-
29	खुशबू गुप्ता	सीयूएसबी 1503212010	एमएससी एनवाइर्नमेंटल साइंस	ओबीसी	100%	1750/-

छात्रवृत्ति का प्रतिशत

सत्र 2016-18, दूसरा सेमेस्टर (जनवरी – जून 2016)

क्र. सं.	छात्र का नाम	पंजीयन सं.	कार्यक्रम	वर्ग	% #	भुगतानित राशि रू. में
1	रोहित कुमार	सीयूबी 1311114026	बीएससी बीएड	सामान्य	50%	1000/-
2	आशुतोष प्रभाकर	सीयूबी 1311114017	बीएससी बीएड	ओबीसी	100%	2000/-
3	मुकेश कुमार	सीयूबी 1311114021	बीएससी बीएड	ओबीसी	100%	2000/-

सत्र 2016-17, दूसरा सेमेस्टर (जुलाई – दिसंबर 2016)

क्र. सं.	छात्र का नाम	पंजीयन सं.	कार्यक्रम	वर्ग	% #	भुगतानित राशि रू. में
1	मिकी आनंद	सीयूएसबी 1511114009	बीएससी बीएड	सामान्य	50%	1000/-
2	नूतन कुमारी	सीयूएसबी 1511114010	बीएससी बीएड	सामान्य	100%	2000/-
3	प्रियम कुमारी	सीयूएसबी 1511114014	बीएससी बीएड	ओबीसी	100%	2000/-
4	आदिल रजा	सीयूएसबी 1513125005	बीए एलएलबी	ओबीसी	50%	1000/-
5	आशुतोष कुमार	सीयूएसबी 1513125013	बीए एलएलबी	सामान्य	100%	2000/-
6	अखिलेन्द्र पटेल	सीयूएसबी 1513115003	बीएससी एलएलबी	ओबीसी	50%	1000/-
7	विवेका कुमार	सीयूएसबी 1513115020	बीएससी एलएलबी	सामान्य	100%	2000/-
8	रवीन्द्र प्रताप	सीयूएसबी 1601412008	एमए पॉलिटिकल साइंस	सामान्य	50%	1250/-

छात्रवृत्ति का प्रतिशत

2016-17 के दौरान इंटीग्रेटेड एम .फिल -पीएचडी स्कोलर्स को नॉन नेट फ़ेलोशिप

क्र .सं .	छात्र का नाम	पंजीयन सं.	विषय
1	सुशांत कुमार	सीयूबी 1402385001	कंप्यूटर साइंस
2	नादरा सदाफ	सीयूबी 1403185003	बायोटेक्नोलोजी
3	संतोष कुमार मिश्रा	सीयूबी 1403185004	बायोटेक्नोलोजी
4	अरविंद कुमार	सीयूबी 1403185001	बायोटेक्नोलोजी
5	अशी रूथ स्टुअर्ट	सीयूबी 1401285001	इकोनॉमिक्स
6	पूजा कुशवाहा	सीयूबी 1402275001	स्टेटिस्टिक्स
7	मृत्युंजय कुमार सिंह	सीयूबी 1402175001	मेथेमेटिक्स
8	प्रदीप कुमार	सीयूबी 1402175002	मेथेमेटिक्स
9	अरचिसमन बराट	सीयूएसबी 1503275001	एनवायार्नमेंटल साइंस
10	आजमी खान	सीयूएसबी 1503175004	लाइफ साइंस
11	विकास सिंह	सीयूएसबी 1502275001	स्टेटिस्टिक्स

नियुक्तियां / भर्तियाँ

(ए) 1. नियमित आधार पर संकाय सदस्यों की नियुक्ति

स्कूल ऑफ एजुकेशन

डिपार्टमेंट ऑफ टीचर एजुकेशन			
क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि
1	प्रो. कौशल किशोर	प्राध्यापक	02.12.2016
2	डा. रवि कान्त	सह प्राध्यापक	15.12.2016
3	सुश्री चंद्र प्रभा पांडे	सहायक प्राध्यापक	02.12.2016
4	डा. तरुण कुमार त्यागी	सहायक प्राध्यापक	02.12.2016
5	डा. प्रज्ञा गुप्ता	सहायक प्राध्यापक	02.12.2016
6	डा. रवीन्द्र कुमार	सहायक प्राध्यापक	03.12.2016
7	श्री किशोर कुमार	सहायक प्राध्यापक	08.12.2016
8	श्री मो. मोज़म्मिल हसन	सहायक प्राध्यापक	15.12.2016

स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड पॉलिसी

सेंटर फॉर इकोनोमिक स्टडीज एंड पॉलिसीज			
क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि
1	प्रो. शंकर कुमार भौमिक	प्राध्यापक	18.04.2016

स्कूल ऑफ अर्थ, बायोलोजिकल एंड इनवायर्नमेंटल साइंसेज

सेंटर फॉर बायोलोजिकल साइंसेज (बायोटेक्नोलॉजी)			
क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि
1	डा. राकेश कुमार	सह प्राध्यापक	18.04.2016

(ए) 2. पुन: नियुक्ति / संविदा आधार पर संकाय सदस्यों की नियुक्ति

स्कूल ऑफ अर्थ, बायोलोजिकल एंड इनवायर्नमेंटल साइंसेज

सेंटर फॉर बायोलोजिकल साइंसेज (बायोटेक्नोलॉजी)			
क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि
1	डा. अमित रंजन	सहायक प्राध्यापक (संविदा)	01.08.2016

स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड पॉलिसी

सेंटर फॉर सोशियोलोजिकल स्टडीज			
क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि
1	डा. अंबरीश गौतम	सहायक प्राध्यापक (संविदा)	05.08.2016/05.01.2017
सेंटर फॉर इकोनोमिक स्टडीज एंड पॉलिसीज			
क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि
1	डा. तोफन पात्रा	सहायक प्राध्यापक (संविदा)	01.08.2016/05.01.2017
डिपार्टमेंट ऑफ हिस्ट्री			
क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि
1	डा. सुंधांशु कुमार झा	सहायक प्राध्यापक (संविदा)	01.08.2016/05.01.2017

स्कूल ऑफ एजुकेशन

सेंटर फॉर एजुकेशन			
क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि
1	डा. शाम्भवी कुमारी	सहायक प्राध्यापक (संविदा)	01.08.2016
2	डा. रजनीश कुमार	सहायक प्राध्यापक (संविदा)	01.08.2016
3	श्री राम अवध	सहायक प्राध्यापक (संविदा)	05.12.2016
4	श्री मनीष कुमार गौतम	सहायक प्राध्यापक (संविदा)	05.12.2016
5	सुश्री स्वाती गुप्ता	सहायक प्राध्यापक (संविदा)	13.12.2016
6	डा. जितेन्द्र कुमार	सहायक प्राध्यापक (संविदा)	13.12.2016
7	श्री सुधींद्र रॉय	सहायक प्राध्यापक (संविदा)	13.12.2016
8	डा. कविता सिंह	सहायक प्राध्यापक (संविदा)	14.12.2016
9	श्री अवधेश कुमार	सहायक प्राध्यापक (संविदा)	15.12.2016

(बी) गैर शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि
1	डा. संजीव	उप पुस्तकालयाध्यक्ष	20.12.2016
2	श्री संजय कुमार	उप कुलसचिव	18.08.2016
3	श्री शशि भूषण कुमार	आंतरिक लेखापरीक्षक अधिकारी	18.04.2016
4	श्री राजीव कुमार उपाध्याय	कार्यपालक अभियंता	18.08.2016
5	श्री मोहम्मद गुलनवाज़ आज़म	सहायक पुस्तकाध्यक्ष	16.12.2016
6	श्री मनोरंजन कुमार	निजी सचिव	01.02.2017
7	श्री बल्लम रजक	निजी सचिव	07.02.2017
8	श्री मुकेश कुमार	अनुभाग अधिकारी	01.02.2017
9	श्री सुनील प्रताप	सुरक्षा अधिकारी	07.02.2017
10	सुश्री कालिदासी गाईन	नर्स	28.02.2017
11	श्री रत्नेश चंद्र श्रीवास्तव	निजी सहायक	21.02.2017
12	श्री विनोद कुमार	सहायक	01.02.2017
13	श्री जितेंद्र कुमार	सहायक	31.03.2017
14	श्री अतुल सिंह	जूनियर इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल)	27.02.2017
15	श्री प्रशांत रमन	तकनीकी सहायक (कंप्यूटर लैब)	01.02.2017
16	श्री मोहम्मद नूर अली इमाम हसन	तकनीकी सहायक (मीडिया लैब)	06.02.2017
17	श्री राकेश रंजन	तकनीकी सहायक (कंप्यूटर लैब)	31.03.2017
18	श्री सागर कुमार वर्मा	प्रवर श्रेणी लिपिक	31.03.2017
19	श्रीमती रश्मि कुमारी	प्रयोगशाला सहायक	27.02.2017
20	श्री राजकुमार सरदार	प्रयोगशाला सहायक	31.03.2017
21	श्री अमित कुमार	अवर श्रेणी लिपिक	14.02.2017
22	श्री धर्मेंद्र सिंह	अवर श्रेणी लिपिक	08.02.2017
23	श्री रामजतन प्रजापति	अवर श्रेणी लिपिक	06.02.2017
24	श्री अनुज प्रकाश	अवर श्रेणी लिपिक	09.02.2017
25	श्री अरुण कुमार सिंह	अवर श्रेणी लिपिक	02.02.2017
26	श्री कौशलेश कुमार	अवर श्रेणी लिपिक	31.03.2017
27	श्री शुभम कुमार पांडे	प्रयोगशाला परिचर	31.03.2017
28	श्री सन्नी कुमार गुप्ता	मेडिकल अटेंडेंट / ड्रेसर	01.02.2017

विश्वविद्यालय के सांविधिक प्राधिकार

विश्वविद्यालय कोर्ट के सदस्य

क्र. सं.	सदस्य के नाम	पदनाम
1	श्रीमती मीरा कुमार	प्रथम कुलाधिपति एवं अध्यक्ष
2	प्रो. एच. सी. एस. राठौर	कुलपति, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय
3	डा. गायत्री विश्वनाथ पाटिल	कुलसचिव, सीयूएसबी एवं सदस्य सचिव
# विश्वविद्यालय कोर्ट के अन्य सदस्यों के नाम जल्द ही अधिसूचित किए जाएँगे		

कार्यकारी परिषद् के सदस्यगण

क्र. सं.	सदस्य के नाम	पदनाम
1	प्रो. एच. सी. एस. राठौर	कुलपति, सीयूएसबी एवं पदेन अध्यक्ष
2	श्री केवल कुमार शर्मा	सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, एमएचआरडी, भारत सरकार
3	श्री आर. के. महाजन	प्रधान सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, पटना
4	प्रो.सी.पी.एस.चौहान	पूर्व डीन, फैकल्टी ऑफ एजुकेशन, एएमयू, अलीगढ़
5	प्रो. ओमप्रकाश राय	प्रति कुलपति, सीयूएसबी
6	डा. ललन सिंह	सेवानिवृत्त प्रो. डिपार्टमेन्ट ऑफ ज्योग्रफी, मगध यूनिवर्सिटी, गया
7	डा.. मुरारी शरण मांगलिक	अध्यक्ष, डिपार्टमेन्ट ऑफ संस्कृत, बी.एन. कॉलेज, पटना
8	प्रो. (डा.) ज्योति शेखर	डीन, फैकल्टी ऑफ कॉमर्स, पटना यूनिवर्सिटी, पटना
9	डा.. राजीव रंजन	डिपार्टमेन्ट ऑफ हिस्ट्री, कॉलेज ऑफ कॉमर्स, पटना
10	प्रो. रेखा अग्रवाल	डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन, सीयूएसबी
11	प्रो. श्यामानंद सिंह	डीन, स्कूल ऑफ सोशल साइनसेज एंड पॉलिसी, सीयूएसबी
12	प्रो. कौशल किशोर	अध्यक्ष, सेंटर फॉर एजुकेशन, सीयूएसबी
13	डा. प्रधान पार्थसारथी	सह प्राध्यापक, सेंटर फॉर ईवीएस, सीयूएसबी
14	डा.. विवेक कुमार जैन	सहायक, डिपार्टमेन्ट ऑफ मेथेमेटिक्स, सीयूएसबी
15	डा. गायत्री विश्वनाथ पाटिल	कुलसचिव, सीयूएसबी एवं पदेन सचिव

शैक्षणिक परिषद् के सदस्यगण

क्र. सं.	सदस्य के नाम	पदनाम
1	प्रो. एच. सी. एस. राठौर	कुलपति, सीयूएसबी एवं पदेन अध्यक्ष
2	प्रो. ओमप्रकाश राय	प्रति कुलपति, सीयूएसबी
3	प्रो. जयप्रकाश शर्मा	पूर्व डीन, फैकल्टी ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स, दिल्ली यूनिवर्सिटी
4	प्रो. आनंद कुमार श्रीवास्तव	डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्यूटिक्स, आइआइटी (बीएचयू), वाराणसी, यूपी
5	प्रो. श्याम बिहारी द्विवेदी	डिपार्टमेंट ऑफ सिविल इंजीनियरिंग, वाराणसी, यूपी
6	प्रो. बलराज मित्तल	अध्यक्ष, डिपार्टमेंट ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स, संजय गांधी पीजी इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, लखनऊ, यूपी
7	प्रो. लाल बहादुर	डिपार्टमेंट ऑफ केमेस्ट्री, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, यूपी
8	प्रो. एस. के. सिंह	अध्यक्ष एवं डीन, स्कूल ऑफ मेनेजमेंट स्टडीज, बीएचयू, वाराणसी, यूपी
9	प्रो. रेखा अग्रवाल	डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन, सीयूएसबी

क्र. सं.	सदस्य के नाम	पदनाम
10	प्रो. श्यामानंद सिंह	डीन, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड पॉलिसी, सीयूएसबी
11	प्रो. संजय प्रकाश श्रीवास्तव	डीन, स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस, सीयूएसबी
12	प्रो. रवींद्र सिंह राठौर	डीन, स्कूल ऑफ अर्थ, बायोलोजिकल एंड इनवायर्नमेंटल साइंसेज, सीयूएसबी
13	प्रो. अरूण कुमार सिन्हा	डीन (प्रभारी), स्कूल ऑफ मेथेमेटिक्स,स्टेटिस्टिक्स एंड कम्प्यूटर साइंस, सीयूएसबी
14	प्रो. तेजबहादुर सिंह	डीन (प्रभारी), स्कूल ऑफ ह्यूमन साइंसेज, सीयूएसबी
15	प्रो. प्रभात कुमार सिंह	डीन (प्रभारी), स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज एंड लिटरेचर, सीयूएसबी
16	प्रो. शंकर कुमार भौमिक	अध्यक्ष, सेंटर फॉर इकोनोमिक स्टडीज एंड पालिसी, सीयूएसबी
17	डा. सनत कुमार शर्मा	अध्यक्ष, सेंटर फॉर सोशिओलोजिकल स्टडीज, सीयूएसबी
18	डा. समापिका मोहापात्रा	अध्यक्ष, सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज, सीयूएसबी
19	डा. अतीश पराशर	सेंटर फॉर मास कम्युनिकेशन एंड मीडिया, सीयूएसबी
20	डा. राम कुमार	अध्यक्ष, सेंटर फॉर एनवायर्नमेंटल साइंस, सीयूएसबी
21	डा. हरे कृष्ण निगम	अध्यक्ष, डिपार्टमेंट ऑफ मेथेमेटिक्स, सीयूएसबी
22	डा. प्रधान पार्थ सारथी	सह प्राध्यापक, सेंटर फॉर एनवायर्नमेंटल साइंस, सीयूएसबी
23	डा. आलोक कुमार गुप्ता	सह प्राध्यापक, सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज, सीयूएसबी
24	प्रो. कौशल किशोर	प्राध्यापक, सेंटर फॉर एजुकेशन, सीयूएसबी
25	डा. पवन कुमार मिश्रा	सह प्राध्यापक, स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस, सीयूएसबी
26	सुश्री स्मिता रॉय	सहायक प्राध्यापक, डिपार्टमेंट ऑफ कम्प्यूटर साइंस, सीयूएसबी
27	डा. कृष्ण प्रकाश	सहायक प्राध्यापक, सेंटर फॉर बायोलोजिकल साइंसेज, सीयूएसबी
28	डा. किंशुक पाठक	सहायक प्राध्यापक, सेंटर फॉर मास कम्युनिकेशन एंड मीडिया, सीयूएसबी
29	डा. दास अम्बिका भारती	सेंटर फॉर साइकोलोजिकल साइंसेज, सीयूएसबी
30	डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर	पूर्व से नामित डा. सनत कुमार शर्मा
31	प्रॉक्टर	पूर्व से नामित प्रो. कौशल किशोर
32	डा. गायत्री विश्वनाथ पाटिल	कुलसचिव, सीयूएसबी एवं पदेन सचिव

वित्त समिति के सदस्यगण

क्र. सं.	सदस्य के नाम	पदनाम
1	प्रो. एच. सी. एस. राठौर	कुलपति, सीयूएसबी एवं पदेन अध्यक्ष
2	प्रो. ओमप्रकाश राय	प्रति कुलपति, सीयूएसबी
3	श्री आर. डी. सहाय	पूर्व संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
4	श्री आर. के. वर्मा	आईए एंड एएस, वित्त अधिकारी, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
5	प्रो.सी.पी.एस.चौहान	पूर्व डीन, फैकल्टी ऑफ एजुकेशन, एएमयू, अलीगढ़
6	संयुक्त सचिव (सीयू एंड एल)	एमएचआरडी या उनका/ उनकी नामिती जो एमएचआरडी के प्रशासनिक ब्यूरो से उप सचिव के रैंक से नीचे का ना हो
7	संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार	एमएचआरडी या उनका/ उनकी नामिती जो एमएचआरडी के वित्तीय ब्यूरो से उप सचिव के रैंक से नीचे का ना हो
8	संयुक्त सचिव (सीयू)	यूजीसी या यूजीसी के चेयरमैन द्वारा नामित कोई अन्य संयुक्त सचिव स्तर का अधिकारी
9	श्री गिरीश रंजन	वित्त अधिकारी, सीयूएसबी एवं पदेन सचिव

बिल्डिंग एंड वर्क्स कमेटी के सदस्यगण

क्र. सं.	सदस्य के नाम	पदनाम
1	प्रो. एच. सी. एस. राठौर	कुलपति, सीयूएसबी एवं पदेन अध्यक्ष
2	प्रो. ओमप्रकाश राय	प्रति कुलपति, सीयूएसबी
3	प्रो. पी.के.एस. दीक्षित	डिपार्टमेंट ऑफ सिविल इंजीनियरिंग, आईआईटी बीएचयू, वाराणसी, यूपी
4	श्री फनी भूषण सिंह	चीफ़ इंजीनियर, सीपीडब्ल्यूडी (ईजेड-II), पटना
5	श्री उज्जवल कुमार	सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर इलैक्ट्रिकल, सीपीडब्ल्यूडी, पटना
6	श्री किशोरी प्रसाद	रिटायर्ड इंजीनियर, सीपीडब्ल्यूडी, पटना
7	श्री राजीव कुमार गुप्ता	सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर (सिविल), सीपीडब्ल्यूडी, पटना
8	श्री टी.वी. प्रभाकरन	पूर्व चीफ आर्किटेक्ट और डायरेक्टर इंफ्रास्ट्रक्चर, चेन्नई
9	श्री हिमांशु नंदी	वास्तुकला / विशेषज्ञ भूनिर्माण वास्तुकार, सीपीडब्ल्यूडी, पटना
10	प्रो फुलेना राजक	वास्तुकला विभाग, एनआईटी, पटना
11	प्रो संजय प्रकाश श्रीवास्तव	डीन, स्कूल ऑफ़ लॉ एंड गवर्नेंस, सीयूएसबी
12	प्रो. कौशल किशोर	प्राध्यापक, सेंटर फॉर एजुकेशन, सीयूएसबी
13	श्री गिरीश रंजन	वित्त अधिकारी, सीयूएसबी
14	इंजीनियर राजीव कुमार उपाध्याय	कार्यपालक अभियंता, सीयूएसबी
15	डा. गायत्री विश्वनाथ पाटिल	कुलसचिव, सीयूएसबी एवं पदेन सचिव

योजना एवं विकास बोर्ड के सदस्य

क्र. सं.	सदस्य के नाम	पदनाम
1	प्रो. एच. सी. एस. राठौर	कुलपति, सीयूएसबी एवं पदेन अध्यक्ष
2	प्रो. ओमप्रकाश राय	प्रति कुलपति, सीयूएसबी
3	प्रो. पंजाब सिंह	मुख्य सलाहकार, कृषि और ग्रामीण विकास उन्नति फाउंडेशन, वाराणसी, यू.पी.
4	प्रो. सी.पी.एस. चौहान	पूर्व डीन, फैकल्टी ऑफ एजुकेशन, एएमयू, अलीगढ़
5	प्रो. एस.पी. सिंह	विभागाध्यक्ष, डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग आईआईटी - बीएचयू, यू.पी.
6	प्रो. पी.के.एस. दीक्षित	डिपार्टमेंट ऑफ सिविल इंजीनियरिंग, आईआईटी बीएचयू, वाराणसी, यूपी
7	प्रो. रेखा अग्रवाल	डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन, सीयूएसबी
8	प्रो. श्यामानंद सिंह	डीन, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड पॉलिसी, सीयूएसबी
9	प्रो. संजय प्रकाश श्रीवास्तव	डीन, स्कूल ऑफ़ लॉ एंड गवर्नेंस, सीयूएसबी
10	प्रो. रविंद्रनाथ सिंह राठौर	डीन, स्कूल ऑफ अर्थ, बायोलोजिकल एंड इनवायर्नमेंटल साइंसेज, सीयूएसबी
11	प्रो. अरुण कुमार सिन्हा	डीन (प्रभारी), स्कूल ऑफ मेथेमेटिक्स,स्टेटिस्टिक्स एंड कम्प्यूटर साइंस, सीयूएसबी
12	प्रो. तेज बहादुर सिंह	डीन (प्रभारी), स्कूल ऑफ ह्यूमन साइंसेज, सीयूएसबी
13	प्रो. प्रभात कुमार सिंह	डीन (प्रभारी), स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज एंड लिटरेचर, सीयूएसबी
14	श्री गिरीश रंजन	वित्त अधिकारी, सीयूएसबी
15	इंजी.राजीव कुमार उपाध्याय	कार्यपालक अभियंता, सीयूएसबी
16	डा. गायत्री विश्वनाथ पाटिल	कुलसचिव, सीयूएसबी एवं पदेन सचिव

अप्रैल 2016 - मार्च 2017 के दौरान सांविधिक प्राधिकारों की बैठकें

कार्यकारी परिषद की बैठक

क्र. सं.	बैठक की तिथि	बैठक संख्या	स्थल
1	19.10.2016	27वीं	सीयूएसबी, सम्मेलन कक्ष, पटना
2	29.11.2016	28वीं	सीयूएसबी, सम्मेलन कक्ष, पटना
3	17.03.2017	29वीं	होटल ताज दरबार, बोधगया

नवनिर्मित कार्यकारी परिषद की पहली बैठक

शैक्षणिक परिषद् की बैठक

क्र. सं.	बैठक की तिथि	बैठक संख्या	स्थल
1	19.08.2016	15वीं	सीयूएसबी, सम्मेलन कक्ष, पटना

वित्त समिति की बैठक

क्र. सं.	बैठक की तिथि	बैठक संख्या	स्थल
1	23.07.2016	18वीं	आईसीएसएसआर गेस्ट हाउस, नई दिल्ली
2	17.10.2016	19 वीं	एआईयू गेस्ट हाउस, नई दिल्ली
3	27.11.2016	20 वीं	एआईयू गेस्ट हाउस, नई दिल्ली

बिल्डिंग एंड वर्क्स कमेटी की बैठक

क्र. सं.	बैठक की तिथि	बैठक संख्या	स्थल
1	10.11.2016	पुनर्निर्मित बीडब्ल्यूसी की पहली बैठक	सीयूएसबी, सम्मेलन कक्ष, पटना
2	22.11.2016	पुनर्निर्मित बीडब्ल्यूसी की दूसरी बैठक	सीयूएसबी स्थायी परिसर, पंचानपुर, गया

नवगठित भवन एवं निर्माण समिति की पहली बैठक

CUSB in Newspapers

CUSB Permanent Campus at Panchanpur, Gaya

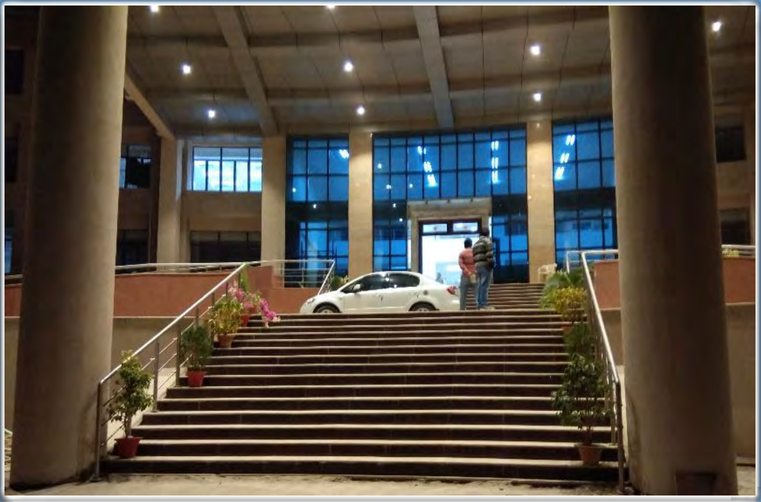

CENTRAL UNIVERSITY OF SOUTH BIHAR

Permanent Campus: Gaya Tekari Road, Panchanpur, Gaya - 824236, Bihar
Gaya Campus: Vinova Nagar, Chandauti, Gaya - 823001, Bihar
Patna Campus: BIT Campus, P.O.: BV College, Patna - 800014, Bihar
Website: www.cusb.ac.in / Telephone: 0612 - 2226535